THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 277 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.13 2079 बुधवार, 21 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जमात-ए-इस्लाम की 200 करोड़ की संपत्ति सील

श्रीनगर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों को फंडिंग देने वाले प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी की 100 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी रविवार को स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने सील की। यह कार्रवाई गांदरबल, बांदीपोरा, कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में हुई। राज्य में आतंकी संगठनों की फंडिंग रोकने के लिए एजेंसी पिछले कुछ समय से कार्रवाई कर रही है।

इसके तहत अब तक जमात-ए-इस्लामी की 200 करोड़ रुपये की संपत्ति सील की जा चुकी है। जमात ने बीते 30 साल में घाटी में अपना विशाल साम्राज्य खड़ा कर लिया है। इसमें जमीन, शॉपिंग मॉल और स्कूल समेत बड़ी संख्या में अचल संपत्ति शामिल है।

29 नहीं 23 दिसंबर को खत्म हो सकता है संसद सत्र

बयान पर राज्यसभा में बवाल

खड़गे बोले जो कहा, सही कहा

हंगामे को शांत कराते सभापति ओपी धनखड़

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का विंटर सेशन समय से पहले खत्म हो सकता है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह सेशन 23 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। यह फैसला बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में लिया गया, जो लोकसभा और राज्यसभा के शेड्यूल को मैनेज करती है। शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर को शुरू हुआ था, जो 29 दिसंबर तक चलना था।

उधर, राज्यसभा में खड़गे के कुत्ते वाले बयान पर भारी हंगामा हुआ। भाजपा ने खड़गे से माफी की मांग की। उधर, खड़गे का कहना है कि जो उन्होंने जो कहा वह सदन के बाहर कहा था।

सांसद पीयूष गोयल ने कहा कि रविवार को अलवर में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अभद्र भाषण दिया। उन्होंने जिस तरह से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, निराधार बातें कहीं और देश के सामने झूठ पेश करने की कोशिश की। खड़गे को भाजपा, संसद और इस देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। खड़गे ने हमें उनकी मानसिकता की झलक दी है।

पहले जानते हैं, क्या था खड़गे का विवादित बयान :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान के अलवर में रविवार को कहा था, हमने देश को आजादी दिलाई और देश की एकता के लिए इंदिरा और राजीव गांधी ने अपनी जान की कुर्बानी दी। हमारे पार्टी के नेताओं ने अपनी जान दी, आपने क्या किया? आपके घर में कोई देश के लिए कुत्ता तक मरा है? क्या (किसी ने) कोई कुर्बानी दी है? नहीं।

अब जानते हैं क्या हुआ राज्यसभा में :

राज्यसभा की कार्रवाई सुबह 11 बजे शुरू हुई। करीब 15 मिनट ही गुजरे थे। भाजपा सांसदों ने खड़गे से माफी मांगने की अपील की।

पीयूष गोयल ने कहा कि आजादी के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए। खड़गे जी इसका जीता जागता उदाहरण हैं और देश को दिखा रहे हैं कि गांधी जी ने जो कहा वह सच था और वह एक ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं जो बोलना नहीं जानते। जब तक वह माफी नहीं मांगते, उन्हें यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है। उधर, खड़गे ने कहा, मैंने राजस्थान के अलवर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो कहा वह सदन के बाहर था। मैंने जो कहा वह राजनीतिक रूप से सदन के बाहर था, भीतर नहीं। उस पर यहां चर्चा करने की जरूरत नहीं है। मैं अभी भी कह सकता हूं कि स्वतंत्रता संग्राम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले आज भाजपा की संसदीय दल की मीटिंग हुई। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे। मीटिंग में संसद में चल रही कार्यवाही पर चर्चा हुई। इससे पहले 14 दिसंबर को भाजपा की बैठक में पीएम मोदी के लिए लगातार 3 मिनट तक तालियां बजी थीं।

शोपियां में एनकाउंटर लश्कर के 3 आतंकी ढेर

जम्मू/श्रीनगर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में शोपियां के मुंज मार्ग इलाके में मंगलवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें लश्कर के तीन आतंकी मारे गए। इनके पास से एक एके-47 राइफल और 2 पिस्तौल बरामद हुईं। एडीजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी स्थानीय थे। इनमें से दो की पहचान हुई है।

भट्ट की पत्नी बोलीं, आज न्याय मिला :

आतंकी लतीफ लोन शोपियां का रहने वाला था, जो कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण भट्ट की हत्या में शामिल था और अनंतनाग का उमर नजीर नेपाल के तिल बहादुर थापा की हत्या में शामिल था। दिवंगत पूरन कृष्ण भट्ट की पत्नी ने कहा कि आज शोपियां में एक मुठभेड़ में उनके पति की हत्या में शामिल आतंकवादी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया।

क्या पीएम मोदी ने बाली में शी जिनपिंग से बॉर्डर के हालात पर बात की? कांग्रेस नेता चिदंबरम ने राज्यसभा में पूछा

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम ने सोमवार को राज्यसभा में सरकार से पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में मुलाकात के दौरान सीमा स्थिति पर चर्चा की थी? पी. चिदंबरम के सवाल पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई और व्यवधान भी डाला।

मुझे कोई संवेदनशील जानकारी नहीं चाहिए :

पी. चिदंबरम ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश विनियोग (संख्या 5), विधेयक, 2022 और विनियोग (संख्या 4) विधेयक 2022 पर चर्चा शुरू करने के बाद यह टिप्पणी की। अनुदान की पूरक मांग में सीमावर्ती सड़कों के लिए मांगे गए अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये का हवाला देते हुए पी. चिदंबरम ने स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें सीमा पर शर्तों को उठाने का अधिकार है क्योंकि उन्हें कोई संवेदनशील जानकारी नहीं चाहिए।

बफर जोन का मतलब क्या होता?

पी. चिदंबरम ने पूछा, ये पूर्वोत्तर में रणनीतिक और सीमावर्ती सड़कें हैं। हम जानते हैं कि उत्तरी और पूर्वी सीमा पर कौन खतरा है। क्या चीन ने हॉट स्प्रिंग्स पर कुछ स्वीकार किया है? क्या डोकलाम जंक्शन और डेपसांग मैदानों में घर्षण बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए चीनी सहमत हैं?

सिरसिल्ला अपहरण मामले में आया मोड़

पीड़िता ने जारी किया शादी का वीडियो

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना-सिरसिल्ला के चंदुर्ती के मुदापल्ली में सुबह-सुबह अपहरण के मामले में 'पीड़ित' लड़की ने एक वीडियो जारी किया और कहा कि उसका अपहरण नहीं किया गया है और वह अपनी इच्छा के अनुसार अपने प्रेमी ज्ञानेश्वर के साथ शादी करने गई है। यह किस्सा मंगलवार तड़के शुरू हुआ, जब लड़की शालिनी का चार लोगों ने उस समय अपहरण कर लिया, जब वह अपने पिता चंद्रैया के साथ एक मंदिर से बाहर आ रही थी। यहां तक कि पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी थी। बाद में शालिनी ने वीडियो जारी कर कहा कि वह और ज्ञानेश्वर उर्फ जॉनी पिछले चार सालों से प्यार में थे। जॉनी उसकी सहमति से ही उसे लेने मंदिर आया था।

उसने कहा कि वह शुरू में उलझन में थी क्योंकि जॉनी ने अपने चेहरे को ढकने वाला मुखौटा पहन रखा था। हालांकि, बाद में उसने उसे पहचान लिया और उसके साथ चली गई और अपनी इच्छा के अनुसार उससे शादी कर ली। शालिनी द्वारा वीडियो जारी करने से पहले, जिले में मौजूद आईटी मंत्री केटी रामा राव ने पुलिस अधीक्षक राहुल हेगड़े को बुलाकर शाम तक अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार करने का निर्देश देते हुए घटना की जानकारी ली थी।

एलजी ने कहा, आप से 97 करोड़ वसूलो

15 दिन का वक्त दिया, पार्टी के प्रचार में सरकारी पैसों के इस्तेमाल का आरोप

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर (एलजी) वीके सक्सेना ने चीफ सेक्रेटरी को आम आदमी पार्टी (आप) से 97 करोड़ रुपये वसूलने के आदेश दिए हैं। इसके लिए पार्टी को 15 दिन का समय दिया गया है।

सीएम अरविंद केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने पार्टी के प्रचार में सरकारी पैसे खर्च किए, जो कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। एलजी का कहना है कि केजरीवाल ने राजनीतिक विज्ञापनों को सरकारी विज्ञापन के तौर पर पब्लिश करवाया है। अगस्त 2016 में हाईकोर्ट ने इस मामले में तीन सदस्यों की एक कमेटी गठित की थी। कमेटी को विज्ञापनों पर खर्च की गई राशि को लेकर जांच के आदेश दिए गए थे। समिति ने 16 सितंबर 2016 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें आप को दोषी पाया गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि पार्टी ने सरकारी विज्ञापनों का इस्तेमाल खुद के लिए किया है। उन्होंने कई संचार माध्यमों से सरकारी पैसे पर विपक्ष पर निशाना साधा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सितंबर 2016 से अब तक दिल्ली सरकार के सभी विज्ञापनों की एक्सपर्ट कमेटी द्वारा जांच की जाएगी।

एक महीने में विज्ञापन पर 24 करोड़ खर्च करने का आरोप लगा :

जून 2022 में विपक्ष ने दावा किया कि आप सरकार ने एक महीने में विज्ञापन पर 24 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। इसके लिए आरटीआई इन्फॉर्मेशन का हवाला दिया गया है। विपक्षी दलों ने तंज कसा कि राज्य का खजाना भरने के दावे करके सत्ता में आई आप खुद ही इसे खाली करने में जुटी है। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, कांग्रेस एमएलए सुखपाल खैहरा और भाजपा नेता मनजिंदर सिरसा ने इसको लेकर सीएम भगवंत मान पर सवाल खड़े किए हैं।

कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा ने जून में आरटीआई इन्फॉर्मेशन की कॉपी ट्वीट की थी। उन्होंने कहा कि सिर्फ अप्रैल महीने में पब्लिसिटी पर 24 करोड़ खर्च कर दिए। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान बताएं कि इस तरह से उन्होंने पंजाब का खजाना भरने का वादा किया था। खैहरा ने कहा कि वन एमएलए, वन पेंशन से सरकार एक साल में सिर्फ 8 करोड़ बचाएगी और यहां एक महीने में इतना खर्च कर दिया।

आंध्रा में नक्सलियों की बड़ी साजिश का पर्दाफाश

कर रहे लड़कियों की भर्ती, एक्शन में सुरक्षा एजेंसी

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी में लड़कियों की भर्ती का मामला सामने आया है। इस केस में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पांच लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

इसमें संगठन पर आरोप लगाया गया है कि वह युवा लड़कियों की भर्ती कर उन्हें कट्टरपंथी बना रहा है। एनआईए ने बयान जारी कर बताया कि सोमवार को आंध्र के विजयवाड़ा स्थित विशेष कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया। यह केस विशाखापट्टनम पुलिस ने इस साल के आरंभ में दायर किया था। इसके बाद जांच एनआईए को सौंपने पर दोबारा केस दायर किया गया। आरोप पत्र में राधा नामक लड़की को भाकपा माओवादी के कैडर के रूप में भर्ती किए जाने का जिक्र है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी डोंगरी देवेंद्र, दुबासी स्वप्ना और चुक्का शिल्पा ने राधा को चैतन्य महिला संघ (सीएमएस) में शामिल होने के लिए प्रेरित किया और बाद में उसे कट्टरपंथी बनाकर भाकपा (माओवादी) के नेतृत्व में प्रतिबंधित संगठन में भर्ती करा दिया। एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि भूमिगत माओवादियों, आरके (अब मृतक) उदय, अरुणा आदि इस संगठन के नेता थे। जांच में पाया गया कि आरोपी देवेंद्र राधा को इलाज के बहाने जंगल में ले गया था। वहां उदय और अरुणा ने उसे प्रतिबंधित संगठन में शामिल होने के लिए मजबूर किया। एनआईए का कहना है कि आरोपियों ने कुछ अन्य लड़कियों व अन्य को भी इस प्रतिबंधित संगठन में भर्ती किया।

प्रवक्ता ने कहा कि देवेंद्र ने सामाजिक कार्य के नाम पर भोलीभाली लड़कियों को सीएमएस की ओर आकर्षित किया था। मामले में किसी बड़ी साजिश की आशंका को देखते हुए सीएमएस और संगठन के अन्य नेताओं की भूमिका की जांच की जा रही है।

भारत से रिश्ते सुधारना चाहता था

इमरान खान का बड़ा खुलासा, आरएसएस और कश्मीर के चलते रुका

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार (20 दिसंबर, 2022) को कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को सुधारना चाहते थे, लेकिन कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द करना एक बाधा बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा भी भारत के साथ बेहतर रिश्ते चाहते थे, और उनका झुकाव इस ओर और भी ज्यादा था।

मैं प्रधानमंत्री रहते हुए भारत के साथ संबंध सुधारना चाहता था :

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष ने कहा, मैं अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ संबंध सुधारना चाहता था, लेकिन आरएसएस की विचारधारा और (जम्मू-कश्मीर) विशेष दर्जे को रद्द करना बाधा बन गया। लाहौर में अपने जमान पार्क आवास पर विदेशी पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने ये बातें कही हैं। खान ने कहा कि भारत द्वारा 2019 में कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद उनकी सरकार ने बातचीत पर जोर नहीं दिया। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि भारत पहले अपने फैसले को पलटे और शांति वार्ता करे। प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया की तरफ से सवाल किया गया कि उनके कार्यकाल में भारत के लिए विदेश नीति कौन चला रहा था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं बॉस था, मैं विदेश नीति चला रहा था। हालांकि, मैं आपको बता दूं कि जनरल बाजवा का झुकाव भारत के साथ बेहतर संबंधों के लिए और भी अधिक था।

महाठग सुकेश चंद्रशेखर का बड़ा आरोप, कहा आप को 60 करोड़ रुपये दिए

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में बड़ा दावा किया है।

सुकेश चंद्रशेखर ने बताया कि उसने आम आदमी पार्टी (आप) को उसने 60 करोड़ रुपये दिए हैं। उसने कहा कि मैं ये बात दिल्ली के राज्यपाल को लिखित रूप से दे चुका हूं। आपको बता दें कि सुकेश को 200 करोड़ की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में कोर्ट में पेश किया गया था।

एआईएडीएमके को दो पत्ती चुनाव चिन्ह के लिए रिश्वत देने का आरोप :

सुकेश चंद्रशेखर एआईएडीएमके के दो पत्ती चुनाव चिन्ह मामले में पेश हो रहे थे। उन पर चुनाव आयोग के अधिकारियों को एक गुट के लिए पार्टी के लिए दो पत्तियों का चुनाव चिह्न हासिल करने के लिए रिश्वत देने का आरोप है। बाद में दिन में वह ठग 200 करोड़ रुपये के घोटाले मामले में पटियाला हाउस अदालत में भी पेश हुआ। इस मामले में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज भी सामने आईं।

भारत में समलैंगिक विवाह समाज व संस्कृति के खिलाफ

भाजपा सांसद का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में समलैंगिक विवाह की वैधता का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। इससे पहले मंगलवार को भाजपा सांसद सुशील मोदी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने समलैंगिक विवाह को भारतीय संस्कृति के खिलाफ बताया है।

सुशील मोदी ने कहा है कि समलैंगिक विवाह भारत की संस्कृति और परंपरा के लिए उचित नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि कुछ वामपंथी और कार्यकर्ताओं ने समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अगर दो जजों की बेंच इस पर फैसला लेती है तो यह उचित नहीं होगा।

संसद में हो चर्चा :

भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा, समलैंगिक विवाह को लेकर पहले संसद और लोगों के बीच चर्चा हो। क्योंकि, समाज इसे मानने को तैयार नहीं है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में लड़कियों की शादी की उम्र एक होनी चाहिए।

अनुब्रत मंडल को 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

कोलकाता, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। करोड़ों रुपये के मवेशी तस्करी घोटाले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता अनुब्रत मंडल को दिल्ली ले जाने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोशिशों को मंगलवार को झटका लगा। बीरभूम जिले की एक निचली अदालत ने हत्या के प्रयास के मामले में अनुब्रत मंडल को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। हत्या का प्रयास 2021 में हुआ था और इसकी एफआईआर सोमवार शाम को ही दर्ज की गई थी।

सोमवार दोपहर नई दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को अनुब्रत मंडल को राष्ट्रीय राजधानी ले जाने और वहां एजेंसी के मुख्यालय में पशु तस्करी घोटाले के संबंध में उससे पूछताछ करने के लिए पेशी वारंट जारी किया था।

मंडल को बीरभूम जिले के दुबराजपुर की निचली अदालत में पेश किए जाने के बाद मंगलवार को लोक अभियोजक ने 14 दिन की पुलिस हिरासत का अनुरोध किया। सरकारी वकील ने दलील दी कि हत्या के प्रयास से जुड़े ताजा मामले में जांच के उद्देश्य से मंडल को पुलिस हिरासत में लेने की जरूरत है।

हालांकि, मंगलवार सुबह इस मामले में मंडल के किसी भी वकील ने जमानत के लिए अर्जी नहीं दी। मामले में संक्षिप्त सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने मंडल को सात दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

उनकी न्यायिक हिरासत सोमवार शाम को दुबराजपुर पुलिस स्टेशन में तृणमूल कांग्रेस के पंचायत सदस्य, शिबठाकुर मंडल द्वारा दायर एक शिकायत से संबंधित थी, जिसमें अनुब्रत मंडल पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया था।

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि करोड़ों रुपये की पशु तस्करी की जांच कर रहे ईडी के अधिकारियों ने घटनाक्रम पर गौर किया है। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, हमने अपने उच्च अधिकारियों को अपने मुख्यालय में पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी है। हमारे कानूनी जानकार भी इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं और उसी के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

तब्लीगी जमात ने कराई थी अमरावती के कैमिस्ट की हत्या

पैगंबर पर कथित टिप्पणी के बाद सिर धड़ से अलग करना चाहते थे, एनआईए चार्जशीट में खुलासा

मुंबई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती में कैमिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या तब्लीगी जमात के कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने की थी। एनआईए की चार्जशीट में इसका खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि उमेश की हत्या एक सोची समझी साजिश के तहत की गई थी। तब्लीगी आतंकियों ने उसका गला काटा था, ताकि लोगों के मन में डर पैदा किया जा सके।

केस की जांच कर रही एनआईए ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि मर्डर के 11 आरोपी तब्लीगी जमात के इस्लामिक कट्टरपंथी थे। तब्लीगी जमात एक इंटरनेशनल देवबंदी इस्लामिक मिशनरी है, जो इस्लामिक मान्यताओं का सख्ती से पालन करने पर जोर देता है। अमरावती के उमेश कोल्हे (54) की 21 जून को काम से लौटते समय तीन हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। हमलावर भाजपा प्रवक्ता नूपुर के समर्थन में उमेश की व्हाट्सऐप पोस्ट से नाराज थे। नूपुर ने टेलीविजन शो में पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी की थी। हमलावर कोल्हे का सिर धड़ से अलग करना चाहते थे, लेकिन उनके पीछे आ रहे बेटे-बहू के चिल्लाने पर वे भाग गए थे।

पाक आर्मी ने 33 आतंकी मारे : 40 घंटे चला होस्टेज ड्रामा

16 मौलवियोंकी बात भी नहीं माने तालिबान

इस्लामाबाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बन्नू जिले में काउंटर टेररिज्म सेंटर (सीटीडी) पर कब्जा करने वाले तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के 33 आतंकियों को पाक फौज ने मार गिराया है। डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ ने संसद को यह जानकारी दी। ऑपरेशन में 2 कमांडो भी मारे गए हैं।

करीब तीन दिन से टीटीपी के आतंकी एक मेजर समेत चार फौजियों को बंधक बनाए हुए थे। पाकिस्तान ने इस मसले को सुलझाने के लिए 16 मौलवियों की एक टीम अफगानिस्तान बातचीत के लिए भेजी थी। इनकी कोशिश यह थी कि अफगान तालिबान को इस बात के लिए तैयार किया जाए कि वो टीटीपी आतंकियों को सरेंडर के लिए तैयार करे। ये कोशिश नाकाम साबित हुई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि टीटीपी के आतंकी अफगानिस्तान जाने के लिए हेलिकॉप्टर की मांग कर रहे थे। इसके बाद पाकिस्तानी फौज ने मिलिट्री ऑपरेशन किया। टीटीपी के आतंकियों ने खैबर पख्तूनख्वा राज्य के बन्नू जिले में आतंकवाद विरोधी सेंटर पर कब्जा कर लिया था। चार फौजियों समेत कुछ लोगों को होस्टेज बना लिया था। एक की हत्या भी कर दी थी। हालात इतने खराब थे कि पाकिस्तान सरकार बंधकों को छुड़ा नहीं पा रही थी।

अफगानिस्तान जाना चाहते थे आतंकी :

सिक्योरिटी फोर्सेस ने पूरी छावनी को चारों ओर से घेरा हुआ था। फौज और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन बातचीत के जरिए बंधकों को छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे। खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ ने कहा था, आतंकियों ने सरकार के सामने एक शर्त रखी है, वो चाहते हैं कि सरकार उन्हें सुरक्षित तरीके से अफगानिस्तान जाने दे।

काउंटर टेररिज्म सेंटर पर टीटीपी के कब्जे की शुरुआत एक आतंकी से पूछताछ के दौरान हुई। दरअसल, सेंटर में एक अधिकारी टीटीपी के आतंकी से पूछताछ कर रहा था। उसी समय आतंकी ने उसके हाथ से एके-47 छीन ली और अपने साथी आतंकियों को रिहा करवा लिया।

स्मृति की राहुल-सोनिया को सलाह

आपको और मम्मी जी को अपने स्त्री विरोधी गुंडों के लिए नए स्पीच राइटर की जरूरत

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल और सोनिया गांधी को अपने नेताओं के लिए नए राइटर हायर करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनकी मम्मी सोनिया गांधी को नए स्पीच राइटर की जरूरत है। ईरानी ने यह बात यूपी कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के लिए कही है। इसके साथ ही अजय को उन्होंने स्त्री विरोधी भी बताया है। दरअसल, यूपी कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को कहा था कि स्मृति ईरानी अमेठी में आती हैं और लटके-झटके देकर चली जाती हैं।

अजय बोले- 2024 में राहुल वाराणसी से पीएम मोदी को चैलेंज देंगे

अजय राय ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि 2024 में राहुल गांधी वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी को चैलेंज देंगे। कांग्रेस नेता के इसी बयान पर स्मृति ईरानी ने पटलवार करते हुए कांग्रेस लीडरशिप को यह सलाह दी है। अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने कहा- सुना है राहुल गांधी जी आपने अपने किसी प्रांतीय नेता से अभद्र तरीके से 2024 में अमेठी से लड़ने की घोषणा करवाई है, तो क्या आपका अमेठी से लड़ना पक्का समझूं? दूसरी सीट पर तो नहीं भागेंगे? डरेंगे तो नहीं?

सबसे पहले अजय राय का पूरा बयान पढ़िए...

पूर्व विधायक और पूर्वांचल के कद्दावर नेताओं में शुमार अजय राय ने कहा कि राहुल 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी से चुनौती देंगे। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को लेकर भी विवादित बयान दिया। राय ने कहा कि स्मृति तो लटके-झटके देकर चली जाती हैं। राय ने कहा- स्मृति अमेठी आती हैं और लटके-झटके देकर चली जाती हैं। उन्होंने संकेत दिया कि राहुल गांधी 2024 में अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में वाराणसी से वह पीएम नरेंद्र मोदी को चैलेंज देंगे।

राय के बयान पर भाजपा का पलटवार

अजय राय के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की रस्सी जल गई है, लेकिन बल नहीं जा रहा। कांग्रेस राहुल गांधी की अमेठी में शर्मनाक हार को पचा नहीं पा रही, इसीलिए उनके नेता महिलाओं के लिए ऐसा बयान दे रहे हैं। यही कारण है कि कांग्रेस यूपी में एक सांसद और दो विधायकों वाली पार्टी रह गई। उन्होंने कहा कांग्रेस नेता अगर ऐसी ही बदजुबानी रखेंगे तो आने वाले दिनों में और दुर्गति होगी। उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से सवाल किया कि क्या लड़की हूं लड़ सकती हूं का कैंपेन चलाने वाली प्रियंका गांधी इस बयान को लेकर अजय राय के खिलाफ कार्रवाई करेंगीं।

हाल ही में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गुजरात नहीं आ रहे हैं और नॉर्थ-ईस्ट भी नहीं जा रहे हैं, क्या वो देश का हिस्सा नहीं है? ये देश तोड़ने की बात करते हैं। स्मृति ईरानी ने कहा था कि अब राहुल गांधी ने मान लिया है कि वो भारत को समझते नहीं है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का कांग्रेस पर तीखा हमला

कहा- 'मल्लिकार्जुन खड़गे नकली इटैलियन कांग्रेस के रबड़ स्टैम्प अध्यक्ष हैं'

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र बड़ा ही हंगामेदार गुजर रहा है। हर रोज किसी न किसी विषय पर विवाद खड़ा हो रहा है। कभी किसी टॉपिक को लेकर सत्ता पक्ष बवाल करता है तो कभी विपक्ष हंगामा करना शुरू कर देता है। आज मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक बयान को लेकर संसद के अंदर और बाहर बवाल कटा हुआ है। बीजेपी की तरफ से केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने खड़गे की बयान की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे 10 टर्म से सांसद हैं और उन्हें इतने वर्षों का राजनैतिक अनुभव रखने वाले खड़गे से इस तरह की अभद्र भाषा की उम्मीद नहीं थी। वर्तमान कांग्रेस को नकली कांग्रेस और इटैलियन कांग्रेस बताते हुए जोशी ने कहा कि आज की कांग्रेस असली नहीं बल्कि नकली कांग्रेस है।

महात्मा गांधी ने तो आजादी के बाद ही कांग्रेस को विसर्जित करने का आह्वान किया था। आज की नकली कांग्रेस ने वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, बाल गंगाधर तिलक और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के साथ जो सलूक किया है, उसके बारे में सारा देश जानता है। प्रह्लाद जोशी ने मल्लिकार्जुन खड़गे पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह कांग्रेस आजादी की लड़ाई वाली कांग्रेस नहीं है और खड़गे इस नकली इटैलियन कांग्रेस के रबड़ स्टैम्प अध्यक्ष हैं।

चुनाव के बाद बीजेपी को मेरे पास आना होगा

जेडीएस नेता एच.डी. कुमारस्वामी का बयान

बेंगलुरू, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश की स्थिति में अपनी पार्टी के निर्णायक कारक के रूप में उभरने की संभावना का संकेत देते हुए जद (एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि चुनाव के बाद सत्तारूढ़ भाजपा को उनके पास आना होगा. कुमारस्वामी चुनाव के लिए जद (एस) के 93 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने के बाद बोल रहे थे. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष का संदर्भ देते हुए कहा, ''2023 में आपको (भाजपा को) जद (एस) के पास आना होगा. सावधान रहें. भाजपा के लिए टिकना आसान नहीं है. मैंने भाजपा को राज्य से बाहर फेंकने का फैसला किया है. मुझे आपसे सीखने की जरूरत नहीं है.''वह संतोष की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें जद (एस) की ''पारिवारिक राजनीति'' पर कटाक्ष किया गया था.हालांकि, बाद में यह कहते हुए कि भाजपा और कांग्रेस दोनों को खारिज कर दिया जाएगा क्योंकि लोग 'कन्नडिगों के लिए और कन्नडिगों द्वारा' सरकार लाना चाहते हैं, कुमारस्वामी ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब सरकार बनाने के लिए भाजपा के साथ चुनाव बाद गठबंधन करने से नहीं था. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''जब जद (एस) की स्वतंत्र सरकार बनेगी तो भाजपा नेताओं को काम करवाने के लिए मेरे पास आना होगा. मैं लुटेरों के साथ सरकार क्यों बनाऊं?'

नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी

ट्रेनिंग का झांसा देकर रेलवे स्टेशन पर गिनवाते रहे ट्रेन, जानें पूरी स्टोरी

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। चेहरे पर नौकरी पाने खुशी लिए तमिलनाडु के कम से 28 युवक रोज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलग-अलग प्लेटफार्मों पर आने-जाने वाली ट्रेनों तथा उनके डिब्बों की गिनती कर रहे थे। उन्हें बताया गया था कि यही उनका काम है। करीब एक महीने तक रोजाना आठ घंटे तक वे इस तरह ट्रेनों की गिनती करते रहे। वे इस बात से बेखबर थे कि वे नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दायर एक शिकायत के बाद इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। दरअसल इन युवकों को बताया गया था कि ट्रेनों की गिनती का काम यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई), यातायात सहायकों और क्लर्कों के पदों के लिए उनकी ट्रेनिंग का हिस्सा था। रेलवे में नौकरी पाने के लिए उनमें से हर युवक ने दो लाख से 24 लाख रुपये के बीच की रकम दी थी। बाद में उन्हें पता चला कि वे लोग एक बड़ी ठगी का शिकार हो चुके हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में 78 वर्षीय एम सुब्बुसामी द्वारा दर्ज कराई गई।

भाड़े के नाम और चोरी के गाने

मनोज मुंतशिर पर भड़कीं सुप्रिया श्रीनेत

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर ने राहुल गांधी के विवादित बयान पर इस तरह से पलटवार किया कि वह खुद ही विवादों के घेरे में आकर फंस गए हैं. कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मुंतशिर को भाड़े के नाम और चोरी के गाने लिखने वाला कहते हुए कहा कि वह जिस मां को विदेशी कहकर अपमान कर रहे हैं वो लोकतंत्र में 6 बार चुनी सांसद हैं. सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि संघी अवसरवादी मां का ओहदा और हिंदुस्तान की संस्कृति नहीं समझ सकते हैं. मुंतशिर को तथाकथित कवि से सड़क छाप चवन्नी का ट्रोल बनने में ज्यादा वक्त नहीं लगा. दरअसल, उनका यह बयान मुंतशिर के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने चाणक्य का हवाला देते हुए कहा था कि 'विदेशी माता से पैदा हुआ पुत्र राष्ट्रभक्त हो ही नहीं सकता, प्रॉब्लम डीएनए का है'.मिट्टी से प्यार करो.

क्या था मनोज मुंतशिर का बयान

सोमवार (19 दिसंबर) को भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मनोज मुंतशिर ने मंच से तमाम लोगों के बीच राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि 'सरदार भगत सिंह की बात मैं आपसे कर रहा था तो मुझे याद आया कि यह जो एक चीज है न, देश के लिए आकाश भर प्रेम, यह दुनिया में कहीं भी आप चले जाएं यह सब्जेक्ट होता है. उन्होंने कहा कि हमेशा बच्चों को देश प्रेम सिखाना पड़ता है और दिखाना पड़ा है कि तुम्हारे बाप-दादा ने यह किया

'प्रॉब्लम डीएनए का है'

मुंतशिर ने राहुल गांधी के तवांग वाले बयान को लेकर कहा कि कोई कैसे कह सकता है हमारे सैनिक पिट गए? लेकिन मैं क्या दोष दूं? मैंने चाणक्य को पढ़ा है आपने भी पढ़ा होगा. मैं कोट कर रहा हूं चाणक्य को जहां उन्होंने लिखा है कि विदेशी माता से पैदा हुआ पुत्र कभी राष्ट्रभक्त नहीं हो सकता. साथियों प्रॉब्लम डीएनए का है. कुछ नहीं कर सकते आप और हम इसका.'' अब इसी बयान को लेकर कांग्रेस ने उन पर कड़ा निशाना साधा है.

भाभी के मामा ने नवविवाहिता से किया रेप

भोपाल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल में नवविवाहिता ने अपनी भाभी के मामा पर रेप का केस दर्ज कराया है। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी उसे इंदौर घुमाने के बहाने लेकर गया। पांच दिन तक उसे साथ रखा। इसके बाद बस में बैठाकर वापस भोपाल भेज दिया। अब शादी से भी मुकर गया। अभी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। टीआई अजय नायर ने बताया कि अभी आरोपी धर्मेन्द्र की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। आरोपी ठेकेदारी करता है।

अधिवक्ता ने बिलावल भुट्टो को भेजा नोटिस

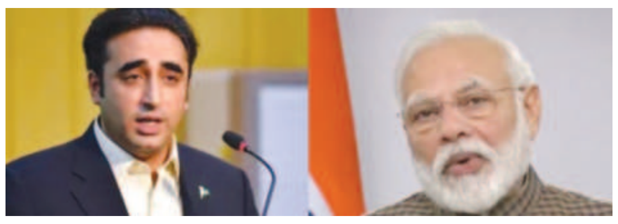

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में केस दर्ज करने की दी चेतावनी

हरिद्वार, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री की ओर से पीएम मोदी पर की गई आपत्तजनक टिप्पणी को लेकर हरिद्वार के अधिवक्ता ने बिलावल भुट्टो को नोटिस भेजा है। अधिवक्ता अरुण भदोरिया ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत करने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि भुट्टो की ओर से दिया गया आपत्तिजनक बयान धार्मिक उन्माद को बढ़ावा देता है।

जब तक मुझे मंत्री नहीं बनाया जाता

तब तक विधानसभा सत्र में भाग नहीं लूंगा: बीजेपी विधायक

बागलकोट (कर्नाटक), 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक के. एस. ईश्वरप्पा ने सोमवार को कहा कि जब तक उन्हें मंत्री नहीं बनाया जाता, तब तक वह विधानसभा सत्र में भाग नहीं लेंगे। शिवमोगा से विधायक ईश्वरप्पा ने इस साल की शुरुआत में उडुपी के एक होटल में बेलगावी के एक ठेकेदार संतोष पाटिल की आत्महत्या के बाद ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इस मामले में उनपर 40 प्रतिशत कमीशन मांगने का आरोप लगा था। ईश्वरप्पा ने पत्रकारों से कहा कि ठेकेदार आत्महत्या मामले में जांच एजेंसी द्वारा क्लीन चिट दिए जाने के बावजूद उन्हें मंत्री पद से वंचित किया जा रहा है। वरिष्ठ विधायक ने कहा कि वह बेलागवी जाएंगे, जहां विधानमंडल का सत्र चल रहा है, लेकिन इसमें भाग नहीं लेंगे। बता दें कि कर्नाटक में ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत को लेकर ईश्वरप्पा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। ईश्वरप्पा को इस मामले में प्रथम आरोपी बनाया गया था। 37 वर्षीय ठेकेदार संतोष के पाटिल उडुपी के एक लॉज में संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए थे। विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से

ईश्वरप्पा को मंत्रिपरिषद से बर्खास्त करने का आग्रह किया था। वहीं इस मामले पर पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक रमेश जारकिहोली ने दावा किया था कि साजिशकर्ताओं के एक ही समूह का उनसे जुड़े 'सेक्स सीडी स्कैंडल' और ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के पीछे हाथ है। उन्होंने दोनों की मामलों की सीबीआई जांच की मांग की।

राजधानी एक्सप्रेस में पैसेंजर के ऑमलेट में निकला कॉकरोच

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक पैसेंजर को अपने खाने में कॉकरोच मिला। यह खाना इंडियन रेलवे ने सर्व किया था। पैसेंजर ने खाने का फोटो लेकर ट्वीट किया और घटना के बारे में भारतीय रेलवे और रेल मंत्री पीयूष गोयल से जवाब मांगा। 16 दिसंबर की इस घटना के सामने आने के बाद रेलवे ने आरोपी कुक को सर्विस से हटा दिया है। पैसेंजर ने ट्वीट में बताया ऑमलेट का फोटो पोस्ट करके लिखा कि 16 दिसंबर को वे दिल्ली से राजधानी एक्सप्रेस में बैठे। अपनी 2.5 साल की बच्ची के लिए उन्होंने नाश्ते में एक्स्ट्रा ऑमलेट ऑर्डर किया। जब ऑमलेट आया तो उसमें एक कॉकरोच मिला। उन्होंने पूछा कि अगर मेरी बेटी को कुछ हो जाता तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता।

रेलवे ने लिया दोषियों के खिलाफ एक्शन

पैसेंजर की शिकायत के जवाब में रेलवे सेवा ने इस घटना के लिए खेद जताया और उनका पीएनआर नंबर और मोबाइल नंबर मांगा। मामले की पड़ताल के बाद रेलवे ने घटना के लिए जिम्मेदारी लोगों पर एक्शन लिया।

एचसी ने शिंदे के फैसले पर यथास्थिति का दिया आदेश

हंगामे के बाद विधान परिषद की कार्यवाही स्थगित

नागपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के एक फैसले पर यथास्थिति का आदेश दिया है, जिसमें उन्होंने झुग्गी वालों के लिए आवंटित भूमि को कथित तौर पर निजी व्यक्तियों के नाम करने का निर्देश दिया था। शिंदे ने यह फैसला पिछली उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में लिया था, जब वह मंत्री थे। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि अदालत 2004 से नागपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट (एनआईटी) द्वारा राजनेताओं और अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों को किए गए भूमि आवंटन की निगरानी कर रही है। हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया गया था कि एनआईटी ने नेताओं और अन्य लोगों को कम दरों पर जमीन दी थी। 14 दिसंबर को एमिकस क्यूरी आनंद परचुरे ने पीठ को सूचित किया था कि शिंदे ने एमवीए सरकार में शहरी विकास मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एनआईटी को 16 निजी व्यक्तियों को झुग्गी वालों के लिए आवास योजना के तहत अधिग्रहित भूमि देने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा कि अगर दावा किया गया ऐसा कोई आदेश वास्तव में पारित होता है तो हम अधिकारियों को अगली तारीख तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश देंगे। इस मामले की फिर से 4 जनवरी, 2023 को सुनवाई होगी।

महाराष्ट्र विधान परिषद में हंगामा

वहीं, इस मुद्दे पर महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्षी दलों ने मंगलवार को जमकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। एकनाथ शिंदे के इस फैसले के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ताधारी दलों के सदस्यों के बीच बहस हुई। उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सदन में कहा कि उनकी सरकार ने किसी को महंगे प्लॉट कम रेट पर नहीं दिया है।

मुंबई क्लब में फुटबॉल पार्टी के दौरान 3 साल के बच्चे की 5वीं मंजिल से गिरकर मौत

मुंबई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। 18 दिसंबर को गरवारे क्लब हाउस ने छठी मंजिल की छत पर सदस्यों के लिए विश्व कप फुटबॉल मैच के प्रसारण का कार्यक्रम रखा था. उस समय क्लब के अवनीश राठौड़ अपनी पत्नी और बेटे के साथ वहां आए थे और 3 साल का बेटा हृदयांश भी साथ था. वह एक और लड़के के साथ छठी मंजिल से पांचवीं मंजिल तक बाथरूम गया. जब वह पांचवीं मंजिल की सीढ़ियों का इस्तेमाल कर रहा था तो लड़खड़ा कर नीचे गिर पड़ा. बच्चे को बॉम्बे अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्चे की मौत हो घई. पुलिस ने पिता अवनीश राठौड़ का बयान दर्ज कर मामले में धारा 174 के तहत एडीआर दर्ज किया है और जांच चल रही है. मामले में मृतक बच्चे के फूफा धनपत ने बताया कि परिवार सदमे है, क्योंकि 3 साल का बच्चा इस तरह गिर कर मर गया. धनपत ये भी दावा किया कि मामले में गरवारे क्लब की पूरी तरह से लापरवाही है, क्योंकि सीढ़ियों से लगी रेलिंग में उस जगह शीशा नहीं था, जबकि सब जगह शीशा लगा हुआ है. शीशा नही होने की वजह से छोटा बच्चा अचानक से नीचे गिर गया. परिवार अभी सदमे में है,

इंदौर में फिर लव जिहाद, नाम है मोइन

लेकिन मोनू बनकर लड़की से कर ली थी दोस्ती

इंदौर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। खुद का नाम और धर्म छुपाकर एक हिंदू युवती से दोस्ती करने वाले अल्पसंख्यक वर्ग के युवक को इंदौर में हिंदू संगठन के लोगों ने पकड़ा और पुलिस के सुपर्द कर दिया। वह शहर के एक शॉपिंग मॉल में युवती के साथ घूमने आया था। संगठन के लोगों ने उस पर निगरानी रखी। वह शहर के बीच में टीआइ माल में युवती के साथ घूम रहा था। संगठन के लोग उस पर नजर रखे हुए थे। लव जिहाद के तीन दिन में यह चौथा मामला सामने आया है। संगठन के लोगों ने उससे पूछा तो गलत नाम बताया। वह अपना आईडी भी बताने के लिए तैयार नहीं था।

युवक का नाम मोइन है और वह माणिकबाग में रहता है। संगठन के पदाधिकारी तन्नू शर्मा ने जब उसे मॉल में पकड़ा तो उसने खुद का नाम मोनू वर्मा बताया। जब उससे सख्ती की गई तो उसने बताया कि उसका नाम मोइन है, लेकिन युवती को खुद का नाम मोनू बताकर दोस्ती कर ली थी और उसे घुमाने ले जाता था। युवती से तीन साल से उसकी दोस्ती है। युवक को हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों ने तुकोगंज पुलिस के हवाले कर दिया। युवती ने बताया कि युवक उसके घर के पास ही रहता है, लेकिन कभी उसने असली नाम नहीं बताया। हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों ने मॉल के सुरक्षाकर्मियों से कहा कि वे मॉल में आने जाने वाले युवक-युवतियों का पहचान पत्र भी चेंक करे। शहर में लगातार लव जिहाद के मामले सामने आ रहे है। इससे पहले हीरा नगर, राजेंद्र नगर और संयोगितागंज में लव जिहाद के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल बढ़ाने पर अगले महीने लगेगी मुहर

दिल्ली में होगी संगठन की बैठक

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी की एक अहम संगठनात्मक बैठक अगले महीने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होने की संभावना है. इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल के विस्तार पर मुहर लगाए जाने की उम्मीद है. पार्टी सूत्रों ने बताया कि बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी आगामी राज्य विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी विचार करेगी और मौजूदा संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेगी. बीजेपी पार्टी की बैठक का मुख्य आकर्षण कई राज्य में चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर संगठनात्मक चुनाव को स्थगित करना होगा. इससे बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल को स्वतः विस्तार मिल जाएगा, जिनका तीन साल का कार्यकाल अगले महीने पूरा हो रहा है, क्योंकि अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने से पहले पार्टी की कम से कम आधी राज्य इकाइयों में आंतरिक चुनाव पूर्ण होना अनिवार्य है.

2024 में आंतरिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी

2 साल बाद 2024 अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद आंतरिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी. जेपी नड्डा के पूर्ववर्ती और गृह मंत्री अमित शाह को भी 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले विस्तार मिला था. संसदीय चुनाव खत्म होने के बाद ही संगठनात्मक चुनाव शुरू हुए और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल के दौरान शाह के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने के साथ ही जेपी नड्डा निर्विरोध चुने गए थे.

पहले ही दे चुके है जानकारी

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 50 फीसदी स्टेट यूनिट में संगठन चुनाव जरूरी है. हालांकि जेपी नड्डा का कार्यकाल अगले महीने 20 जनवरी को खत्म हो रहा है. बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को आगामी लोकसभा चुनाव तक सेवा विस्तार मिलने के आसार हैं. दरअसल, वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के मुताबिक, नड्डा बीजेपी के जातीय समीकरण में भी फिट बैठ रहे हैं.

सुविचार: दुख की अनुभूति एक सी होती है किन्तु सुख की अभिव्यक्ति जुदा-जुदा ।

मनोरंजन लाइसेंस पाने की प्रक्रिया होगी तेज : सीवी आनंद

सिटी पुलिस के बेबसाइट से अब 30 दिनों में जारी होंगे लाइसेंस

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने नागरिक प्रसन्नता को बढ़ाने के लिए टीएसपीआईसीसीसी सभागार में आयोजित एक हाइब्रिड कार्यक्रम में शहर की पुलिस वेबसाइट के माध्यम से मनोरंजन लाइसेंस जारी करने के लिए एक ऑनलाइन लाइसेंसिंग प्रणाली शुरू की है। नई ऑनलाइन प्रणाली राज्य सरकार की ईओडीबी नीति के अनुरूप है और जवाबदेही, पारदर्शिता, डेटा पुनर्प्राप्ति में आसानी और तेज़ अनुमोदन प्रक्रिया प्रदान करती है। दिलचस्प बात यह है कि हैदराबाद सिटी पुलिस इन सेवाओं को ऑनलाइन शुरू करने वाली राज्य की पहली इकाई बन गई है। हैदराबाद पुलिस प्रमुख ने कहा कि नई प्रणाली सार्वजनिक उपद्रव, यातायात अवरोधों और अन्य सामान्य शिकायतों पर अंकुश लगाएगी और सरकार के साथ हितधारकों की संतुष्टि को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि निर्बाध प्रणाली सभी हितधारकों द्वारा नियमों और विनियमों के

अनुपालन में सुधार करती है। नई प्रणाली की शुरुआत के साथ, ऑनलाइन भरने और जमा करने में 15 मिनट से भी कम समय लगता है। नए लाइसेंस 30 दिनों के भीतर जारी किए जाएंगे और नवीनीकरण के आवेदन 15 दिनों के भीतर स्वीकृत किए जाएंगे। सभी नए आवेदनों के लिए, एसएचओ (यातायात, एल एंड ओ) से अपेक्षा की जाती है कि वे सत्यापन पूरा करें और 15 दिनों के भीतर एसीपी को रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आगे एसीपी, डीसीएसपी (एल एंड ओ, ट्रैफिक) क्रमशः 3 दिनों और 2 दिनों के भीतर रिपोर्ट की जांच करेंगे और सीपी कार्यालय को जमा करेंगे। अंत में सीपी कार्यालय 10 दिनों के भीतर लाइसेंस की प्रक्रिया करेगा और जारी करेगा। नवीनीकरण आवेदनों के मामले में, एसएचओ (यातायात, एलएंडओ) से अपेक्षा की जाती है कि वे सत्यापन पूरा करें और 2 दिनों के भीतर एसीएसपी को रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आगे एसीएसपी, 2 दिनों में रिपोर्ट की जांच करेंगे और संबंधित डीसीएसपी को अग्रेषित करेंगे। एक दिन के भीतर संबंधित डीसीएसपी इसे सीपी कार्यालय भेज देंगे। अंत में सीपी कार्यालय द्वारा 5 दिनों के भीतर लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में सीपी ने आंतरिक रिपोर्टों, विभिन्न पबों, बारों के पास ध्वनि प्रदूषण, पार्किंग की भीड़, सार्वजनिक उपद्रव आदि के बारे में जनता और निवासियों से प्राप्त शिकायतों को संक्षेप में साझा किया। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पुलिस आयुक्त ने सभी उपस्थित लोगों को शहर पुलिस अधिनियम में निर्धारित मौजूदा मानदंडों के बारे में जानकारी दी और अधिनियम के ढांचे के भीतर अपने व्यवसाय का संचालन करने का आह्वान किया। इससे पहले, आवेदकों को थकाऊ फॉर्म भरना पड़ता था, कई बार कई विंगों का दौरा करना पड़ता था, जिससे पूरी प्रक्रिया बोझिल हो जाती थी और समय लगता था। इन कठिनाइयों ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां कुछ प्रबंधनों ने लाइसेंस आवेदन करना बंद कर दिया और पूरी तरह से पुलिस की निगाह से बाहर हो गए। वेबसाइट में ईओडीबी की विशेषताएं पेश करते हुए, सीपी आनंद ने कहा कि आवेदक को शहर की पुलिस वेबसाइट पर जाना होगा और आवेदन पत्र में विवरण दर्ज करना होगा और आवश्यक दस्तावेज जैसे ट्रेड लाइसेंस, एनओसी अपलोड करना होगा। आवेदन जमा करने के बाद, एक अद्वितीय रसीद संख्या उत्पन्न होगी। इस अवसर पर, सीपी आनंद ने संशोधित शहर पुलिस वेबसाइट का शुभारंभ किया। लगभग 450 व्यापार मालिकों, प्रबंधकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सभी एसएचओ, यातायात अधिकारी वर्चुअल रूप से लॉन्च कार्यक्रम से जुड़े हुए थे। इस अवसर पर विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी (एल एंड ओ), एआर श्रीनिवास, अतिरिक्त सीपी (अपराध और एसआईटी), एम. रमेश, संयुक्त सीपी (प्रशासन), सीएच श्रीनिवास, डीसीपी (एसएमआईटी), जोनल डीसीपी और अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब सीएम ने की केसीआर से मुलाकात

देश की राजनीतिक स्थिति पर की चर्चा

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को प्रगति भवन में बीआरएस पार्टी सुप्रीमो व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। मंगलवार शाम प्रगति भवन पहुंचे पंजाब के मुख्यमंत्री का सीएम केसीआर ने गर्मजोशी से स्वागत किया और फूलों का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों ने तेलंगाना की प्रगति, पंजाब राज्य के शासन आदि के साथ देश में राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। राष्ट्रीय स्तर पर बीआरएस पार्टी के गठन को देखते हुए पंजाब के सीएम मान ने इस मौके पर बीआरएस नेता सीएम केसीआर को बधाई दी। इन चर्चाओं के बाद सीएम केसीआर ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें अंतिम विदाई दी। बैठक के दौरान राज्यसभा सदस्य जोगीनापल्ली संतोष कुमार, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार, एमएलसी एस. मधुसूदन चारी, कडियम श्रीहरि, सरकारी सचेतक बालका सुमन, विधायक ए. जीवन रेड्डी, गुव्वाला बलराजू, सरकार के मुख्य सलाहकार राजीव शर्मा, मुख्य सचिव सोमेश कुमार, मुख्यमंत्री सचिव भूपाल रेड्डी, पूर्व सांसद एस वेणुगोपाला चारी, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रविंदर सिंह, राज्य बीसी आयोग के पूर्व सदस्य एडिगा अंजनेय गौड़ और अन्य ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे को 6 राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार मिला

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे हमेशा ऊर्जा संरक्षण के उपायों में सबसे आगे रहा है और राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर मान्यता प्राप्त कर रहा है। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों द्वारा घोषित कई वर्षों तक यह क्षेत्र लगातार ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों का प्राप्तकर्ता रहा है। राष्ट्रपति से राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, पिछले सप्ताह, दमरे के कई प्रतिष्ठानों को फिर से राज्य ऊर्जा पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इस दिशा में, दक्षिण मध्य रेलवे ने तेलंगाना राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईडीसीओ), ऊर्जा मंत्रालय, तेलंगाना सरकार द्वारा प्रस्तुत "तेलंगाना राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार -2022" (टीएसईसी अवाड्र्स) में चार पुरस्कार प्राप्त किए हैं। ये पुरस्कार आज जी. जगदीश रेड्डी, ऊर्जा मंत्री, तेलंगाना सरकार द्वारा विश्वेश्वरय्या भवन, खैरताबाद, हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए।इसी तरह, दमरे ने आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण मिशन, ऊर्जा मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत "आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2022"(एपीएसईसी पुरस्कार) में दो पुरस्कार प्राप्त किए हैं। ये पुरस्कार आज के. विजयानंद, मुख्य सचिव, ऊर्जा, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा विवांता गेटवे, विजयवाड़ा में आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए। प्रस्तुत किए गए टीएसईसी पुरस्कारों में रेलवे स्टेशन भवनों की श्रेणी में काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के लिए स्वर्ण पुरस्कार, रेलवे स्टेशन भवनों की श्रेणी में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए रजत पुरस्कार, सरकारी भवनों की श्रेणी में संचालन भवन (सिकंदराबाद डीआरएम कार्यालय) के लिए स्वर्ण पुरस्कार, सरकारी भवनों की श्रेणी में लेखा भवन (एससीआर लेखा कार्यालय भवन) के लिए रजत पुरस्कार मिले है। इसी क्रम में एपीएसईसी पुरस्कारों में अस्पताल भवन श्रेणी में मंडल रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा के लिए स्वर्ण पुरस्कार, कार्यालय भवन श्रेणी में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सेंटर, विजयवाड़ा के लिए रजत पुरस्कार मिले हैष ये पुरस्कार संबंधित मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधकों और मंडल विद्युत अधिकारियों द्वारा प्राप्त किए गए हैं। ये पुरस्कार वर्ष 2021-22 के दौरान ऊर्जा के कुशल उपयोग, ऊर्जा के संरक्षण, अनुसंधान और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए व्यवस्थित और गंभीर प्रयासों के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित भवनों/स्टेशनों के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं। ये पुरस्कार न केवल मात्रात्मक उपलब्धियों के आधार पर तय किए जाते हैं बल्कि विभिन्न अन्य कारकों जैसे नवीन तकनीकों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर भी विचार किया जाता है। इन पुरस्कारों के मूल्यांकन के लिए विचार किए गए अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा प्रबंधन, पर्यावरण मित्रता, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन / खरीद, इकाई में ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संगठनात्मक ढांचा शामिल है। इस अवसर पर अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे के पूरे इलेक्ट्रिकल विंग, मंडल रेल प्रबंधकों, सिकंदराबाद, हैदराबाद और विजयवाड़ा और अन्य रेलवे कर्मचारियों को बधाई दी, जिन्होंने इन ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों को प्राप्त करने में अपना योगदान दिया है।

पार्टी आलाकमान की सलाह पर चुप रहे : सांसद

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के सांसद के. वेंकट रेड्डी ने आज कहा कि वह पार्टी आलाकमान की सलाह के बाद टीपीसीसी से जुड़े मुद्दों पर चुप हो गए हैं। एआईसीसी द्वारा हाल ही में पार्टी समितियों के गठन पर टिप्पणी करते हुए, सांसद ने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने पैरवी की और जो पार्टी के कुछ नेताओं के वफादार बन गए, उन्हें समितियों में पद मिल गए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी आलाकमान ने समितियों में उनके द्वारा सुझाए गए नामों पर विचार नहीं किया।

कोमटिरेड्डी ने कहा कि हाल की नियुक्तियों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अन्याय हुआ है। वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के हस्तक्षेप पर उन्होंने कहा कि दिग्विजय को जनता की समस्याओं की पूरी समझ है और उन्होंने दिग्विजय सिंह के हस्तक्षेप का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली में दिग्विजय से मिलेंगे और कहा कि दिग्विजय को पार्टी में उनके प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उनके खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली अपमानजनक भाषा की जांच करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का हर कार्यकर्ता टीपीसीसी प्रमुख के बराबर है।

हमने किसी नेता के इस्तीफे की मांग नहीं की : भट्टी

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज स्पष्ट किया कि उन्होंने तेलंगाना में पार्टी के किसी भी नेता के इस्तीफे की मांग नहीं की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने हाल ही में गठित पार्टी समितियों से किसी भी नेता को हटाने के लिए पार्टी आलाकमान से मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा कि सभी नेता, जिन्हें पार्टी समितियों में नामित किया गया है, उनके मित्र थे। विक्रमार्क ने कहा कि उनकी एकमात्र चिंता यह थी कि पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को पार्टी समितियों में उचित महत्व नहीं मिला।

अग्रवाल समाज घासी बाजार झुला शाखा द्वारा अन्नकूट प्रसाद 25 को

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की घासी बाजार झुला शाखा द्वारा श्रीजी वाटिका हाल चारकमान मीट्टी का शेर में दिनांक 25 दिसंबर रविवार को अन्नकूट प्रसाद का आयोजन अपराह्न 1.15 बजे से 3.30 बजे तक किया जा रहा है। उक्त आशय का निर्णय शाखा की विगत माह की मासिक मीटिंग में सर्वसम्मति से लिया गया था। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु मुख्य संयोजक शाखा उपाध्यक्ष व प्रचार प्रसार प्रभारी योगेन्द्र कटारुका व सहसंयोजक भुतपूर्व अध्यक्ष व वर्तमान शाखा केन्द्रीय समिति प्रतिनिधि अनिल धरसुवाला, मानद मंत्री सज्जन अग्रवाल बायवाला, मनोज अग्रवाल गौशालावाला व महिला समिति की मुख्य संयोजिका बबीता मित्तल को बनाया गया था। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए शाखा के सभी सदस्यों को सपरिवार, हिमाचल टूर में सम्मिलित सभी सदस्यों को परिवार सहित व शाखा कि महिला समिति की सभी सदस्याओं को आमंत्रित किया जा रहा है। सभी सदस्यों के सुचनार्थ, मिटिंग में पुराने बाकि देय सदस्यता शुल्क के संग्रहण के लिए काउंटर लगाया जा रहा है। आगंतुक सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता शुल्क जमा करवा कर रसीद प्राप्त कर लेवें व शाखा से जुड़ें रहे। मिटिंग में नये सदस्य बनाने के लिए भी काउंटर लगाया जा रहा है। इच्छुक सदस्य निर्धारित फ़ार्म भरकर निर्धारित शुल्क जमा करवा कर शाखा से जुड़ें। वे आज के कार्यक्रम में सम्मिलित हो।

दूसरे दिन ईडी के सामने पेश हुए बीआरएस विधायक

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पायलट रोहित रेड्डी दूसरे दिन मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। कथित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में सोमवार को करीब छह घंटे तक पूछताछ करने वाले विधायक अपराह्न करीब तीन बजे ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। बीआरएस नेता ने संवाददाताओं से कहा कि हालांकि उन्हें सुबह 10.30 बजे तलब किया गया था, लेकिन उन्होंने ईडी अधिकारियों को बता दिया था कि वह दोपहर में पेश होंगे क्योंकि उन्हें अयप्पा पूजा में भाग लेना है। वह ईडी द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेजों और अपने वित्तीय लेनदेन के विवरण के साथ ईडी कार्यालय पहुंचे। सोमवार रात ईडी कार्यालय से बाहर आने के बाद विधायक ने संवाददाताओं से कहा कि जिस मामले में उन्हें तलब किया गया है, उसके बारे में अब भी कुछ स्पष्ट नहीं है। विधायक ने कहा कि ईडी के अधिकारियों ने उनसे निजी जानकारियां जुटाईं। उन्होंने कहा,

"उन्होंने मेरे परिवार के सदस्यों का विवरण भी मांगा। मैंने उनके सभी सवालों का जवाब दिया। ईडी ने अभी तक उस मामले के बारे में स्पष्टता नहीं दी है जिसमें उन्होंने मुझे समन भेजा है। रोहित रेड्डी दोपहर करीब 3 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे थे। सोमवार को एजेंसी ने मांगी गई जानकारी प्रस्तुत करने के लिए उन्हें समय देने के उनके अनुरोध को ठुकरा दिया। विधायक ने कहा कि चूंकि वह अयप्पा दीक्षा पर हैं, इसलिए उन्होंने 31 दिसंबर तक का समय मांगा लेकिन ईडी के अधिकारी नहीं माने। ईडी ने 15 दिसंबर को दिए अपने नोटिस में रोहित रेड्डी को बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और आयकर रिटर्न के विवरण के साथ पेश होने का निर्देश दिया था।ईडी का नोटिस कथित तौर पर ड्रग्स मामले से संबंधित जांच में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उनसे पूछताछ के लिए है। तांडूर के विधायक बीआरएस विधायकों की खरीद-फरोख्त की कथित साजिश में याचिकाकर्ता थे। रोहित रेड्डी की गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 26 अक्टूबर को मोइनाबाद के एक फार्महाउस से रामचंद्र भारती उर्फ सतीश शर्मा, नंदू कुमार और सिंहयाजी स्वामी को गिरफ्तार किया था, जब वे चार बीआरएस विधायकों को भाजपा में शामिल होने के लिए कथित रूप से लुभाने की कोशिश कर रहे थे। रोहित रेड्डी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें 100 करोड़ रुपये और अन्य विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। तेलंगाना सरकार ने 9 नवंबर को मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। तीनों आरोपियों को 1 दिसंबर को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी थी।

अप्रैल तक सिद्दीपेट को मिल जाएगी ट्रेन : हरीश राव

सिद्दीपेट, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मनोहराबाद-कोथापल्ली रेलवे लाइन के कार्यों का निरीक्षण करने वाले वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि अगले साल अप्रैल से सिद्दीपेट से ट्रेन सेवाएं संचालित की जाएंगी क्योंकि काम तेज गति से चल रहा है। काम पर एक समीक्षा बैठक में बोलते हुए, राव ने कहा कि अधिकारी मार्च तक डुड्डेडा तक और अप्रैल तक सिद्दीपेट तक ट्रैक पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं ताकि रेलवे ट्रेनों का संचालन कर सके। सिद्दीपेट के लिए ट्रेन कनेक्शन को एक दशक पुराना सपना बताते हुए, राव ने कहा कि रेलवे ने मनोहराबाद से 44 किमी तक गजवेल तक के पहले चरण के काम को पूरा कर लिया है। जबकि गजवेल में पहले से ही ट्रेन सेवाएं थीं, गजवेल से सिद्दीपेट तक दूसरे चरण का काम तेज गति से चल रहा था। रेलवे ट्रैक को चरण 3 में सिरसिला तक और चरण 4 में वेमुलावाड़ा के माध्यम से करीमनगर तक बढ़ाया जाएगा। यह बताते हुए कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सिद्दीपेट को ट्रेन सेवाएं प्राप्त करने के लिए दृढ़ हैं, उन्होंने कहा कि परियोजना को मंजूरी तब दी गई थी जब चंद्रशेखर राव 2005 में केंद्रीय श्रम मंत्री थे। चूंकि राज्य को भूमि अधिग्रहण का खर्च और परियोजना खर्च का एक-तिहाई खर्च वहन करना था। हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने अब तक रेलवे लाइन पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

सीपी ने होमगार्ड को 10 लाख का चेक सौंपा

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी राचकोंडा महेश भागवत ने यदाद्री मंदिर में कार्यरत होमगार्ड नरसिम्हा को 10 लाख रुपये का चेक सौंपा है। यह चेक टीएस आरटीसी से नरसिम्हा को आरटीसी बस की दुर्घटना के कारण लगी चोटों और नुकसान के मुआवजे के रूप में प्राप्त हुआ है। सीपी ने नरसिम्हा और परिवार के सदस्यों को अपना सहयोग पहले ही दे दिया है। एडिशनल डीसीपी शमीर अंबरपेट, एसीपी मदन मोहन भोंनगिर भी मौजूद थे।

लॉरी की चपेट में आने से चार मजदूरों की मौत

नेल्लोर, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर मोचेरला में मंगलवार को एक लॉरी की चपेट में आने से चार मजदूरों की मौत हो गयी। मजदूर सड़क के काम में मग्न थे तभी ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल एक अन्य मजदूर का इलाज चल रहा है।

एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम 1 को

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बंड्लागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्लॉट पर रामजी राम ग्रूप हैदराबाद तेलंगाना समाज बन्धुओं के तत्वावधान में एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम भव्य जागरण का आयोजन रविवार 1 जनवरी 2023 रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें संत श्री राजारामजी महाराज व संत श्री कृपारामजी महाराज भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। रामजी राम ग्रूप आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम स्थल को विशेष फूलों से सजाकर संत श्री सेवानाथजी महाराज के तस्वीर पर श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर, माल्यापर्ण व पुजा-अर्चना के पश्चात् पधारे भक्तों के लिए सायं 7 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था की जायेगी। पधारे भक्तों की सेवार्थ रामजीराम ग्रूप के रामु देवासी, रामस्वरुप, भारत देवासी, दयालराम, संग्राम देवासी व ग्रूप के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है सपरिवार समय पर पधारकर दर्शन, भजनों व प्रसादी का लाभ लेवे।

लाखों की हेरोइन के साथ पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी एलबी नगर ज़ोन टीम और मेडिपल्ली पुलिस रचकोंडा द्वारा पांच अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 45 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। बरामद हेरोइन का मूल्य 35 लाख रुपए बतायी जा रही है। राचकोंडा के सीपी महेश भागवत ने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), एलबी नगर जोन की टीम ने मेडिपल्ली पुलिस के साथ मिलकर अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर प्रवीण कुमार मूल निवासी राजस्थान, दिनेश कुमार मूल निवासी राजस्थान और उपभोक्ता श्रवण कुमार, राजू राम और अशोक कुमार गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के कब्जे से 45 ग्राम हेरोइन, 2 मोटर साइकिल, एक ऑटो, 5 मोबाइल फोन जब्त किए गए। सीपी ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रवीण कुमार राजस्थान राज्य के जालौर जिले की डावल तहसील सांचौर का मूल निवासी है। वर्ष 2017 में वह हैदराबाद आ गए और स्टील फैब्रिकेशन वर्क्स (स्टील रेलिंग) में शामिल हो गए और बाद में उन्होंने अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया। वह नशीले पदार्थों का सेवन करने का आदी हो गया था, बाद में उसे खरीदना और जरूरतमंद व्यक्तियों को आपूर्ति करना शुरू कर दिया और इस प्रकार अवैध तरीकों से आसानी से पैसा कमा रहा था। वह राजस्थान के मूल निवासी सावला राम महादेव नाम के एक हेरोइन ड्रग आपूर्ति करने वाले के संपर्क में आया।

बाद में प्रवीण कुमार ने कम कीमत पर हेरोइन खरीदकर नशा करने वालों को ऊंचे दामों पर बेचना शुरू किया। आरोपी दिनेश कुमार स्थानीय खरीदारों को हेरोइन की आपूर्ति करने में प्रवीण कुमार की सहायता करता है और उसके हिस्से की राशि एकत्र करता है। आरोपी श्रवण कुमार गैस रिपेयर है और नशीला पदार्थ लेने का आदी है और वह भी अवैध रूप से अपने ग्राहकों को इसकी आपूर्ति करने लगा। बाकी आरोपी राजू राम और अशोक कुमार उपभोक्ता हैं जो प्रवीण कुमार से खरीदारी करते थे। सूचना मिलने पर एसओटी एलबी नगर की टीम ने मेडिपल्ली थाने के साथ क्रांति कॉलोनी, मेडिपल्ली थाना क्षेत्र स्थित श्रवण कुमार के आवास से सभी आरोपियों को पकड़ा और (45) ग्राम हेरोइन जब्त की। मुख्य सूत्रधार सावला राम महादेव फरार है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद बंद
श्री सम्मेदशिखरजी की पावन भूमी को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध मे अपने प्रतिष्ठान बंद रखे
आज बुधवार दि. 21 दिसम्बर 2022
विशेष : त्रयनगर के सकल जैन समाज से निवेदन है कि इस कार्य मे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर एक्ता का परिचय देवे
निवेदक : आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन
जैन राजनितीक चेतना मंच, जैन माईनोरिटी काउंसिल,
आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट,
प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन
Hyderabad Telangana. 85228 04895, 90308 08416, 98499 88999, 98480 99011

शिवपाल का बड़ा बयान: मेरे लिए पद कोई मायने नहीं रखता

प्रयागराज, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने प्रयागराज में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पद कोई मायने नहीं रखता है। पद मिले या ना मिले आजीवन समाजवादी पार्टी के लिए ही काम करूंगा। यह मेरा अंतिम फैसला है। हालांकि उन्होंने यह भी गिनाया कि मैं प्रदेश अध्यक्ष रह चुका हूं। महासचिव रह चुका हूं। नेता विपक्षी दल रह चुका हूं और साथ ही मैंने चार बार समाजवादी पार्टी की सरकार बनवाई है। लेकिन इसके बावजूद किसी पद को पाने की कोई लालसा नहीं है।

शिवपाल यादव ने कहा कि पार्टी में उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसे वह ठीक से निभाएंगे, अगर कोई पद या जिम्मेदारी नहीं भी मिली तब भी वह संगठन के लिए काम करेंगे। कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे और पार्टी को मजबूत करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब वह पद को छोड़कर पार्टी को मजबूत करने के काम में लगे हुए हैं। हालांकि उन्होंने यह भी दोहराया कि अब तक उन्हें जो भी पद या जिम्मेदारी मिली है उसे उन्होंने ठीक तरीके से निभाया है। उन्होंने बार-बार दोहराया की कोई पद मिले या ना मिले कोई जिम्मेदारी मिले या ना मिले, लेकिन वह आजीवन समाजवादी पार्टी के साथ ही रहेंगे। मैं समाजवादी परंपरा से हूं, जहां मेरे लिए पद कोई मायने नहीं रखता। शिवपाल यादव ने यह भी कहा कि जयप्रकाश नारायण और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया के पास कोई पद नहीं था, लेकिन वह दोनों जब बाहर निकले तो उन्होंने राजनीति में हलचल मचा दी।

अखिलेश विपक्ष की भूमिका को अच्छे से निभा रहे हैं: शिवपाल

इसी तरह वह भी पद की कोई लालसा नहीं रखेंगे और संगठन को मजबूत करने का काम करते रहेंगे। शिवपाल ने कहा कि सपा हमारी पार्टी है। नेताजी की बनाई हुई पार्टी है, इसलिए पद मिले या ना मिले मैं आजीवन इसी में रहूंगा। शिवपाल यादव से जब यह पूछा गया कि उन्हें नेता विपक्षी दल बनाए जाने की चर्चा थी,

लेकिन दो हफ्ते बाद भी अखिलेश यादव ने इसका एलान नहीं किया तो शिवपाल ने कहा कि वह पहले भी नेता विरोधी दल रह चुके हैं, इस वक्त अखिलेश इस भूमिका को निभा रहे हैं और अच्छे से एवं बेहतर तरीके से निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पद पाना ही सब कुछ नहीं होता, वह निकल पड़े हैं तो पार्टी को इसका फायदा जरूर मिलेगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव के लखनऊ छोड़कर जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने पर उन्होंने कहा कि यह अच्छी पहल है। इससे पार्टी मजबूत होगी और बदलाव साफ तौर पर नजर भी आने लगा है अखिलेश इसी तरह बाहर निकलते रहे तो पार्टी को और फायदा होगा।

बीजेपी की सरकार लोकतंत्र पर हमला कर रही: शिवपाल

उन्होंने कहा कि हम भी बाहर निकले हैं। अखिलेश भी निकल रहे हैं और दोनों की इस मेहनत से संगठन मजबूत होगा। शिवपाल यादव ने प्रयागराज में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यूपी की योगी सरकार पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों के नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। विपक्ष का ऐसा उत्पीड़न इससे पहले कभी नहीं हुआ। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। बीजेपी की सरकार लोकतंत्र पर हमला कर रही है। मौजूदा सरकार के राज में महंगाई और भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं।

निकाय चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी पार्टी: शिवपाल

शिवपाल यादव ने दावा किया कि पार्टी निकाय चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। प्रसपा से आए, जो नेता मजबूती से दावेदारी पेश करेंगे उन्हें टिकट दिया जाएगा। उन्होंने मौजूदा सरकार के बुलडोजर कल्चर पर सवाल उठाए। कहा कि सरकार ने जो परंपरा शुरू की है उसके नतीजे आने वाले दिनों में और खतरनाक हो सकते हैं। शिवपाल यादव ने इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छात्रों पर हुई फायरिंग और मारपीट की घटना को दुखद बताया। इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ताज महल से वसूला जाएगा 1 करोड़ नहीं तो कुर्की की चेतावनी

आगरा निगम ने एएसआई को भेजा प्रॉपर्टी टैक्स नोटिस

आगरा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा नगर निगम ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को एक नोटिस जारी कर ताजमहल पर जल कर के रूप में 1.9 करोड़ रुपये और संपत्ति कर के रूप में 1.5 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए कहा है। एएसआई को 15 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया है। अगर 15 दिन में टैक्स जमा नहीं किया जाता है तो ताजमहल को जब्त करने की चेतावनी दी गई है। एएसआई के अधीक्षक राज कुमार पटेल ने मीडिया को बताया कि स्मारकों पर संपत्ति कर लागू नहीं होता है। हम पानी के लिए करों का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी नहीं हैं क्योंकि इसका कोई व्यावसायिक उपयोग नहीं है। परिसर के भीतर हरियाली बनाए रखने के लिए पानी का उपयोग किया जाता है। इससे संबंधित नोटिस ताजमहल के लिए पानी और संपत्ति कर पहली बार मिला है, हो सकता है गलती से भेजा गया हो। एएसआई के

अधिकारियों ने कहा कि ताजमहल को 1920 में संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था और ब्रिटिश शासन के दौरान भी स्मारक पर कोई कर या जल कर नहीं लगाया गया था।

मामले को लेकर नगर आयुक्त निखिल टी फुंडे ने कहा कि मुझे ताजमहल से संबंधित कर संबंधी कार्यवाही के बारे में जानकारी नहीं है। करों की गणना के लिए किए गए राज्यव्यापी भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सर्वेक्षण के आधार पर ताजा नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय भवनों एवं धार्मिक स्थलों सहित उन पर लम्बित बकायों के आधार पर नोटिस जारी किये गये हैं।

कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए छूट प्रदान की जाती है। एएसआई को जारी नोटिस के मामले में उनसे प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सहायक नगर आयुक्त एवं ताजगंज जोन की प्रभारी सरिता सिंह ने कहा कि ताजमहल पर जल एवं संपत्ति कर के लिए जारी नोटिस के मामले की जांच की जा रही है।

5 गिरफ्तार, मगर साइबर फ्रॉड चालू

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। फाइनेंस के क्षेत्र की मशहूर कंपनी धनी लोन्स एंड सर्विसेज का पोस्टर और उसपर ब्रांड एम्बेसडर के रूप में क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की तस्वीर दिखे। क्लिक करें और नंबर दिखे। नंबर दिखे और कॉल करते हुए पैन, आधार, पासबुक की कॉपी और फोटो देने पर दो घंटे में लोन मिले। ऐसी लुभावनी और सहज प्रक्रिया हो तो फंसना बहुत मुश्किल नहीं। पटना में इस तरह का खेल कर देशभर के सैकड़ों लोगों को फांसते हुए दो करोड़ से ज्यादा का धंधा कर बैठने वाले पांच युवकों की सोमवार को गिरफ्तारी के बाद 'अमर उजाला' ने मंगलवार को जानने का प्रयास किया कि धंधा बंद हो गया या चालू है या डरते हुए काम चल रहा है। पड़ताल में सामने आया कि धंधा बंद नहीं हुआ है और न डरते हुए चालू है, बल्कि धड़ल्ले से चल रहा है।

विरोधी दल के नेता बोले- सीएम की कुर्सी पर नीतीश

फैसले तेजस्वी ही ले रहे, हिम्मत है तो उनकी जांच कराएं

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा अध्यक्ष से विधानसभा में विपक्ष के नेता बने भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2025 के चुनाव में महागठबंधन की कमान तेजस्वी यादव के हाथ में देने की घोषणा की, लेकिन सरकार तो वह पहले ही दे चुके उनके हाथ में। मंगलवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में सिन्हा ने कहा कि सीएम की कुर्सी पर नीतीश भले हैं, लेकिन फैसले तेजस्वी यादव ही ले रहे हैं। जहरीली शराब कांड के आरोपियों को ही जांच का जिम्मा दिया जा रहा है। भाजपा शराबबंदी के निर्णय में भी साथ थी अब भी उसपर अडिग है। लेकिन, शराबबंदी है कहां? सत्तारूढ़ दल के एमएलसी ही उपमुख्यमंत्री के शराब पीने की जानकारी दे रहे हैं, हिम्मत है तो मुख्यमंत्री एक्शन लें।

विधानसभा में विपक्षी दल के नेता सिन्हा ने कहा कि विपक्षी दलों के विधायक सदन में सरकार की पोल खोलने लगे तो विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी खुद राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता के रूप में टोकाटोकी करने लगे। रोकने लगे।

विस में विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि 5 दिनों के शीतकालीन सत्र में विपक्ष ने जनता के सवाल उठाए, लेकिन जवाब नहीं मिला। विधायकों से दुर्व्यवहार करने के क्रम में विधानसभा अध्यक्ष राजद प्रवक्ता बन गए। पद की गरिमा भूल विपक्ष के एक भी ध्यानाकर्षण को स्वीकार नहीं करना गलत है। कुर्सी के लिए हम मुख्यमंत्री को नियम के विपरीत समझौता करते देख रहे हैं। सीएम की कुर्सी पर नीतीश भले हैं, लेकिन फैसले तेजस्वी यादव ही ले रहे हैं। जहरीली शराब कांड के आरोपियों को ही जांच का जिम्मा दिया जा रहा है।

सत्तारूढ़ दल के एमएलसी ही उपमुख्यमंत्री के शराब पीने की जानकारी दे रहे हैं, हिम्मत है तो मुख्यमंत्री एक्शन लें। जिस पुलिस पर जहरीली शराब कांड में गड़बड़ी का आरोप है, उसी से जांच की खानापूर्ति हो रही है। जो लोग शराब से मर गए, उनपर मुख्यमंत्री का रुख और बयान-दोनों ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इन बातों का विरोध करने के लिए विधान परिषद् में बुधवार को भाजपा सुबह 11 बजे दो घंटे धरना देगी। विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि बिहार में पहले जहरीली शराब से मरने वाले के परिजनों को सहायता राशि दी जा रही थी, इसलिए सारण कांड में भी दी जाए।

हथौड़ा से बैंक लूटा

बिहार के कटिहार में सेंट्रल बैंक के शीशे तोड़ते हुए मांगे रुपए, कर्मियों ने घेरकर पकड़ा

कटिहार, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कट्टे के बल पर छिनतई और पिस्टल के बल पर लूट-डाका तो सामान्य बात है, लेकिन शायद पहली बार हथौड़ा से बैंक लूट का प्रयास किया गया है। बिहार के कटिहार में यह घटना हुई। बैंक में हथौड़े के साथ घुसते समय ही गेट के शीशे तोड़कर युवक घुसा और कैशियर से शाखा प्रबंधक तक पर हथौड़ा चलाने की कोशिश की। फिर, निकासी काउंटर के शीशे पर हथौड़ा मांगते हुए कैशियर से रुपए की मांग की।

बैंक में मौजूद कर्मियों ने युवक के पास सिर्फ हथौड़ा देखा तो जुगत लगाकर उसे घेर लिया। पकड़ने के बाद पुलिस बुलाई गई। पुलिस ने उसे जमकर पीटा, हालांकि उसने अबतक कुछ बताया नहीं है।

डराने के लिए शाखा प्रबंधक पर भी हथौड़ा चलाया

कटिहार के प्राणपुर प्रखंड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की महादेवपुर शाखा में यह युवक नकाबपोश होकर घुसा। बैंक की शाखा में ग्राहकों का आना शुरू ही हुआ था कि नकाबपोश युवक ने सभी कर्मियों को हक्काबक्का कर दिया।

मेन गेट का शीशा तोड़ने के बाद वह जिधर से भी गुजरा

हथौड़ा चलाकर कर्मियों को डराता रहा। डराने की नीयत से उसने बाकी कर्मियों के साथ मैनेजर पर भी हथौड़ा चलाया। शाखा प्रबंधक दिलीप कुमार झा ने बताया कि यह युवक ने 10:50 में शाखा में प्रवेश करते हुए तांडव मचाना शुरू कर दिया। उसपर काबू करने में समय लगा और फिर पुलिस को खबर दी गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक की पहचान रोशना ओपी क्षेत्र के लाभा गांव निवासी मंजूर आलम के बेटे मोहम्मद सद्दाम के रूप में हुई है। उसने अकेले कैसे इस तरह की हिम्मत जुटाई और उसकी योजना क्या थी, इस बारे में पूछताछ हो रही है।

लोहिया साहित्य के अप्रतिम संरक्षक थे बदरीविशाल पित्ती : अभिषेक रंजन सिंह

गया, 20 दिसंबर। डॉ. राममनोहर लोहिया का साहित्य अगर देश के समक्ष है, तो उसका महत्वपूर्ण श्रेय बदरीविशाल पित्ती को जाता है। वे जीवनपर्यंत डॉ. लोहिया के साहित्य के संरक्षण एवं उसके प्रचार-प्रसार में संलग्न रहे। आज अगर डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, लोहिया साहित्य की तलाश एवं उसका पुनर्प्रकाशन पित्ती जी की प्रेरणा से कर रहा है। यह कहना था डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह का। अभिषेक रंजन ने कहा कि छात्र – नौजवानों के बीच डॉ. लोहिया काफी लोकप्रिय हैं। मौजूदा वक्त में फिल्म, ई-बुक के जरिए लोहिया साहित्य को विश्वव्यापी बनाया जा सकता है। डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन पिछले पांच वर्षों से इस

दिशा में प्रयत्नशील है। पिछले वर्ष डॉ. लोहिया की अगुवाई में हुए गोवा क्रांति दिवस की 75वीं वर्षगांठ में मडगांव में दो दिवसीय राष्ट्रीय विचार मंथन का आयोजन किया गया। बीते महीने 19 – 20 नवंबर को गुवाहाटी में तृतीय राष्ट्रीय विचार मंथन का आयोजन हुआ। अगले वर्ष दिसंबर में खरसांवा गोलीकांड के 75वें वर्ष पर रांची में चतुर्थ राष्ट्रीय विचार मंथन का आयोजन किया जाएगा। इन सभी सम्मेलनों में डॉ. लोहिया से जुड़ी पुस्तकें एवं फिल्म का लोकार्पण किया जाता है, ताकि नौजवान पीढ़ी डॉ. लोहिया के विचारों से रूबरू हो सके। शहर के होटल न्यू एमआई प्लाजा में डॉ. लोहिया के अनन्य अनुयायी बदरीविशाल पित्ती की 19वीं पुण्यतिथि पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा डॉ. लोहिया की दुर्लभ एवं ऐतिहासिक पुस्तक 'द स्ट्रगल फॉर सिविल लिबर्टीज' का अंग्रेजी व हिंदी संस्करणों, स्मारिका और डॉ. लोहिया का उर्वशीयम नामक एक लघु फिल्म का लोकार्पण किया गया। पुस्तक विमोचन और फिल्म स्क्रीनिंग पूर्व विधायक रामचंद्र प्रसाद सिंह, डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह, राष्ट्र सेवा दल के अध्यक्ष कारू जी, लोहिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. मुन्द्रिका प्रसाद नायक, रामलखन भगत जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। लोहिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. मुन्द्रिका प्रसाद नायक ने अपने स्वागत भाषण में बदरीविशाल पित्ती की 19वीं पुण्यतिथि पर कहा कि देश में लोहिया साहित्य के प्रचार-प्रसार में बदरीविशाल पित्ती जी का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

राकेश टिकैत बोले-किसानों की समस्याएं जस की तस, जल्द होगा बड़ा आंदोलन

मेरठ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा देश में किसानों की समस्याएं जस की तस है। सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतरी है। गन्ना किसानों से किया गया वादा भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि देश को एक बार फिर बड़े आंदोलन की जरूरत है। जल्द ही किसानों की मांगों को लेकर आंदोलन किया जाएगा। राकेश टिकैत मंगलवार को मेरठ पहुंचे थे। वह यहां गढ़ रोड स्थित एक अस्पताल में भर्ती प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा का हाल जानने पहुंचे थे। 5 दिन पहले सड़क हादसे में वह घायल हो गए थे। आवारा पशु गाड़ी के सामने आने के कारण हादसा हुआ था। इस दौरान भाकियू के पश्चिमी उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री राजकुमार सांगवान, युवा जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी, मंडल अध्यक्ष गुड्डू प्रधान, रविंद्र दौराला, डीके आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा विधायक को कानपुर जेल से किया जाएगा शिफ्ट

कानपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। विधायक को अब कानपुर जेल से 450 किमी. दूर महाराजगंज जेल में शिफ्ट किया जाएगा। इसको लेकर 13 दिसंबर को जिला कारागार कानपुर प्रशासन ने विशेष सचिव को पत्र भेजा था। मंगलवार को विशेष सचिव ने डीजी कारागार को निर्देश जारी किया है। आदेश जारी होने के बाद सपा विधायक को शिफ्ट करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सोमवार को अखिलेश यादव ने कानपुर जेल में सपा विधायक से मुलाकात की थी। इसके बाद से ही विधायक की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सोमवार शाम को अखिलेश के जाते ही इरफान पर पुलिस ने एक और मुकदमा दर्ज कर दिया था। मंगलवार को पुलिस ने

डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई के लिए आवेदन किया है। मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट में बांग्लादेशी नागरिक डॉक्टर रिजवान के मामले इरफान की रिमांड मांगी है। पुलिस की तरफ से वकील ने कोर्ट में सपा विधायक की रिमांड मांगते हुए कहा की इरफान सोलंकी के लेटरहेड पर ही उसे यहां का नागरिक होने का प्रमाण दिया गया था। पुलिस अब इस मामले में विधायक से पूछताछ करना चाहती है।

पार्षद पति के गायब होने पर सड़क पर हंगामा

मुजफ्फरपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र के अतरदह स्थित वार्ड 31 के पार्षद सह प्रत्याशी रूपम कुमारी के पति जीवेश कुमार के लापता होने के बाद मंगलवार को लोगों ने सड़क जाम कर दिया। टायर जलाकर आगजनी की गई और जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है की पुलिस सोमवार को आई थी। लिखित आवेदन भी ले गई। लेकिन, एक्टिव नहीं है। कहा कि जीवेश की मां का हालत खराब है। वे खाना पीना छोड़ चुकी हैं। उन्हें अब अस्पताल ले जाने की नौबत आ रही है। वहीं, उनकी पत्नी पार्षद प्रत्याशी रूपम कुमारी ने कहा कि अगर उनके पति नहीं मिलेंगे तो वार्ड 31 का चुनाव स्थगित कर दिया जाए। दूसरी ओर लोगों ने काजीमोहम्मदपुर पुलिस को सड़क जाम की सूचना दी। सूचना पर पहुंची काजीमोहम्मदपुर पुलिस परिजनों को समझाने के प्रयास में जुट गई है।

सड़क हादसा में किशोर की मौत

दोस्त के साथ निकला था बेर खाने, तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर

खगड़िया, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। खगड़िया जिले के पसराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत पितौंझिया ढाला के पास एनएच 31 पर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर घायल हुए दो किशोर में से एक किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद मृतक के परिजनों में मातम फैल गया। मृतक की पहचान गोगरी थाना क्षेत्र के पितौंझिया गांव निवासी नरेश यादव के 16 वर्षीय पुत्र गुलशन कुमार के रूप में हुई है, जबकि हादसे में घायल किशोर की पहचान उसी गांव के रहने वाले पिंकू यादव के पुत्र आयुष कुमार के रूप में हुई है, जो इलाजरत है। बताया जा रहा है कि मृतक किशोर पीएम हाई स्कूल शिरनियां में दसवीं कक्षा का छात्र था। उसके मौत के बाद सोमवार की देर रात शव को घर लाया गया, तो परिजनों की चीख पुकार मच गई। घटना के संबंध में बताया गया है कि दोनों किशोर सोमवार को स्कूल छोड़ साइकिल से रेलवे बांध की तरफ बेर खाने निकला था। इसी दौरान एनएच- 31 पार करने के दौरान किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से परिवार वालों को इसकी जानकारी मिली तो आनन-फानन में दोनों घायल किशोर को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। परिजन सदर अस्पताल ले गए तो वहां से भी गुलशन कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया, जिसके बाद बेगूसराय के एक निजी अस्पताल में में इलाज के दौरान गुलशन की मौत हो गई।

दो दिन और घने कोहरे से होगी सुबह की शुरुआत, 23 दिसंबर से बढ़ेगी ठंड

लखनऊ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में ठंड ने धीरे-धीरे अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। सोमवार सुबह 5.30 से 10 बजे तक 50 मीटर दृश्यता रही। शाम चार बजे के बाद कोहरा छंटना शुरू हुआ। मौसम विभाग ने दो दिन और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक मो. दानिश के मुताबिक, धूप न निकलने से गलन का अहसास होता रहा। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि दस बजे के बाद दृश्यता बढ़नी शुरू हुई। शाम चार बजे तक यह 200 से 800 मीटर के बीच रही। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र से सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक एचआर रंजन के मुताबिक, 23-24 दिसंबर के आसपास बूंदाबांदी से ठंड बढ़ सकती है।

बेकाबू भीड़ पर पुलिस ने भांजी लाठी

काउंटिंग सेंटर के मुख्य प्रवेश द्वार में घुसने का प्रयास कर रहे थे लोग, लाठी चार्ज से मची भगदड़

कटिहार, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कटिहार में मतगणना स्थल के बाहर खड़ी भीड़ पर पुलिस को लाठी भांजनी पड़ी। प्रतिनिधियों के समर्थक तीनगछिया बाजार समिति के बाहर खड़े थे और मुख्य प्रवेश द्वार के अंदर घुसने का प्रयास कर रहे थे। पहले तो प्रवेश द्वार पर तैनात पुलिस बल ने बेकाबू समर्थकों को समझाने का प्रयास किया लेकिन समर्थक मानने को तैयार नहीं हुए।

जबरन प्रवेश द्वार के भीतर घुसने लगे। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को काबू में लाने के लिए लाठी चार्ज कर दिया। इससे अचानक वहां भगदड़ मच गई। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच जमकर बहसबाजी भी

हुई। शहर के तीन गछिया स्थित कृषि उत्पादन बाजार समिति के प्रांगण में मंगलवार को नगर पालिका चुनाव के प्रथम चरण की मतगणना चल रही है। जिले के पांच नगर पंचायत अमदाबाद, मनिहारी, बारसोई कोढ़ा, कुर्सेला के मतों की गिनती प्रारंभ हो गई है। मतगणना के बाद पांचों नगर पंचायत मुख्य विभिन्न पदों के कुल 516 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला आज होना है।

पति को पहले डंडे से पीटा फिर गला दबाकर मार डाला

रायबरेली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। रायबरेली जिले के बछरावां कोतवाली क्षेत्र के सेंहगो पश्चिम गांव के रहने वाले गद्दा फैक्टरी के कर्मचारी की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसकी पत्नी ने ही की थी। कर्मचारी शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करता था और शराब पीने के लिए पैसा मांगता था। इससे तंग होकर महिला ने पहले उसे लकड़ी की पाटी से पीटकर अधमरा कर दिया और फिर उसका गला दबाकर मार दिया।

बछरावां पुलिस ने सोमवार को वारदात का पर्दाफाश करते हुए महिला को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। बछरावां कोतवाली क्षेत्र के सेंहगो पश्चिम गांव निवासी एवं गद्दा फैक्टरी के कर्मचारी अतुल कुमार (35) की मंगलवार की रात हत्या करके शव को उसी के घर के पास फेंक दिया

गया था। पुलिस ने अतुल के भाई अरविंद कुमार की तहरीर पर अज्ञात में हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने हत्या के खुलासे के लिए, कोतवाल नारायण कुशवाहा की अगुवाई में पुलिस टीम गठित की थी। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो मृतक की पत्नी अन्नू उर्फ विमलेश कुमारी ने पति की हत्या किए जाने की बात कुबूल कर ली।

अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि गद्दा फैक्टरी के कर्मचारी की हत्या के मामले में उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। एएसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि उसका पति अतुल कुमार काफी समय से नशे का आदी था और कोई कामकाज नहीं करता था। शराब पीने के लिये मुझसे पैसे मांगता था और शराब पीने के बाद मेरे साथ मारपीट करता था।

मारपीट व बेइज्जती से पीछा छुड़ाने के लिए 13 दिसंबर को दिन में ही लकड़ी की पाटी से पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद गला दबाकर पति को मार दिया। हत्या के आरोप से बचने के लिए शव को बाउंड्रीवाल के पास छिपा दिया था, जिससे लोगों को लगे कि किसी बाहरी व्यक्ति ने अतुल की हत्या कर दी है। एएसपी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल बरामद कर लिया गया है।

दुश्मन को तबाह करने सेना खरीद रही 'प्रलय' मिसाइल

'रॉकेट फोर्स' के गठन पर भी विचार

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना चीन के साथ जारी तनाव के बीच बैलेस्टिक मिसाइल 'प्रलय' खरीदने पर विचार कर रही है। जैसा कि प्रलय नाम से ही स्पष्ट है, यह 150 से 500 किलोमीटर दूर स्थित दुश्मन के ठिकानों का पूरी तरह सफाया कर देगी। भारतीय सेना द्वारा डीआरडीओ से 'प्रलय' खरीदी का प्रस्ताव अग्रिम चरण में है। इस सप्ताह होने वाली उच्च स्तरीय बैठक में इस पर फैसला होने की उम्मीद है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह प्रस्ताव इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह ऐसे वक्त आया है, जब भारतीय सेना एक 'रॉकेट फोर्स' बनाने पर विचार कर रही है। रॉकेट फोर्स के गठन का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय में विचाराधीन है। हाल ही में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार ने कहा था कि दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन कुमार सीमा पर दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए रॉकेट फोर्स के गठन पर विचार कर रहे थे। प्रलय मिसाइल का पिछले साल दिसंबर में लगातार दो दिनों में दो बार सफल परीक्षण किया गया था। तब से सेना इसके अधिग्रहण और शामिल करने की दिशा में काम कर रही है। 150 से 500 किमी की सीमा के साथ, 'प्रलय' रॉकेट मोटर और अन्य नई तकनीकों से संचालित है। यह गाइडेड मिसाइल है। इसमें अत्याधुनिक नेविगेशन और एकीकृत एविएशन प्रणाली शामिल है। सूत्रों ने बताया कि प्रलय सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है। इसे इंटरसेप्टर मिसाइलों को ध्वस्त करने में सक्षम बनाया गया है। इसमें हवा में निश्चित दूरी तय करने के बाद अपना रास्ता बदलने की क्षमता भी है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के साथ प्रलय मिसाइलें सेना में सबसे लंबी दूरी की सामरिक हथियार प्रणाली होंगी। इसे लंबी दूरी के सामरिक हथियारों को नियंत्रित करने वाली रणनीतिक बलों की कमान संचालित करती है।

डीआरडीओ ने किया है तैयार

'प्रलय' का विकास रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) ने किया है। यह ठोस-ईंधन, युद्धक मिसाइल भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम 'पृथ्वी रक्षा वाहन' पर आधारित है। इस मिसाइल की पेलोड क्षमता 500-1,000 किलोग्राम है।

चीनी मिसाइल को टक्कर देने में सक्षम

सूत्रों के अनुसार इस मिसाइल के बारे में डीआरडीओ द्वारा साल 2015 में चर्चा की गई थी। डीआरडीओ ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया था कि यह बैलिस्टिक मिसाइल चीन की बैलिस्टिक मिसाइलों का सामना करने में पूरी तरह सक्षम है। इस मिसाइल की खासियत ये है कि इसे जमीन के साथ-साथ हवा से भी दागा जा सकता है।

हर्बल मेला में शामिल होने भोपाल जा रहे लघु वनोपज कर्मचारियों की कार पलटी, प्रबंधक की मौत

दमोह/पन्ना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। दमोह-कटनी स्टेट हाइवे पर कुम्हारी और रेपुरा थाना के बीच सोमवार रात लघु वनोपज कर्मचारियों की कार पुल पर अनियंत्रित होने से पुल से नीचे नदी में जा गिरी, जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। जिन्हें तत्काल ही इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जिनमे एक की हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर किया गया और बाकी का प्राथमिक इलाज करने के बाद सभी लोग शहडोल चले गए। घटना कुम्हारी थाने से एक किमी आगे पनघट्टा पुल पर हुई है। कार सवार लोग शहडोल से भोपाल हर्बल मेला कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही पनघट्टा पुल पर कार पहुंची वह अनियंत्रित होकर करीब 30 फीट नीचे जा गिरी। कार में लघु वनोपज समिति टिटका प्रबंधक सहित सात लोग सवार थे और घटना स्थल पर प्रबंधक की मौत हो गई। वहीं छह लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पहले पटेरा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां से दमोह जिला अस्पताल रेफर किया गया। एक घायल की हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर कर दिया गया। वहीं, शेष घायलों को दमोह वन मंडल अधिकारी एमएस उईके, वन परिक्षेत्र अधिकारी दमोह ऋषि कुमार प्रजापति और वन विभाग के स्टॉफ के सहयोग से शहडोल वापस भेजा गया।

'सुन लो सरकार, मैं जिंदा हूं'...प्रमाण देने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा 79 साल का बुजुर्ग

बुरहानपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बुरहानपुर जिले के दत्त गांव मंदिर चिंचाला फूलवाला प्लॉट निवासी 79 साल के एक बुर्जुर्ग को मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर अपने जीवित होने का प्रमाण देना पड़ा। बुजुर्ग ने कुछ महीने पहले हुए पंचायत चुनाव में मतदान किया था। हर महीने उन्हें राशन भी मिल रहा है। 12 महीने से पेंशन ने उन्हें मृत मानकर पेंशन नहीं दी जा रही है। इसको लेकर न्याय की आस में सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने के लिए मजबूर है। आपको बता दें कि पंचायत की ओर से जो रिकार्ड जनपद पंचायत को भेजा है। उसमें बुजुर्ग को मृत बता दिया गया है।

हरियाणा में शादी के लिए धर्म परिवर्तन गैरकानूनी

कानून को गवर्नर की मंजूरी; उल्लंघन करने पर 10 साल तक जेल

चंडीगढ़, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में अब शादी के लिए धर्म परिवर्तन की इजाजत नहीं होगी। इस नियम का कोई यदि उल्लंघन करता है तो उसे 3 से 10 साल तक की जेल होगी। राज्य में 4 साल के दौरान जबरन धर्मांतरण के 127 मामले आ चुके हैं। जिसके बाद राज्य की सीएम मनोहर लाल की अगुआई वाली सरकार ने हरियाणा विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन निवारण नियम, 2022 बनाया। जिसे अब गवर्नर की मंजूरी मिल गई है। इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इसके बाद जबरन धर्म परिवर्तन किए जाने पर पीड़ित लोग अब कोर्ट की शरण ले सकेंगे। कोर्ट पीड़ित और आरोपी की आय को ध्यान में रखकर भरण-पोषण और कार्रवाई का खर्चा देने का आदेश जारी कर सकेगी।

बच्चा होने के बाद भी ले सकेंगे कोर्ट की शरण

जबरन धर्म परिवर्तन के बाद यदि बच्चा हो जाता है और महिला या पुरुष शादी से संतुष्ट नहीं हैं तो भी वह दोनों न्यायालय की शरण ले सकेंगे। कोर्ट यह आदेश देगा कि बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए भी भरण पोषण राशि दोनों को देनी होगी। इसमें एक्ट की धारा 6 के अधीन विवाह को अमान्य घोषित करने का भी प्रावधान किया गया है।

मंडलायुक्त के यहां अपील का प्रावधान

स्वेच्छा से भी यदि धर्म परिवर्तन किया जाता है तो इसकी जानकारी पहले जिले के डीसी को देनी होगी। इसकी जानकारी डीसी कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी। आपत्ति होने पर 30 दिनों के भीतर लिखित में शिकायत की जा सकती है। डीसी जांच कर तय करेंगे कि धर्म परिवर्तन में नियमों का उल्लंघन किया गया है या नहीं। उल्लंघन होने पर स्वीकृति रद्द कर दी जाएगी। डीसी के आदेश के विरुद्ध 30 दिनों के भीतर मंडल आयुक्त के समक्ष अपील की जा सकती है।

रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ, दहशत से घर में छिपे लोग, सीसीटीवी में कैद हुआ मूवमेंट

ग्वालियर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर जिले के रिहायशी इलाके में सोमवार रात तेंदुआ देखा गया, जिसके बाद लोग दहशत में हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार रात शहर के सिकंदर कंपू कुशवाहा मार्केट के पीछे रिहायशी इलाके में एक तेंदुआ विचरण करते हुए नजर आया है। गली में लगे सीसीटीवी में तेंदुआ साफ दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। स्थानीय लोगों के अनुसार रात लगभग 1:00 बजे तेंदुआ गली में घूमते हुए नजर आ रहा है। गली में तेंदुए के घूमने की पूरी हलचल सीसीटीवी में कैद हो गई है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि बीती रात जब यह तेंदुआ गली में घूम रहा था तो मौजूद आवारा कुत्ते भौंकने लगे और कुछ लोगों ने छत से देखा तो तेंदुआ नजर आया।

बेंगलुरु पुलिस ने व्यवसायी के पूर्व ड्राइवर समेत दो को गिरफ्तार किया

डकैती के दौरान की थी हत्या

बेंगलुरू, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरू पुलिस ने शनिवार की रात एक व्यवसायी के घर में डकैती के दौरान उसके दो कर्मचारियों की हत्या के आरोप में पूर्व कार ड्राइवर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण पूर्व बेंगलुरू के कोरमंगला इलाके में व्यवसायी राजगोपाला रेड्डी के सुरक्षा गार्ड दिल बहादुर (54 वर्षीय) और घरेलू नौकर करियप्पा (55 वर्षीय) रविवार को उस वक्त उनके घर पर मृत पाए गए, जब उनका परिवार आंध्र प्रदेश में था। मामले की शुरुआती जांच से पता चला है कि रेड्डी के घर में डकैती के दौरान हत्याएं की गई थीं। व्यवसायी ने लूट के बाद पांच लाख रुपये नकद और जेवरात के नुकसान की भी सूचना दी थी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सेलफोन के इस्तेमाल जैसे तकनीकी सबूतों को देखा गया और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोहरे हत्याकांड और डकैती की लिए एक पूर्व कार ड्राइवर जगदीश और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। दोनों को बेंगलुरू के बाहरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। जगदीश को कुछ महीने पहले व्यवसायी के परिवार द्वारा नौकरी से हटाया गया था। व्यवसायी के परिजनों के मुताबिक, वह अपने निजी उद्देश्यों के लिए एक लग्जरी कार का दुरुपयोग कर रहा था।

करनाल में बिना हाथ-पैर की लाश मिली

सड़क पर कुचला पड़ा था व्यक्ति का शव, पोटली में बांधकर पुलिस ने भिजवाया अस्पताल

करनाल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में मेरठ रोड पर मरगैन के पास सड़क पर कुचली हुई डेड बॉडी बरामद हुई है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। शव बुरी तरह से क्षत विक्षत हो चुका है। हालात यह थे कि शव को एक पोटली में बांधकर मोर्चरी हाउस भिजवाना पड़ा। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। बड़ी बात तो यह है कि शव का न तो कोई हाथ है और न ही कोई पैर है। मंगलवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मेरठ रोड पर मरगैन के पास सड़क पर एक क्षत विक्षत डेड बॉडी पड़ी हुई है। जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और घटनास्थल पर पहुंच गई। बुरी तरह से कुचले गए शव के छोटे-छोटे टुकड़ों को पुलिस ने एक पोटली में बांधा और मोर्चरी हाउस में भिजवा दिया। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से भी शव की शिनाख्त करवाई, लेकिन पहचान नहीं हो पाई।

सिर के बालों से देख लग रहा व्यक्ति का शव

मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि शायद कोई वाहन रात को इस व्यक्ति को कुचल कर चला गया। जिसके बाद वाहनों के नीचे आने से शरीर क्षत विक्षत हो गया है। एक दर्दनाक हादसा हुआ है। शव इस कदर कुचल चुका है कि पहचान भी हो पानी मुश्किल है कि यह शव आदमी का है या औरत का। सिर के छोटे बालों से अनुमान लगाया गया है कि शव किसी व्यक्ति का है।

भीम आर्मी चीफ का बड़ा बयान, कहा- एमपी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत से लड़ेगे

ग्वालियर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण आज ग्वालियर पहुंचे। सूचना मिलते ही भीम आर्मी के पदाधिकारी-कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंच गए। वे यहां एक रैली को भी संबोधित किए। भीम आर्मी चीफ रावण ने कहा, साल 2023 के मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भीम आर्मी पूरी मजबूती के साथ संगठन खड़ा करके भागीदारी करेगी और बहुजन समाज के मुद्दों को विधानसभा चुनाव में उठाएगी। पठान मूवी विवाद पर रावण ने कहा, यह सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए खड़ा किया गया है।

नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर कसा तंज

बोले हर सवाल का जवाब फ्लोर पर देंगे

भोपाल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। कांग्रेस शिवराज सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई है। इसको लेकर कांग्रेस ने व्हिप जारी कर अपने विधायकों को सदन में रहने के निर्देश दिए है। वहीं, कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसा है। मिश्रा बोले गोविंद सिंह जी को कमलनाथ जी के बारे में अविश्वास प्रस्ताव लाना था, लेकिन हमारे खिलाफ लेकर आए। फिर भी स्वागत है। हम हर सवाल का जवाब फ्लोर पर देंगे। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव आरोप पत्र पर तंज कसा है। मिश्रा ने कहा कि अविश्वास तो यह होता है कि दो लाख तक का कर्जा माफ करने का पत्र जारी किया था। इस पर अविश्वास आना था, लेकिन नहीं आया। चार हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी। उस पर अविश्वास नहीं आया। बेटियों को 51 हजार रुपए देना था, लेकिन उस पर अविश्वास नहीं आया है। यह कैसा अविश्वास है। मिश्रा ने कहा कि अविश्वास तो गोविंद सिंह जी को कमलनाथ जी के बारे में लेकर आना था। जिनके नेतृत्व में 38 से ज्यादा विधायक इधर से उधर हो गए। राष्ट्रपति के चुनाव में क्रास वोटिंग कर दी। इनके प्रति अविश्वास प्रस्ताव लाना था, लेकिन हमारी सरकार के खिलाफ लेकर आए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि हम स्वागत करते हैं। सरकार हर प्रस्ताव पर चर्चा करने को तैयार है। विधानसभा अध्यक्ष जो भी समय देंगे हम एक एक बात का जवाब उनका फ्लोर पर देंगे। यह नहीं होना चाहिए कि हो हल्ला करके पलायन ना करें। सवाल उठा रहे है तो जवाब भी सुनें। बता दें कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष को अविश्वास प्रस्ताव का आरोप पत्र सोमवार को सौंप दिया।

रंजीत बावा-कंवर ग्रेवाल के समर्थन में आए चढूनी

आईटी रेड का किया विरोध; बोले- किसान आंदोलन में अच्छे गाने लिखे, सरकार अकेला न समझे

चंडीगढ़/अंबाला, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर रंजीत बावा और कंवर ग्रेवाल के समर्थन में किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी आ गए हैं। उन्होंने दोनों के यहां आईटी की रेड का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि दोनों पंजाबी सिंगरों ने किसान आंदोलन में किसानों का अच्छा साथ दिया। उन दोनों ने आंदोलन को लेकर अच्छे गाने लिखे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार उन्हें अकेला न समझे। पंजाब के जीरा में शराब फैक्ट्री के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज की चढ़ूनी ने निंदा की। उन्होंने कहा कि शराब फैक्ट्री से वहां का पानी जहरीला हो रहा है। किसान अपने आने वाली नस्लों को बचाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। अब हजारों लोग गंदा पीकर मौत का शिकार हो चुके हैं, पंजाब सरकार को फैक्ट्री संचालक के खिलाफ हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज करना चाहिए।

किसानों को तंग कर रही सरकार

किसान अपने हक के लिए लड़ रहे हैं, जबकि पंजाब सरकार उन पर लाठीचार्ज करवा रही है। साथ ही किसानों के घरों में रेड कर रही है। महिलाओं को भी तंग किया जा रहा है। चढ़ूनी ने किसानों को आश्वासन दिया कि वह प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ हैं। हमारे बीच संबंध कैसे भी हों, लेकिन ऐसे समय में हम उनके साथ हैं।

नाजायज है आंदोलन

पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने जीरा में शराब फैक्ट्री बंद करवाने को लेकर चल रहा आंदोलन को नाजायज बताया है। फैक्ट्री संचालकों के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड समेत अन्य विभागों की क्लीयरेंस है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार पर करीब 20 करोड़ रुपए का जुर्माना लगा दिया है। यह बोझ आखिर जनता पर पड़ेगा।

बिलकिस बानो केस में रेमिशन पैनल की फाइल नोटिंग साझा करने से गुजरात सरकार का इनकार

अहमदाबाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के बिलकिस बानो मामले में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत पूछे गए सवाल का जवाब देने से गुजरात सरकार ने इनकार कर दिया है. आरटीआई के तहत गुजरात सरकार से बिलकिस बानो मामले में 11 आजीवन दोषियों की समय से पहले की गई रिहाई के लिए छूट समिति द्वारा की गई सिफारिशों की फाइल नोटिंग मांगी गई थी. लेकिन सरकार ने आरटीआई के जवाब में इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है. अहमदाबाद की आरटीआई कार्यकर्ता पंक्ति जोग ने गुजरात सरकार से 2002 के मामले के दोषियों की 4 मामलों में रिहाई से संबंधित डिटेल मांगी थी. इनमें खासकर पिछले 5 सालों में छूट समितियों के लिए संदर्भ की शर्तें, इन समितियों की बैठकों के मिनट्स, रिहाई के लिए अनुशंसित किए गए कैदियों के नाम समेत कारण और स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर जेल बंदियों की रिहाई के लिए छूट समिति के सदस्यों के चयन के मानदंड से जुड़ी फाइल का विवरण आदि मांगा गया है. स्वतंत्रता दिवस पर दोषियों की रिहाई करने के 5 दिनों बाद यानी 20 अगस्त को ये पूरी डिटेल इस मामले में मांगी गई थी. इस आरटीआई के मामले में गुजरात राज्य गृह विभाग की ओर से एक्टिविस्ट को छूट समितियों के गठन आदि से संबंधित प्रस्तावों और दस्तावेजों को उपलब्ध करवाया गया है. वहीं विभाग की ओर से अवगत कराया गया है कि केंद्र सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव योजना के तहत जारी दिशा-निर्देशों पर छूट पैनल का गठन और छूट की प्रक्रिया आदि को अमल में लाया गया. राज्य सरकार की ओर से जून 2022 से तीन चरण में कैदियों को मुक्त करने का फैसला लिया गया. बाकी दो चरण 26 जनवरी 2023 और 15 अगस्त 2023 के बीच पूरे होंगे. यह सभी निर्णय 13 मई, 2022 को एक सरकारी प्रस्ताव के बाद ही लिए गए थे. यह सभी जानकारी राज्य सरकार ने आरटीआई में पूछे गए सवालों के जवाब में उपलब्ध करवाई गई है.

इस बीच देखा जाए तो शीर्ष अदालत सुप्रीम कोर्ट ने गत बुधवार को गुजरात दंगों की पीड़िता बिलकिस बानो की याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए नई पीठ गठित करने की मांग वाली दलीलों पर विचार करने से इनकार कर दिया था. बिलकिस ने अपनी याचिका में सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले के 11 दोषियों को सजा में छूट देने के फैसले को कोर्ट में चुनौती दी है.

बिलकिस बानो की वकील शोभा गुप्ता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ से आग्रह किया था कि मामले की सुनवाई के लिए नई पीठ के गठन की जरूरत है. इस पर सीजेआई ने कहा कि रिट को सूचीबद्ध किया जाएगा. एक ही बात का जिक्र बार-बार न करें. यह बहुत परेशान करने वाला है.

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय बोले- बीजेपी को इस बार बीजेपी से खतरा

इंदौर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी है।भाजपा ने प्रदेश में 200 से ज्यादा विधानसभा सीटों का लक्ष्य रखा है। अलग-अलग शहरों में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी बैठक ले रहे है। हाल ही में कटनी में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई। जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भाजपा को भाजपा से ही खतरा है। इस चुनाव में हमारे पास ज्यादा दावेदार है। हर विधानसभा क्षेत्र में चार-पांच दावेदार टिकट मांग सकते है। हमें यह कोशिश करना है कि चुनाव के समय भीतरघात का खतरा न रहे। बहुत सोच-विचार कर आगे बढ़ना है। बैठक में भारतीय जनता पाटी के प्रदेश प्रभारी पी. मुरलीधर राव ने कहा कि किसी को टिकट के लिए भटकने की आवश्यकता नहीं है, इस बार पार्टी खुद ही उम्मीदवार तलाश लेगी, आप लोग सिर्फ मैदान में काम करो। प्रदेश सरकार की उपलिब्धयों को घर-घर तक पहुंचाओं उन्होंने पदाधिकारियों से यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर एक लाख फॉलोअर होने ही चाहिए, जो फॉलोअर नहीं बना सकता, वह वोट कैसे पा सकते है। इसलिए भोपाल-दिल्ली या बड़े नेताओं के चक्कर लगाने के बजाए जनता के बीच काम करो। पार्टी खुद सही उम्मीदवार ढूंढ लेगी।

गुजरात फार्मूले पर टिकट

भाजपा इस बार मध्य प्रदेश के चुनाव में गुजरात फार्मूले पर टिकट दे सकती है। गुजरात में कई विधायकों और मंत्रियों के टिकट काटे गए है। वहां नए चेहरों को मौका दिया गया है। भाजपा मध्य प्रदेश में भी गुजरात की रणनीति अपना सकती है। कई विधायक चार-पांच बार से लगातार पार्टी के टिकट पर चुनाव जीत रहे है। इस पर वे भी चिंतिंत है। उधर पिछले विधानसभा चुनाव में जो उम्मीदवार हारे है। पार्टी उन्हें भी इस बार टिकट देने से पहले सोचेगी। जिस विधानसभा क्षेत्र में हार और जीत का अंतर काफी ज्यादा था। वहां पार्टी नए चेहरों को मौका देगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 21 दिसंबर, 2022

बंद होते स्कूल

अक्सर देखा गया है कि विकासशील देशों में बुनियादी जरूरतों के मोर्चों पर काम तो खूब किया जा रहा है लेकिन शिक्षा के क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता व अहमियत नहीं मिल सकी है जितनी की अपेक्षा की जाती है। जाहिर है इसका सीधा असर जहां भावी पीढ़ी पर पडता है वहीं अन्य पक्ष भी इससे अछूते नहीं रह पाते। इससे देश के विकास की गुणवत्ता प्रभावित होती है। जबकि एक सामान्य व्यवस्था यह होनी चाहिए कि देश की समूची आबादी की पहुंच अच्छी शिक्षा तक हो ताकि स्कूल से निकली प्रतिभा देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सके। आज सस्ती शिक्षा के अभाव में बच्चों का बचपन मजदूरी व अन्य काम करते हुए बीत जाता है। होना तो यह चाहिए कि सरकारें खुद सर्वेक्षण करा कर स्कूलों की जरूरत को चिह्नित करे और जरूरतमंद बच्चों के लिए स्कूल और अच्छी शिक्षा-दीक्षा का इंतजाम करें। मगर सरकार के संसाधनों की कसौटी की प्राथमिकता सूची में शिक्षा को वाजिब जगह नहीं मिल पाया है। इसलिए भावी पीढ़ी को भारी नुकसान उठाना पड रहा है। हालात तो तब और बदतर हो गए जब संसाधनों के अभाव में चलते स्कूल दर स्कूल बंद होते चले गए। नतीजतन बच्चों के अभिभावकों के पास प्राइवेट स्कूलों में दाखिले के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। लेकिन उसमें शिक्षा इतनी महंगी है कि उन्होंने अपने बच्चों को न पढ़ाने में ही भलाई समझी। नतीजतन बच्चों के हाथ से शिक्षा फिसलती चली गई। हाल ही में राज्यसभा में केंद्र सरकार ने एक सवाल के जवाब में बताया कि पिछले चार साल के दौरान देश भर में इकसठ हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद हो गए। इसके साथ ही सरकार ने यह भी दावा किया कि पिछले तीन सालों में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में एक करोड़ तेईस लाख की बढ़ोतरी भी हुई है। यह भी अपने आप में कितनी विचित्र बात है कि जिस अवधि में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने का दावा किया जा रहा है, उसी दौर में भारी संख्या में सरकारी स्कूल भी बंद हुए। सवाल है कि ऐसी कौन-सी स्थितियां बनीं कि जिस दौर में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती गई उसी दौर में उनकी जरूरतों के मद्देनजर स्कूल बंद होते गए। जबकि संख्या बढ़ने के साथ तो स्कूलों की संख्या भी बढ़ना चाहिए था। शायद मान लिया गया कि जितने विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में नामांकित हैं, उनकी जरूरतों के मद्देनजर मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त है। अनेक मौकों पर ऐसी खबरें आती रही हैं कि ज्यादातर स्कूलों में क्षमता से अधिक विद्यार्थी हैं और कक्षाओं में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में भारी असंतुलन है। इन वजहों से सरकारी स्कूलों में पढ़ाई-लिखाई की गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती गई। स्कूलों को बंद करने के पीछे आमतौर पर वजह यह बताई जाती है है कि उस जगह पर उसकी जरूरत नहीं थी। क्या यह संभव है कि एक जनप्रतिनिधि या सामुदायिक मांग के आधार पर किसी जगह स्कूल तो खोल दिए जाते हैं, मगर वहां पर्याप्त विद्यार्थी दाखिला नहीं ले पाते। एक ही समय में यह कैसे हो सकता है कि विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा भी हो रहा है और दूसरी ओर बच्चों के अभाव में स्कूल भी बंद किए जा रहे हैं? दरअसल, पिछले करीब ढाई सालों में कोविड महामारी से बचाव के तर्क पर जब पूर्णबंदी लागू हुई तो उसकी वजह से देश में बड़ी संख्या में लोगों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह चरमरा गई। मजबूरन बहुत सारे परिवारों ने निजी स्कूलों का खर्च नहीं जुटा पाने के चलते अपने बच्चों को वहां से हटा लिया और उनका दाखिला सरकारी स्कूलों में करा दिया। जाहिर है इन स्थितियों का दबाव मौजूदा सरकारी स्कूलों पर पडा, जहां विद्यार्थियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो गई। इसके समांतर आज भी यह सवाल अपनी जगह कायम है कि देश भर के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली पड़े हैं। ऐसे में यह एक जटिल स्थिति है कि विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या, घटते स्कूल और शिक्षकों की कमी के बीच गुणवत्ता आधारित या अच्छी शिक्षा मुहैया कराना मुश्किल होता जा रहा है। जगजाहिर है कि किसी भी देश के विकास की बुनियाद इस बात पर टिकी होती है कि वहां की शिक्षा प्रणाली कितनी मजबूत है। इसके अलावा उसे और बेहतर बनाने की दिशा में सरकारें क्या साहसिक कदम उठा रही हैं?

2024 में जीत की गारंटी बनेगा 'समान नागरिक संहिता' कानून !

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट और कई हाईकोर्ट काफी समय से अपने तमाम फैसलों के दौरान केंद्र सरकार से समान नागरिक संहिता लाने के लिए कह रहा था। यह बात तो सबको पता थी,लेकिन केन्द्र कानून बनाने की राह क्यों नहीं पकड़ रही थी,यह बात कम ही लोगों को समझ में आ रही थी। परंतु राज्यसभा में भाजपा के एक वरिष्ठ सांसद की ओर से निजी स्तर पर समान नागरिक संहिता विधेयक(यूसीसी) प्रस्तुत करके समान नागरिक संहिता पर गरम बहस छेड़ दी है।यूसीसी का राज्यसभा में जैसा विरोध हुआ, उसका औचित्य समझना कठिन है,क्योंकि हमारे संविधान में भी समान नागरिक संहिता को आवश्यक बताया गया था।। इसके बाद भी यूसीसी का विरोध यही बताता है कि विपक्षी दल समान नागरिक संहिता पर बहस करने के लिए भी तैयार नहीं। आखिर जिस समान नागरिक संहिता का उल्लेख संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में है, उस पर संसद में बहस क्यों नहीं हो सकती और वह भी तब, जब निजी विधेयक पेश करने की एक परंपरा है? यह हास्यास्पद है कि कई विपक्षी सांसदों ने समान नागरिक संहिता विधेयक पेश करने की पहल को संविधान विरोधी बता दिया। इसे अंधविरोध और कुतर्क के अतिरिक्त और कुछ नहीं कहा जा सकता। भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने 09 दिसंबर 2022 को राज्यसभा में प्राइवेट मैम्बर के तौर पर यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) का प्रस्ताव पेश किया। यानी राज्यसभा में यह विधेयक सरकार द्वारा पेश नहीं किया गया है। बल्कि सांसद द्वारा इस प्रस्ताव को पेश किया गया था। राज्यसभा में एक निजी सदस्य विधेयक के रूप में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक पेश किए जाने के बाद भाजपा के रुख ने संकेत दिया है कि उनके सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने जो बिल पेश किया उसका पार्टी मौन समर्थन है। राजनीति के जानकार कहते है कि बीजेपी की नजर 2024 के आम चुनाव पर है और सदन के नेता पीयूष गोयल ने इस मुद्दे पर बोलते हुए कहा भी था कि यह सदस्य का वैध अधिकार है। उच्च सदन के कई सदस्यों ने स्वीकार किया है कि सत्ता पक्ष अवसर की तलाश कर रहा है और जब सदन में विपक्ष की संख्या कम थी तब विधेयक पेश किया गया। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस कुछ सदस्यों को छोड़कर अनुपस्थित थी और संकेत दिया कि हो सकता है कि कांग्रेस बिल का विरोध नहीं करना चाहती हो।संविधान के नीति निर्देशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 44 बनाकर उसमें कहा भी गया है कि सरकार आगे चलकर समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में काम करेगी, लेकिन मीणा की तरफ से लाए गए समान नागरिक संहिता बिल का विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया है। कांग्रेस, सपा और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ज्डब ने बिल के खिलाफ आवाज उठाई, हालांकि बिल पेश करने की राह में वे रोड़े नहीं अटका सके। उल्लेखनीय है कि कई चुनावों में यूसीसी भाजपा के घोषणापत्र में रहा है। जबकि निजी सदस्य का बिल 2020 से लंबित था, लेकिन पेश नहीं किया गया था। यूसीजी नागरिकों के व्यक्तिगत कानूनों को बनाने और लागू करने के लिए एक प्रस्तावित कानून है, जो सभी नागरिकों पर उनके धर्म, लिंग या यौन अभिविन्यास की परवाह किए बिना लागू होगा।दरअसल, उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने यूसीसी के कार्यान्वयन की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है और गुजरात के मनोनीत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी यूसीसी के पक्ष में अपनी हामी पहले जाहिर कर चुके हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश में भी भाजपा ने अपने घोषणापत्र में यूसीसी के कार्यान्वयन को सूचीबद्ध किया था, लेकिन पार्टी को राज्य में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड के निवासियों के निजी दीवानी मामलों को विनियमित करने वाले संबंधित कानूनों की जांच करने और कानून का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है। इसके तहत वर्तमान में प्रचलित कानूनों में संशोधन व सुझाव उपलब्ध कराना। साथ ही राज्य में विवाह, तलाक के संबंध में वर्तमान में प्रचलित कानूनों में एकरूपता लाने का मसौदा बनाना। राज्य में समान नागरिक संहिता के लिए मसौदा तैयार करना शामिल है। बता दें कि विपक्ष के विरोध के बीच समान नागरिक संहिता विधेयक निजी सदस्य द्वारा 09 दिसंबर 2022 को राज्यसभा में पेश किया गया। कुल 63 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 23 मत इसके विरोध में पड़े। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और द्रमुक ने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि बीजू जनता दल ने सदन से वॉक आउट कर दिया। यह ठीक है कि निजी विधेयक मुश्किल से ही कानून का रूप लेते हैं और हाल के इतिहास में तो किसी भी ऐसे विधेयक को संसद की मंजूरी नहीं मिली है, लेकिन किसी भी सांसद को निजी स्तर पर विधेयक पेश करने का अधिकार है। जब ऐसे विधेयकों पर संसद में चर्चा होती है तो देश का ध्यान संबंधित विषय की ओर आकर्षित होता है और उस पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया तेज होती है। यदि भाजपा सांसद किरोड़ीमल मीणा के निजी विधेयक के जरिये यह काम होता है तो इससे किसी को परेशानी क्यों होनी चाहिए? निजी स्तर पर पेश किए गए समान नागरिक संहिता विधेयक पर राज्यसभा में व्यापक बहस इसलिए होनी चाहिए, क्योंकि कई राज्य सरकारें इस संहिता के निर्माण की दिशा में सक्रिय हैं। जहां उत्तराखंड ने इसे लेकर एक समिति गठित कर दी है और उसने अपना काम शुरू कर दिया है, वहीं गुजरात सरकार ने भी चुनाव में जाने के पहले ऐसा करने का वादा किया था। इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार ने भी समान नागरिक संहिता के निर्माण की आवश्यकता जताई है। इन स्थितियों में आवश्यक केवल यह नहीं कि संसद में समान नागरिक संहिता को लेकर विस्तार से बहस हो, बल्कि यह भी है कि केंद्र सरकार इस संहिता का कोई मसौदा सामने लाए, जिससे आम जनता के बीच भी विचार-विमर्श की प्रक्रिया आगे बढ़े। जब ऐसा होगा तो समान नागरिक संहिता को लेकर दुष्प्रचार की जो राजनीति हो रही है, उसकी काट करने में मदद मिलेगी। यह दुष्प्रचार वोट बैंक की राजनीति के तहत और साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों, खास तौर पर मुस्लिम समुदाय को भ्रमित करने के शरारतपूर्ण इरादे से हो रहा है। इसका पता विपक्षी सांसदों के इस तरह के थोथे बयानों से चलता है कि समान नागरिक संहिता के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने से विविधता की संस्कृति को क्षति पहुंचेगी। यह निरा झूठ है, क्योंकि यह संहिता तो विविधता में एकता के भाव को बल देगी। इसके साथ ही इससे राष्ट्रीय एकता को भी बल मिलेगा। उधर,ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता विधेयक को एक प्राइवेट बिल के तौर पर राज्यसभा में पेश किए जाने को निराशाजनक कदम बताया है। बोर्ड ने इस कदम को देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश बताया है।बोर्ड के महासचिव खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा है कि देश के संविधान का निर्माण करने वालों ने बहुत ही सोच समझ कर संविधान बनाया था। संविधान में हर वर्ग को अपने धर्म और अपनी संस्कृति के अनुसार जिंदगी गुजारने की इजाजत दी गई है। इसी सिद्धांत पर केंद्र सरकार ने आदिवासियों से समझौता भी किया था ताकि वह पूरे देश में अपनी विशेष पहचान के साथ इस देश के नागरिक बनकर रह सकें। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि इनको कभी भी उनकी भाषा एवं संस्कृति से रोकने की कोशिश नहीं की जाएगी। इसी भरोसे के तहत देश में मुसलमान, ईसाई, पारसी और अन्य धार्मिक ग्रुप अपने-अपने पर्सनल लौ के साथ जिंदगी गुजार रहे हैं। अब इन सब पर समान नागरिक संहिता लागू करने का कोई फायदा तो नहीं होगा लेकिन इससे देश को नुकसान हो सकता है। इससे हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अखंडता प्रभावित हो सकती है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह देश की ज्वलंत समस्याओं पर अपना ध्यान केंद्रित करे। ऐसी बातों से बचे जो फायदे के बजाय नफरत पैदा करने वाली हों।बोर्ड महासचिव खालिद सैफुल्लाह ने कहा कि भारत जैसा देश जहां दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी बसती है और जो ढेर सारे धार्मिक और सांस्कृतिक ग्रुपों का संगम है, वहां समान नागरिक संहिता बिल्कुल भी सही नहीं है बल्कि यह नुकसानदेह साबित होगा।

क्या आरटीआई अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा है?

डॉ सत्यवान सौरभ

आरटीआई अधिनियम, 2005 सभी सार्वजनिक प्राधिकरणों के कामकाज से संबंधित जानकारी तक पहुंच प्रदान करके लोगों को नीति निर्माण प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार देता है। कार्यकर्ताओं, वकीलों, नौकरशाहों, शोधकर्ताओं और पत्रकारों सहित विभिन्न वर्ग के नागरिक पंचायत स्तर से लेकर संसद तक सभी प्रकार के भ्रष्टाचार का पता लगाने के लिए आरटीआई का उपयोग कर रहे हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना, सरकार की कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना, भ्रष्टाचार को रोकना तथा हमारे लोकतंत्र को सही मायने में लोगों के लिए कार्य करने वाला बनाना है। यह स्पष्ट है कि सूचना प्राप्त नागरिक शासन के साधनों पर आवश्यक नजर रखने के लिए बेहतर रूप से तैयार होता है और सरकार को जनता के लिए और अधिक जवाबदेह बनाता है। यह अधिनियम नागरिकों को सरकार की गतिविधियों के बारे में जागरूक करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अधिकांश आरटीआई आवेदन ऐसे लोगों द्वारा दायर किए जाते हैं जो अपने मूल अधिकारों और अधिकारों के बारे में पूछ रहे हैं। तो इसने उस हद तक अपने उद्देश्य को पूरा किया है। भ्रष्टाचार विरोधी लोगों ने यह जानने के लिए आरटीआई कानून का इस्तेमाल किया है कि करदाताओं के पैसे के साथ क्या हो रहा है। इससे उन्हें आदर्श, कॉमनवेल्थ गेम्स और व्यापम जैसे बड़े घोटालों का पर्दाफाश करने में मदद मिली है। अनुमान के मुताबिक हर साल करीब 60 लाख आवेदन दाखिल किए जा रहे हैं। इसका उपयोग नागरिकों के साथ-साथ मीडिया द्वारा भी किया जाता है। वे मानवाधिकारों के उल्लंघन का पर्दाफाश करने में भी सक्षम रहे हैं, और फिर उन मामलों में भी जवाबदेही तय करने में सक्षम रहे हैं। प्रत्येक नागरिक को अधिनियम के तहत सार्वजनिक प्राधिकरणों से सूचना का दावा करने का अधिकार है। इससे जनता की सक्रिय भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत हुआ। सरकार से पर्याप्त धन प्राप्त करने वाले कई निकायों के साथ-साथ सभी सरकारी विभागों को आरटीआई मुद्दों के तहत लाया गया है। इस अधिनियम की सुंदरता इसकी सादगी है। लेकिन, कुछ राज्यों में जटिल प्रारूप या नियम लोगों के लिए बाधा उत्पन्न करते हैं। सूचना आयोगों में बड़ी संख्या में रिक्तियां हैं, जिसका अर्थ है कि अपील और शिकायतें लंबित रहती हैं। अप्रशिक्षित कर्मचारी और जन सूचना अधिकारियों (पीआईओ) का असहयोगी समूह। कई आयुक्त खुलकर अपने राजनीतिक झुकाव का इजहार करते देखे गए हैं। यह याचिकाकर्ताओं के बीच पक्षपात की भावना पैदा करता है। अधिनियम के अंतर्गत सभी संस्थानों को शामिल नहीं किया जा रहा है। उदा. न्यायपालिका अधिनियम के अधीन नहीं है। आरटीआई के कार्यान्वयन के लिए पीआईओ को आवेदक को फोटो कॉपी, सॉफ्ट कॉपी आदि के माध्यम से जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता होती है। ये सुविधाएं ब्लॉक और पंचायत स्तर पर उपलब्ध नहीं हैं। इस कानून के बारे में जागरूकता की कमी और व्यापक रूप से अपनाने की कमी आज भी है। 150 शब्दों के भीतर आरटीआई आवेदन वाले कुछ राज्य है वहां विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिन्हें औपचारिक शिक्षा का लाभ नहीं मिल सकता है। जन सूचना अधिकारी इस तरह के शब्दों का प्रयोग करते है कि विभाग के पास जानकारी नहीं है। आरटीआई अधिनियम के तहत सूचना रखने वाले का पता लगाने और आरटीआई आवेदन को स्थानांतरित करने की जिम्मेदारी अधिकारी की होती है। बड़ी संख्या में इनकार जहां लोगों को सिर्फ यह बताया जाता है कि यह जानकारी आपको प्रदान नहीं की जा सकती है, जो एक अवैध इनकार है। सरकार से सूचना मांगने को प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, डेटासेट और सूचना का रखरखाव सार्वजनिक डोमेन में रखना एक बड़ी समस्या बन गई है।

उदाहरणः कोविड -19 के दौरान जब सरकार से पूछा गया कि ऑक्सीजन की कमी के कारण कितने लोगों की जान चली गई, प्रवासी श्रमिकों की संख्या के बारे में, तो सरकार ने कहा, हमारे पास कोई डेटा नहीं है. सूचना आयुक्तों के पास आरटीआई अधिनियम को लागू करने के लिए पर्याप्त अधिकार नहीं हैं। आयोग के आदेश के अनुसार सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा कार्यकर्ताओं को मुआवजे के पुरस्कार के मामले में, अनुपालन सुरक्षित नहीं किया जा सकता है। रिकॉर्ड रखने की खराब प्रथाएं सूचना आयोगों को चलाने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों की कमी व्हिसलब्लोअर संरक्षण अधिनियम जैसे पूरक कानूनों को कमजोर करती है। सरकार द्वारा संशोधन के प्रयास भी इसको कमजोर करते है जैसे फाइल नोटिंग सूचना के अधिकार का हिस्सा नहीं होंगे राजनीतिक दलों को आरटीआई अधिनियम के दायरे से बाहर रखा जाएगा। आरटीआई उपयोगकर्ताओं की धमकियों, हमलों और हत्याओं के बावजूद लोग अभी भी कानून का व्यापक रूप से उपयोग कर रहे हैं, जो इस तथ्य की गवाही देता है कि यह कुछ ऐसा है जो उन्हें बहुत शक्तिशाली लगता है। डेटा संरक्षण विधेयक आरटीआई कानून में इस तरह से संशोधन करने की एक प्रणाली स्थापित करेगा कि सभी व्यक्तिगत सूचनाओं को छूट दी जाएगी। ऐसी बारीक जानकारी है जो यह कहते हुए लगाई जाती है कि यह उस व्यक्ति का नाम है, [ये हैं] जो राशन उन्हें दिया जा रहा है, उनका पता, ताकि सरकार पर दबाव बनाने और उन्हें रोके रखने के लिए सोशल ऑडिट को सक्षम किया जा सके। सूचना का अधिकार अधिनियम सामाजिक न्याय, पारदर्शिता प्राप्त करने और सरकार को जवाबदेह बनाने के लिए बनाया गया था लेकिन व्यवस्थित विफलताओं के कारण उत्पन्न कुछ बाधाओं के कारण यह अधिनियम अपने पूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर पाया है। आरटीआई के बारे में जागरूकता अभी बहुत कम है।

जागरूकता का स्तर विशेष रूप से वंचित समुदायों जैसे महिला ग्रामीण आबादी, ओबीसी/एससी/एसटी आबादी के बीच कम है। आरटीआई शासन के फलने-फूलने के लिए एक मजबूत राजनीतिक व्यवस्था जरूरी है। केंद्रीय और राज्य सूचना आयुक्तों को किसी भी राजनीतिक प्रभाव से दूर रखने के लिए एक आचार संहिता विकसित की जानी चाहिए।

अर्जेंटीना ने मार लिया फुटबाल का मैदान

हर्षवर्धन पाण्डे

फ्रांस को पेनाल्टी शूट आउट में शिकस्त देकर अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2022 जीतकर मानो इतिहास में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही लियोनल मेसी का वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना अपने अंतिम विश्व कप में पूरा हो गया। लियोनेल मेसी ने 35 साल की उम्र में इतिहास रचा और वर्ल्ड चैम्पियन बन गए। अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में हुए रोमांचक मैच में 4-2 से शिकस्त दी । 90 मिनट के मैच के शुरूआती समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थी। मैच बहुत रोमांचक था और अतिरिक्त समय मिलने के बाद भी के बाद मुकाबला भी 3-3 की बराबरी पर छूटा । अर्जेंटीना ने पहले हाफ से लेकर दूसरे हाफ तक लगातार फ्रांस पर पूरी तरह से दबाव बनाए रखा। टीम ने फ्रांस को गोल करने एक भी मौका नहीं दिया। इसके बाद अंतिम पलों में पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। फाइनल में मेसी ने दो गोल किए। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई। अर्जेंटीना ने 36 साल बाद फूटबाल विश्वकप का खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले उसे 1986 में खिताबी कामयाबी मिली थी। अर्जेंटीना का यह ओवरऑल तीसरा खिताब है। टीम 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी, वहीं फ्रांस का लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना अधूरा रहा गया। टीम 2018 में चैंपियन बनी थी। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में अब तक 5 फाइनल खेले हैं। इसमें से 2 जीते हैं। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप 1930 में पहला फाइनल खेला था। 2014 में उसे जर्मनी ने 1-0 से हराया था। फ्रांस दूसरी बार वर्ल्ड कप के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हारा है। इससे पहले उसे 2006 में इटली के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट में हार मिली थी। पिछले वर्ल्ड कप की तरह इस बार भी फ्रांस फाइनल में पहुंचा। 2018 में उसका मुकाबला क्रोएशिया से हुआ था। इस बार उसका मुकाबला मेसी की टीम अर्जेंटीना से था । इस वर्ल्ड कप से पहले फ्रांस के बड़े खिलाड़ी जैसे, बेंजेमा, पोग्बा, कांटे और एंकुकु चोटिल हो गए लेकिन इसके बाद भी टीम ने हिम्मत नहीं हारी और दुनिया की हर छोटी और बड़ी टीमों के साथ अर्जेंटीना के साथ रोमांचक खेल खेला। इसके बावजूद टीम के मैनेजर डिडियर डिस्चेम्पस ने एक संतुलित टीम बनाई और उसे लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के फाइनल तक लेकर गए। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में कुल 32 टीमों ने इस बार भाग लिया और कुल 48 लीग मैच खेले। हर मैच उतार और चढ़ाव से भरपूर थे। इस विश्व कप में एशिया की टीमों ने अपने युवा खिलाडियों से पूरी दुनिया को प्रभावित किया। जापान , दक्षिण कोरिया और सऊदी अरब की टीमें भले ही आगे नहीं जा सकी लेकिन और हर मैच में अपने आकर्षक खेल से करोड़ों फ़ुटबाल प्रेमियों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सेमीफ़ाइनल में फतह हासिल करने के बाद इस बार अर्जेंटीना के खिलाडियों के हौंसले इस कदर बुलंद थे कि फ़ाइनल में वह फ़्रांस पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने में सफल हुई। फ़्रांस और अर्जन्टीना के बीच खेले गए फ़ाइनल मैच का रोमांच अंतिम समय तक बना रहा जिस कारण मैच एक्स्ट्रा टाइम तक जा पंहुचा। लियोनल मेसी अपना दूसरा वर्ल्ड कप फाइनल खेला। वह 2014 के फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में भी अर्जेंटीना से खेले थे। तब टीम को जर्मनी ने 1-0 से हरा दिया था। मेसी के वर्ल्ड कप करियर का यह 26वां मैच भी रहा। मेसी ने जर्मनी के लोथार माथौस का रिकॉर्ड तोड़ा। इस खिलाडी ने फाइनल में अपने करिश्मे से सबका दिल जीत लिया ।

इसमें कोई दो राय नहीं इस बार के फीफा विश्व कप के हर मैच में फ़्रांस की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया लेकिन फ़ाइनल में टीम बहुत ज्यादा डिफेंसिव हो गई जिसके चलते अंतिम समय में टीम की रक्षापंक्ति बिखरती नजर आई। फ्रांस की टीम फाइनल हारने के बाद गम में डूबी उदास थी। उनके खिलाड़ी ग्राउंड पर ही रो पड़े। किलियन एम्बाप्पे वहीं बैठ गए। उन्हें उदास देख फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों उनके पास पहुंचे गए और एम्बाप्पे को गले लगा लिया। 2014 के फाइनल मैच में अर्जन्टीना की टीम को जर्मनी की टीम को कड़ी टक्कर दी वहीँ अर्जन्टीना की टीम इस विश्व कप में भी लियोनल मैसी पर ज्यादा निर्भर रही। मैसी ने हर मैच में अपनी पकड़ मजबूत की वही टिकी –टाका खेल से इस विश्व कप में नई इबारत गढ़ने का काम किया और यह बता दिया अगर छोटे छोटे पासों के साथ खेला जाए तो हर टीम की रक्षापंक्ति के साथ भेदा जा सकता है ।

हिन्द महासागर से चीन को चुनौती

ऋषभ मिश्रा

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। और इसीलिए भारत, चीन एवं पाकिस्तान से हमेशा बातचीत के जरिये ही मसलों को सुलझाने की कोशिश करता रहा है। लेकिन जो सुधर जाए वो पाकिस्तान नहीं, और जो चाल न चले वो चीन नहीं। इसीलिए भारत ने अपनी जमीन से लेकर आसमानी और समुद्री हर सीमा पर सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किये हैं। ताकि चीन और पकिस्तान की साजिशों को मुकम्मल जवाब दिया जा सके। ऐसे में हिन्द महासागर की लहरों पर भारत ने अपना नया रक्षक तैनात कर दिया है। ये रक्षक चीन के लिए काल से कम नहीं है। ये ड्रैगन की हर साजिश का समूल नाश करने में सक्षम बताया जा रहा है, और सबसे खास बात ये है कि भारत का ये नया रक्षक पूरी तरह से स्वदेशी है, यानी कि ये मेक इन इंडिया का परिणाम है। ऐसे में ये एक तरफ से चीन के खिलाफ भारत की बड़ी ढाल है, तो आत्मनिर्भर बनते भारत की बड़ी मिसाल भी है। ये नया रक्षक अपने आप में एक चलती फिरती शक्तिशाली सेना से कम नहीं है, और इसीलिए चीन इसे देखकर बौखलाया हुआ है क्यूंकि समंदर में एक और ब्रह्मास्त्र तैनात हो गया है। हिन्द महासागर में एक और विध्वंसक दुश्मनों का विध्वंस करने के लिए तैयार है, साथ ही ड्रैगन की टेढ़ी चाल के बीच ये नये भारत की बुलंद तस्वीर है। और ये वो तस्वीर है जो साबित करती है कि भारत की सीमा में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। भारत की ताकत और आत्मनिर्भरता अपने रफ़्तार से बढ़ रही है, और इसका ताज़ा उदहारण है आईएनएस मोरमुगाओ। विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस विशाखापट्टनम और एयरक्राफ्ट करियर आईएनएस विक्रांत के बाद विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस मोरमुगाओ भारत के मेक इन इंडिया का एक और चमकता उदाहरण है। मझगावं डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने इसका निर्माण किया है और ये P15B स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक है। ये 163 मीटर लम्बा, 17 मीटर चौड़ा, और 7,400 टन वजनी है। वॉरशिप डिज़ाइन ब्यूरो ने इसका डिज़ाइन किया है तथा इसका निर्माण आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस मोरमुगाओ को औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना को सौप दिया है। नौसेना डॉकयार्ड मुंबई में आईएनएस मोरमुगाओ को नेवी को सौपा गया है। आईएनएस मोरमुगाओ भारत की वॉरशिप के डिज़ाइन और डेवेलपमेंट में उत्कृष्टता का एक बहुत बड़ा प्रमाण है। विशाखापट्टनम क्लास का यह 'मिसाइल डिस्ट्रॉयर' भारत में निर्मित होने वाले सबसे शक्तिशाली वॉरशिप्स में से एक है, और यह वॉरशिप अपनी क्षमताओं से 'इंडियन मेरिटाइम कैपेबिलिटीज' में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी करेगा। भारतीय नौसेना के लिए प्रोजेक्ट 15 ब्रावो के तहत में लेवाले चार युद्धपोतों में से ये दूसरा है। दो और युद्धपोतों का निर्माण किया जा रहा है जो 2024 तक भारतीय नेवी को मिल जाएंगे। आईएनएस मोरमुगाओ की तैनाती के बाद भारत की हिन्द महासागर में पहुँच बढ़ेगी। इसके साथ ही समंदर में चीन के खिलाफ हमारे फ़ौज और मजबूत हो जायेगी।

भेदभाव का पर्दा खाए जा रहा है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैं रीटा हूँ। पहले सोचा कि गणित की तरह फलाँ का वैल्यू एक्स मान लिया जाए जैसा कुछ अपना नाम बता दूँ। दुर्भाग्य से गणित में एक्स का कुछ न कुछ मूल्य होता है और हमारा कुछ भी नहीं। मैं अपनी पहचान इसलिए भी नहीं छिपा सकती जिस चेहरे को समाचार चैनल गोल घेरे और पर्दा टाइप का कुछ ओढ़ाकर दिखाते हैं वही पोर्न वेबसाइटों में मेरी पहचान जमींदोज़ हो जाती है। यहाँ लोग सेक्स एजुकेशन को पाप और पोर्न साइटों पर धडल्ले से देखना पुण्य कार्य समझते हैं। यही भेदभाव का पर्दा मुझे खाए जा रहा है। आज पर्दा खुद पर्दा होता जा रहा है। पर्दा कहने के साथ ही यशपाल की कहानी याद हो आती है जहां वह घर की इज्जत को तार-तार होने से बचाने का काम करता था। आज पर्दा खुद शर्मिंदा है। धंधे के चक्कर में बंदे कब पर्दे को गंदा कर देते हैं, पता ही नही चला। काश पर्दे की कीमत वही रह पाती जो घर में छिप-छिपाकर रोटी नून खा लेने पर पर्दा उसे चार लोगों में छिपा देता था। आज यही पर्दा इज्जतदार कहलाने वालों की गंदी हरकतों को छिपाने वाला बेशर्मी की दास्तान बनता जा रहा है। घड़ी में केवल सुइयाँ ही अपने स्थान नहीं बदलते बल्कि लोग भी बदलते हैं और पर्दे भी। कोई सत्तर साल को पर्दे के नाम पर वोटों की रोटियाँ सेक रहा है। कोई ठीक चुनाव पहले पेट्रोल-डीजल की कीमत पर पर्दा डाल उनका ध्यान 'तीन पत्ती' खेलने वालों की तरह मजहब की ओर तो कभी बायकाट की ओर भटका दिया जाना है। पर्दों की तरह सोच बदलने लगे तब पर्दा गर्दा उड़ाने लगता है। फलाने शहर में दो टके के लाड्ज फाइव स्टार होटलों को मात दे रहे हैं। यह सब पर्दे का कमाल है। धंधों का पर्दा जब गंदा बन जाता है तो कइयों की जिंदगी का फंदा बन जाता है। उन लॉड्जों ने हवस का पर्दा डाल रखा है। जहाँ इज्जतदार लोग बड़ी कीमत देकर सस्ती हरकत करने आते हैं। इस दुनिया का सबसे बड़ा अभिशाप व्यभिचार करने वाली लड़कियों के एवज में बिचौलिए बदन बेचनेवालियों से अधिक कमाते हैं। पर्दा सिर्फ हवस की आड़ नहीं है बल्कि यह इतना पारदर्शी हो चुका है कि न दिखाई देने वाली चीज़ें भी अब दिखाई देने लगी हैं। अब पर्दा पर्दा न रहा। यह गिरते मूल्यों के बीच मरती संवेदनाओं का कफन बन चुका है। पर्दे लड़की के बदन को खिलौना बना रहे हैं और उसी की आड़ में खेलने वाले अपने तरीके से खेलते जा रहे हैं। सुंदरता कभी अनुभूत की वस्तु हुआ करती थी, अब लॉड्जों में हवस के पर्दे उनकी कीमत तय कर रहे हैं।

क्यों आज भी एक ईंट पर खड़े हैं विट्ठल भगवान?

वैसे तो सम्पूर्ण पृथ्वी पर भगवान के अनेकों अनेक मंदिर और विग्रह विराजमान हैं, जिसमें प्रभु की अलग-अलग मुद्राएं, अलग-अलग लीलाएं तथा अलग-अलग स्वरूप देखने को मिलता है। कहीं उनकी राधारमण बनकर बित्ते भर की मूर्ति है तो कहीं राजा बनकर द्वारका में विराज रहे हैं, कहते हैं ना "जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिनु तैसी"। परंतु क्या आपने कभी भगवान को अपनी कमर पर हाथ धरे एक ईंट पर खड़े देखा है? अगर नहीं तो, आइए आज हम कराते हैं आपको पंढरपुर के श्रीहरि विट्ठल की कथा से अवगत।

कैसा था पुंडलिक का स्वभाव

पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि छठीं शताब्दी में पुंडलिक नामक एक भक्त पंढरपुर, महाराष्ट्र में जन्मे। पुंडलिक जी का अपने माता-पिता एवं अपने इष्टदेव श्रीकृष्ण में अनन्य भाव था। भक्त पुंडलिक अत्यंत सरल, मीठे, एवं सहज व्यक्ति थे और श्रीकृष्ण को उनका यह स्वभाव बहुत पसंद था। एक दिन श्रीकृष्ण तैयार होकर कहीं जाने लगे, उन्हें जाता देख रुक्मणि जी ने उनसे पूछा तो प्रभु ने उत्तर दिया कि वे एक भक्त के दर्शन हेतु पृथ्वी पर जा रहे हैं।

जब पुंडलिक ने प्रभु से ईट पर खड़े रहने को कहा

यह सुनकर उनका भी मन साथ जाने का हुआ, अतः उन्होंने भगवान से अपनी इच्छा व्यक्त की और दोनों उस भक्त के द्वार पर प्रकट हुए और बोले, "पुंडलिक!, देखो बालक हम रुक्मिणी जी के साथ तुम्हें दर्शन देने आए हैं।" उस वक़्त पुंडलिक अपने पिता के पैर दबा रहे थे तथा वे भगवान से बोले, "हे नाथ! मैं अभी अपने पिताजी की सेवा में लगा हूं तो आपको थोड़ी प्रतीक्षा करनी पड़ेगी, तब तक आप इस ईंट पर खड़े होकर थोड़ी प्रतीक्षा करें।" यह बातें कहकर वे पुनः पिताजी की सेवा में लीन हो गए। यह वार्ता सुन रुक्मिणी जी भी चकित हो गईं।

पड़ा विट्ठल

भगवान ने वैसा ही किया जैसा भक्त पुंडलिक ने कहा। भगवान कमर पर दोनों हाथ रखकर, एक ईंट पर खड़े हो गए और साथ ही रुक्मिणी जी भी ईंट पर ही खड़े होकर प्रतीक्षा करनी लगीं। पिताजी की सेवा से निवृत्त होकर उसने पीछे की ओर देखा तो तब तक प्रभु मूर्ति रूप ले चुके थे। पुंडलिक ने उस विग्रह को अपने घर में विराजमान करा उसकी सेवा आदि करने लगे। ईंट को मराठी में विट कहते हैं तो ईंट ओर खड़े होने के कारण प्रभु का नाम विट्ठल पड़ा। आज भी आषाढ़ एकादशी के उपलक्ष्य पर लाखों श्रृद्धालु पैदल यात्रा कर भगवान विट्ठल के दर्शन करने जाते हैं।

– पंढ़रीनाथ नर्सीकर

मृत्यु के देवता यमराज का किसने किया था वध?

सूर्य देव के पुत्र हैं यमराज

मार्कंडेय पुराण के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा से सूर्य देव का विवाह हुआ था।

तब संज्ञा ने भय से सूर्य की तरफ देखा तो सूर्य देव ने कहा कि तुम्हारा जो पुत्र होगा,

वह लोगों के प्राण लेने वाला होगा।

इसके बाद संज्ञा ने चंचल दृष्टि से सूर्य देव की ओर देखा तो उन्होंने कहा कि तुम्हारी पुत्री चंचल होगी और चंचलता से नदी के रूप में बहेगी।

इसके बाद संज्ञा के जुड़वां बच्चे हुए, जिसमें पुत्र का नाम यमराज और पुत्री का नाम यमुना पड़ा।

धार्मिक शास्त्रों में यमराज को मृत्यु का देवता माना जाता है। सृष्टि से भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने के बाद व्यक्ति की आत्माओं को यमराज के समक्ष पेश होना पड़ता है, जहां व्यक्ति के कर्मों के आधार पर उनको स्वर्ग या नरक में भेजा जाता है। यमराज के सहयोगी चित्रगुप्त आत्माओं के कर्मों का हिसाब रखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, जो स्वयं दूसरों के प्राण हरते हैं, उनकी भी मृत्यु हो गई थी। जिसकी एक पौराणिक कथा प्रचलित है। चलिए जानते हैं पंडित इंद्रमणि घनस्याल से यमराज की मृत्यु से जुड़ी इस कथा के बारे में।

कार्तिकेय के प्रहार से हुई थी यमराज की मृत्यु

एक कथा के अनुसार, एक बार राजा श्वेत अपना राज्य त्याग कर भगवान शिव की भक्ति में लीन हो गए थे। कुछ समय बीतने के बाद यमदूत मुनि श्वेत के प्राण लेने आए। तब श्वेत मुनि प्राण त्यागना नहीं चाहते थे। तब भगवान शिव ने अपने गण भैरव को भेजा और भैरव ने डंडे के प्रहार से यमदूतों पर हमला किया। इससे यमराज क्रोधित होकर भैंसे पर बैठकर यमदंड हाथ में लेकर वहां पहुंचे। उस समय कार्तिकेय श्वेत मुनि की रक्षा करने के लिए वहां मौजूद थे। तब कार्तिकेय ने शक्ति अस्त्र से यमराज का वध कर दिया।

भूलकर भी किसी को ना बताएं ये बातें

आचार्य चाणक्य का पूरा नाम 'आचार्य विष्णुगुप्त चाणक्य' था और चणक आचार्य के पुत्र होने के कारण वह 'चाणक्य' कहलाए थे। वह अपने गुणों से राजनीति विशारद, आचार-विचार के कूटनीतिज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। 2500 ई। पू। आचार्य चाणक्य ने अर्थशास्त्र, लघु चाणक्य, वृद्ध चाणक्य, चाणक्य-नीति शास्त्र लिखा था। आचार्य चाणक्य की कूटनीतियां आज के समय में भी बिल्कुल सटीक बैठती हैं। आचार्य चाणक्य चंद्रगुप्त मौर्य के महामंत्री, गुरू एवं संस्थापक थे। आचार्य चाणक्य मौर्य वंश के राजनीतिक गुरु थे।

अश्विनी पाराशर की बुक 'चाणक्य नीति' के चौदहवें अध्याय में आचार्य चाणक्य कुछ बातों को गोपनीय रखने की सलाह देते हैं। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि बुद्धिमान व्यक्ति को हमेशा कुछ बातों को गोपनीय रखना चाहिए। आचार्य चाणक्य का आशय यह है कि इन चीजों के बारे में किसी को कुछ नहीं बताना चाहिए नहीं तो लोग उसका फायदा उठा सकते हैं।

सिद्ध औषधिः आचार्य चाणक्य कहते हैं कुछ दवाएं किसी व्यक्ति को सिद्ध हो जाती हैं, इसलिए लोग उससे दूसरों का भला तो करते हैं, किन्तु उसके बारे में किसी को कुछ नहीं बताते। विश्वास किया जाता है कि ऐसी दवा के बारे में दूसरों को बताने पर उसका प्रभाव समाप्त हो जाता हैधर्मः अपने धर्म या कर्तव्य के बारे में भी लोगों को कुछ नहीं बताना चाहिए, केवल इसका पालन करते जाना चाहिए।

घर की कमियांः अपने घर की कमी को बाहर बताने से अपनी ही बदनामी होती है। कमियां तो सभी घरों में होती हैं। अतः इन्हें बताना मूर्खता ही है।

संभोगः आचार्य चाणक्य कहते हैं संभोग के विषय में किसी को कुछ बताना भी असभ्यता और अश्लीलता है। ये काम एकांत में गुप्त रूप से करने के हैं।

गलत भोजनः यदि भूल से भी कोई ऐसी चीज खा ली हो जिसकी धर्म या समाज इजाजत नहीं देता, तो इसे किसी को न बताएं।

सुनी हुई बुरी बातः यदि किसी ने आपसे कोई बात कह दी या आपने कहीं कोई गलत बात सुन ली हो, तो इस बात को हजम कर जाना चाहिए, किसी को कुछ बताना नहीं चाहिए।

साल का आखिरी प्रदोष व्रत आज

सर्वार्थ सिद्धि योग 21 दिसंबर

2022, सुबह 08.33 – 22 दिसंबर 2022, सुबह 06.33

धृति योग – सुबह 12.41 – रात 09.26 (21 दिसंबर 2022)

अमृत सिद्धि योग – 21 दिसंबर 2022, सुबह 08.33 – 22 दिसंबर 2022, सुबह 06.33

साल 2022 का आखिरी महीना दिसंबर चल रहा है। इस साल पौष माह के कृष्ण पक्ष का प्रदोष व्रत 21 दिसंबर 2022 को है। इस दिन बुधवार होने से ये बुध प्रदोष व्रत कहलाएंगा।

प्रदोष व्रत में संध्या काल में शिव जी की पूजा की जाती है वहीं मासिक शिवरात्रि व्रत में रात्रि के प्रहर में भोलेनाथ की उपासना का विधान है। प्रदोष व्रत के दिन कुछ खास बातों का ध्यान रखें नहीं तो शिव जो क्रोधित हो सकते हैं। आइए जानते हैं पौष प्रदोष व्रत के दिन पूजा में क्या सावधानियां रखें

प्रदोष व्रत के दिन क्या सावधानियां बरतें

तुलसी

प्रदोष व्रत की पूजा में महादेव को तुलसी दल अर्पित न करें। शिव पुराण के अनुसार शिव जी की उपासना में तुलसी का उपयोग करना

वर्जित है। कहा जाता है कि असुर राज जलंधर की पत्नी वृंदा तुलसी का पौधा बन गई थी।शवि जी ने जलंधर का वध कयिा था इसलए़ि वृंदा ने भगवान शवि की पूजा में तुलसी के पत्तों का प्रयोग न करने की बात कही थी।

ये चीजें भी न चढ़ाएं

तांबे के लौटे से दूध अर्पित न करें, इसके लिए पीतल के लौटे उपयोग में लें। शिव संहार के देवता है इनकी पूजा में हल्दी, कुमकुम, सिंदूर, केतकी-केवड़े के फूल, शंख का जल महादेव की पूजा में निषेध है।

इन चीजों का सेवन न करें

प्रदोष व्रत में पूजा का फल तभी मिलता है जब भोजन के नियमों का पालन किया जाए। इस दिन तामिसक भोजन जैसे लहसुन, प्याज, मासांहार भोजन, का सेवन न करें। शराब से दूर रहें।

पूजा के वस्त्र

शिव की पूजा में काले रंग के वस्त्र पहनना अशुभ माना गया है। ऐसा करने पर शिव जी नाराज हो सकते हैं साधक पुण्य की जगह पाप के भागी बन सकते हैं। भोले भंडारी की पूजा में हरा, नारंगी या फिर पीले रंग के धुले और साफ वस्त्र पहनना उत्तम होगा।

कुंती की पांडवों को सीख

जब हम मुसीबत में फंसते तो घर-परिवार के लोग और कभी-कभी परिवार से बाहर के लोग भी हमारी मदद करते हैं। जो हमारा साथ देता है, उसे कभी भूलना नहीं चाहिए। जब हमारा मददगार किसी समस्या में
फंसता है तो उसकी मदद जरूर करें। ये बात कुंती ने अपने पांचों पुत्रों को समझाई थी।

महाभारत की घटना है। पांचों पांडव कुंती के साथ जंगल में रह रहे थे। वनवास के दौरान वे एक गांव में पहुंचे, जहां एक राक्षस रोज आता और गांव के लोगों को खा जाता। जब कुंती और पांडव उस गांव में पहुंचे, तब एक ब्राह्मण परिवार को राक्षस का भोजन बनना था।

गांव के लोग कुंती और पांचों पांडव को पहचानते नहीं थे। जब कुंती को ये बात मालूम हुई तो कुंती उस ब्राह्मण से बोली कि आपका छोटा सा परिवार है। आज आप अपने परिवार के साथ राक्षस के पास न जाएं। आज मेरा एक बेटा उस राक्षस के पास जाएगा।

ब्राह्मण बोला कि ये बात सही नहीं है। मैं अपने परिवार को बचाने के लिए किसी और की बलि नहीं दे सकता।

कुंती ने उस व्यक्ति को समझाया कि मेरे पांच पुत्रों में एक ऐसा है, जो उस राक्षस को मार सकता है। आप चिंता न करें। आज उस राक्षस से इस गांव को मुक्ति मिल जाएगी।

कुंती ने भीम से कहा कि आज तुम उस राक्षस के पास जाओ और उसका अंत करो।

ये बात सुनकर युधिष्ठिर ने कुंती से कहा कि ये बात ठीक नहीं है। आप अपने पुत्र को मरने के लिए भेज रही हैं।

कुंती ने पांचों पांडवों को समझाया कि तुम्हारी बात सही है, लेकिन मैं जानती हूं कि भीम बहुत बलवान है और मुझे भरोसा है कि वह इस राक्षस का वध कर देगा। भीम की वजह से इस गांव के लोगों को राक्षस से मुक्ति मिल जाएगी। गांव के लोगों ने हमारी मदद की है और हमारा भी कर्तव्य है कि इनकी मुसीबत में हम इनकी मदद करें।

इसके बाद भीम उस राक्षस के पास गया और उसका वध कर दिया।

जीवन प्रबंधन

इस प्रसंग में कुंती ने संदेश दिया है कि जब कोई हमारी मदद करता है तो हमें उसका उपकार याद रखना चाहिए और जब वह मुसीबत में हो तो हमें उसकी मदद करनी चाहिए।

घर में 'खुशियां' आने से पहले पत्नी उपासना संग थाइलैंड में खूब धमाल मचाया राम चरण ने

साउथ सिनेमा इंडस्ट्री के दिग्गज सितारे राम चरण ने कुछ दिन पहले अपने घर में नए मेहमान के लिए तैयारी करने की जानकारी दी थी। इस खुशी के घर में आने से पहले अभिनेता छुट्टी पर निकल गए हैं। उनकी छुट्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें वह पत्नी उपासना के साथ जमकर धमाल मचाते नजर आए।

बता दें कि राम चरण की इस वैकेशन की तस्वीरें उनके एक दोस्त ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं, जिन पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। इन तस्वीरों में राम चरण ब्लैक एंड व्हाइट शर्ट, काली पैंट और मैचिंग शूज पहने नजर आए। वहीं, उपासना रेड एंड व्हाइट ड्रेस के साथ गहरे रंग

का चश्मा पहने दिखीं।

पहली तस्वीर में उपासना कई लोगों के साथ खिलखिलाती नजर आईं। यह तस्वीर थाइलैंड के खाओ लाक इलाके की बताई जा रही है। वहीं, दूसरी तस्वीर में उपासना और दोस्तों के साथ राम चरण भी नजर आए।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह राम चरण के पिता और दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने बताया था कि राम और उपासना अपना पहला बेबी एक्स्पेक्ट कर रहे हैं। इस पोस्ट में लिखा था, 'श्री हनुमान जी की कृपा से, हमें ये अनाउंस करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि राम चरण और उपासना अपना पहला बेबी एक्स्पेक्ट कर रहे हैं। प्रेम और आभार के साथ सुरेखा और चिरंजीवी कोनिडेला, शोभना और अनिल कामिनेनी।'

इसके कुछ दिन बाद उपासना ने अपने परिवार की महिलाओं की एक तस्वीर साझा की थी। इसमें उन्होंने लिखा था, 'अपनी जिंदगी की सबसे अहम महिलाओं के आशीर्वाद से मैं मदरहुड में एंट्री कर रही हूं।' बता दें कि राम चरण और उपासना ने हाल ही में अपनी शादी की 10वीं सालगिरह मनाई थी। 2011 में दोनों की सगाई हुई और जून 2012 में उनकी शादी हो गई थी।

दीपिका पादुकोण के बाद अब भोजपुरी बाला पूनम दुबे ने बिखेरा 'बेशर्म रंग', बिकिनी पहन समुद्र में की मस्ती

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जल्द ही रिलीज होने वाली फिल्म 'पठान' को लेकर सिनेमा लवर्स बेसब्र हैं, वहीं फिल्म के गाने 'बेशर्म रंग' को लेक सोशल मीडिया पर 'बायकॉट पठान' भी ट्रेंड कर रहा है. इस विवाद में राजनेता से लेकर इंडस्ट्री की बड़ी-बड़ी हस्तियां कूद पड़ी हैं. मामले में हर दिन कोई नया बयान सामने आता है. इन सब के बीच भोजपूरी की बोल्ड एक्ट्रेस पूनम दुबे ने बिकिनी में अपना 'बेशर्म रंग' बिखेरा है. सोशल मीडिया पर पूनम का नया बोल्ड वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसने उन्हें इंटरनेट संसेशन बना दिया.

इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी एक्टिव रहने वाली पूनम दुबे ने अपने ने बिकिनी वीडियो से फैंस के पसीने छुड़ा दिए हैं. एक तरफ हाड़कंपा देने वाली ठंड है तो दूसरी तरह पूनम दुबे की सेक्सी अदाओं ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है. फैंस बार-बार पूनम की वीडियो देख रहे हैं और उसे शेयर कर रहे हैं. अब तक एक्ट्रेस की वीडियो पर 12 हजार से अधिक लाइक्स आ चुके हैं, जबकि कई लोगों ने कमेंट भी किया . वीडियो में देखा जा सकता है कि ब्लैक बिकिनी पहने पूनम समुंदर से निकलती दिखाई दे रही हैं.

फैंस ने किए ऐसे कमेंट

पूनम का टोन्ड फिगर, वीडियो देखने वालों की धड़कने बढ़ा रहा है. वीडियो के साथ पूनम ने शाहरुख और दीपिका के गाने 'बेशर्म रंग' को बैकग्राउंड में लगाया है. ये गाना उनकी इन अदाओं के साथ बखूबी मैच कर रहा है. हालांकि कई लोगों ने उन्हें गाने को लेकर ट्रोल करने की भी कोशिश की है, जबकि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'कितनी हॉट लग रही हो.' एक अन्य यूजर ने उन्हें ट्रोल करते हुए लिखा, 'अच्छा नहीं लगता है, ना ना बेबी मुझे तुम्हें ऐसे देख कर.' आपको बता दें कि पूनम अक्सर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ऐसे ही बोल्ड और हॉट पिक्स से फैंस को सरप्राइज करती रहती हैं।

बिना पैंट पहने हद से ज्यादा सिजलिंग अंदाज में दिखीं रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों टॉलीवुड ड्रग्स केस को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं. एक्ट्रेस ने ड्रग्स केस के विवादों के बीच अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर दी हैं. रकुल लेटेस्ट फोटोज में बिना पैंट पहने सिजलिंग अंदाज दिखाती नजर आ रही हैं.

रकुल प्रीत सिंह की लेटेस्ट फोटोज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. एक्ट्रेस नई तस्वीरों में बॉसी लुक में नजर आ रही हैं. रकुल प्रीत सिंह ने लेटेस्ट फोटोज में बिना पैंट के व्हाइट ब्लेजर पहनकर सेंसुअस अंदाज फ्लॉन्ट किया है. रकुल प्रीत सिंह ने

लेटेस्ट फोटोज में स्मोकी मेकअप और बन हेयरस्टाइल से अपना लुक पूरा किया है. कानों में एक्ट्रेस ने स्टाइलिश ड्राप डाउन ईयरिंग्स कैरी किए हैं. रकुल का यह लुक ऑफिस गोइंग गर्ल्स के लिए परफेक्ट है. रकुल प्रीत ने व्हाइट ब्लेजर के साथ व्हाइट हील्स कैरी की हैं. लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस काउच पर बैठकर तो कभी खड़े होकर बोल्ड अंदाज दिखाती नजर आ रही हैं. ईडी चार साल पुराने ड्रग्स तस्करी मामले में जांच कर रही है, जिसमें टॉलीवुड के कई एक्टर्स समेत रकुल प्रीत सिंह से भी पूछताछ की जाएगी. रकुल प्रीत सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की अगली फिल्म छतरीवाला है. रकुल प्रीत सिंह छतरीवाला के अलावा एक अनटाइटलड फिल्म में भी दिखाई देंगी. इस फिल्म में रकुल, एक्टर अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर के साथ लीड रोल में नजर आने वाली हैं.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लीना मारिया की 26 कार जब्त करने का आदेश

ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉनड्रिंग मामले को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी चर्चा में बना हुआ है। आज यानी 20 दिसंबर को अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज पेशी के लिए दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट पहुंची हैं। पटियाला हाउसकोर्ट में जैकलीन के साथ उनके वकील प्रशांत पाटिल और शक्ति पांडे भी मौजूद थे। साथ ही सुकेश चंद्रशेखर भी कोर्ट में मौजूद हैं।

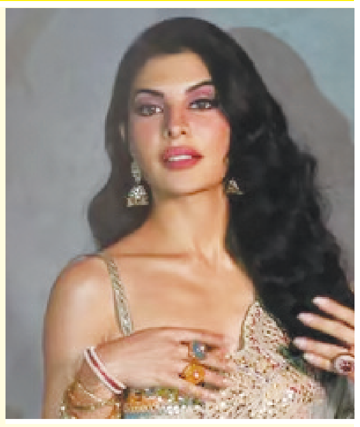

लीना मारिया पॉल

लीना की कार जब्त करने का आदेश

अदालत ने ईडी को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉनड्रिंग मामले में सुकेश की पत्नी लीना मारिया पॉल से जुड़ी 26 कारों को अपने कब्जे में लेने की अनुमति दी है। वहीं, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने 23 दिसंबर से बहरीन की यात्रा करने की अनुमति के लिए एक आवेदन दायर किया है। अदालत ने ईडी को 22 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट में पिछली सुनवाई

जैकलीन फर्नांडीज इससे पहले मनी लॉनड्रिंग मामले में 12 दिसंबर को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुई थीं। कोर्ट में संक्षिप्त सुनवाई हुई थी। कोर्ट में विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने शुरुआती दलीलें सुनने के बाद सुनवाई को स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद केस की अगली सुनवाई 20 दिसंबर तक के लिए टाल दी गई थी।

नोरा का नाम भी शामिल

जैकलीन फर्नांडीज के साथ इस केस में नोरा फतेही का नाम भी शामिल हो गया है। नोरा ने जैकलीन के खिलाफ दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। साथ ही नोरा ने इस मामले में कई मीडिया हाउस पर भी मानहानि का केस किया है। नोरा फतेही का आरोप है कि महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉनड्रिंग केस में उनका नाम जबरन इस्तेमाल किया गया है। अभिनेत्री का कहना है कि सुकेश से उनका कोई सीधा संपर्क नहीं था। वो सुकेश की पत्नी लीना मारिया पॉल के जरिए सुकेश को जानती थीं। साथ ही नोरा ने सुकेश चंद्रशेखर से गिफ्ट्स लेने का खंडन किया है।

41 की उम्र में इस हसीना ने दिखाया बोल्ड हुस्न

टीवी इंडस्ट्री में जलवा दिखाने के बाद बॉलीवुड फिल्मों में एक्टिंग का हुनर दिखाने वाली शमा सिकंदर की बोल्ड तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा रखा है. शमा सिकंदर वायरल तस्वीरों में वह ग्रीन कलर का बैक ओपन मैक्सी पहने हुए तस्वीरों को अपने सेंसुअस हुस्न को बेबाकी से फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने फैंस को मदहोश कर दिया है.

शमा सिकंदर वायरल तस्वीरों में ग्रीन कलर के बॉडी टाइट मैक्सी में सेक्सी अंदाज दिखा रही हैं. बोल्डनेस के नशे में चूर एक्ट्रेस ने कोट के सारे बटन खोलकर बेबाकी से ब्रालेट को फ्लॉन्ट किया है. वायरल फोटोज में शमा ने सटल मेकअप के साथ न्यूड लिपशेड कैरी किया है. एक्ट्रेस ने अपने बालों को बांधा हुआ है. फोटोज में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस बालकनी में अपने हुस्न का जलवा दिखा रही हैं.

41 की उम्र में बेबाकी से दिखाती हैं हुस्न

शमा सिकंदर 41 साल की उम्र में भी बेबाकी से अपना हुस्न सोशल मीडिया पर दिखाती नजर आती हैं. शमा सिकंदरकभी बिकिनी, कभी मोनोकिनी तो कभी मिनी टाइट ड्रेसेज में हॉट फिगर फ्लॉन्ट करती हैं. शमा सिकंदर के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को साल 2003 में सोनी टीवी के सीरियल 'ये मेरी लाइफ से' पॉपुलैरिटी मिली थी. इसके बाद शमा सिकंदर 'बालवीर' में 'भयकंर परी' का किरदार निभाती नजर आई थीं।

किराया नहीं चाहिए, तुम बस... होश उड़ा देगी मराठी एक्ट्रेस तेजस्विनी की आपबीती

अभिनेत्रियां आजकल बेबाक अंदाज में अपनी बातों को रखने की वजह से चर्चा में चल रही हैं। कोई भी एक्ट्रेस अपने साथ किसी भी गलत बर्ताव को बर्दाश्त नहीं करती है और इसका विरोध करती नजर आती हैं। हाल ही में, मराठी फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस तेजस्विनी पंडित ने अपने साथ घटी ऐसी घटना का खुलासा किया, जिसने हर किसी के होश उड़ा दिए हैं।

तेजस्विनी पंडित ने अपने साथ हुई घटना के बारे में बताते हुए कहा कि उनके साथ यह घटना तब हुई, जब वह पुणे में एक अपार्टमेंट में किराए पर रह रही थीं। तेजस्विनी ने बताया कि मकान मालिक ने उनके साथ बहुत ही गलत हरकत ही। मकान मालिक ने उनसे किराए के बदले सेक्सुअल फेवर मांगा। एक पॉडकास्ट शो में बात करते हुए तेजस्विनी ने कहा, 'यह 2009-10 के आसपास की बात है। मैं पुणे में सिन्हागढ़ रोड पर एक किराए के अपार्टमेंट में रहती थी। उस समय मेरी सिर्फ एक या दो फिल्में ही रिलीज हुई थीं। जिस अपार्टमेंट में मैं रहती थी, उसका मालिक एक कॉर्पोरेटर था।' तेजस्विनी ने आगे कहा, 'जब मैं किराया देने मकान मालिक के ऑफिस गई तो उसने मुझे डायरेक्ट ऑफर दे दिया। उसने बदले में मुझसे सेक्सुअल फेवर मांगा। मैंने सामने टेबल पर रखे पानी के गिलास को उठाया और उसके चेहरे पर फेंक दिया। मैंने उससे कहा कि मैं इस प्रोफेशन में यह सब करने नहीं आई हूं, वरना मैं इस अपार्टमेंट में नहीं रहती। मैं घर, गाड़ी और न जाने क्या-क्या खरीद लेती।'

वर्क फ्रंट की बात करें तो तेजस्विनी पंडित ने 2004 में मराठी फिल्म 'अगं बाई अरेच्चा' से एक्टिंग डेब्यू किया था। मराठी फिल्मों के अलावा उन्होंने कुछ मराठी टीवी शोज में भी काम किया है। तेजस्विनी पिछली बार 2018 में आई मराठी फिल्म 'ये रे ये रे पैसा' में नजर आई थीं। फिलहाल उन्होंने अपने साथ हुई इस घटना का खुलासा कर सबको हैरान कर दिया है।

साल की सबसे पॉपुलर फिल्म बनी केजीएफ चैप्टर 2

1 दिन में बिके 2.14 मिलियन टिकट

हाल ही में टिकट बुकिंग प्लैटफॉर्म 'बुक माय शो ने साल 2022 की एनुअल रिपोर्ट शेयर की। इस लिस्ट में उन भारतीय फिल्मों के नाम शामिल किए गए है, जिन्होंने इस साल बॉक्सऑफिस पर सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

मोस्ट पॉपुलर फिल्मों की लिस्ट में साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म केजीएफ 2 का नाम सबसे ऊपर है। रिपोर्ट्स की मानें तो केजीएफ 2 ने 14 अप्रैल को कुल 2.14 मिलियन टिकट की बिक्री की थी, इसी के साथ फिल्म 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

केजीएफ ने तोड़ा बाहुबली का 5 साल पुराना रिकॉर्ड

रिपोर्ट्स की मानें तो केवल वीकेंड पर ही केजीएफ2 ने करीब 34% की बिक्री थी। इसी के साथ फिल्म ने बाहुबली द कन्क्लूजन का 5 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है, ओवरऑल फिल्म के 17.7 टिकट बिक चुके हैं।

टिकट बिक्री के मामले में आरआरआर को पीछे छोड़ा

भले ही एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म क्यों न हो लेकिन इंडियन बॉक्सऑफिस पर टिकट के मामले में केजीएफ ने बाजी मारी है। इंडिया में आरआरआर से ज्यादा टिकट केजीएफ चैप्टर 2 के बिके हैं।

लिस्ट में शामिल हैं इन फिल्मों के नाम

रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म इस लिस्ट में केजीएफः चैप्टर 2, आरआरआर, द कश्मीर फाइल्स, पोन्नियन सेल्वन, ब्रह्मास्त्रः पार्ट 1, शिवा, विक्रम और डॉक्टर स्ट्रेंजःइन द मल्टी यूनिवर्स ऑफ मैडनेस जैसी पॉपुलर फिल्मों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा कांतारा, कार्तिकेय, द कश्मीर फाइल्स, सीता रामम, 777 चार्ली जैसी फिल्मों का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है।

देवी पर आपत्तिजनक कमेंट से भड़के लोग : इवेंट के दौरान कन्नड़ एक्टर दर्शन के मुंह पर फेंकी चप्पल

कन्नड़ एक्टर दर्शन को हाल ही एक कार्यक्रम के दौरान एक शख्स ने चप्पल मार दी है। यह घटना तब हुई जब दर्शन अपनी अपकमिंग फिल्म 'क्रांति' का प्रमोशन कर रहे थे। इसी दौरान का एक वीडियो सामने आया है। दर्शन की गिनती कन्नड़ फिल्मों के सबसे विवादित एक्टर्स में की जाती है। वह अकसर ही अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं।

इवेंट के दौरान एक्टर पर फेंकी गई चप्पल

कर्नाटक के होसपेट में एक्टर दर्शन अपनी नई फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे थे। उनकी फिल्म क्रांति जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के नए गाने को लॉन्च करने के लिए इवेंट का आयोजन किया गया था। फैंस की भारी भीड़ भी वहां पर उमड़ आई थी। वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि दर्शन जब जनता से बात करने के लिए स्टेज पर पहुंचे तो भीड़ में से किसी ने उन पर चप्पल फेंककर मार दी। जो उनके कंधे पर जाकर लगी। हालांकि, अभी तक चप्पल फेंकने वाले शख्स की पहचान नहीं हो सकी है।

विवादित बयान को लेकर निशाने पर आए दर्शन

बताया जा रहा है कि दर्शन के खिलाफ ये गुस्सा उनके एक बयान के बाद भड़का है। दरअसल, उन्होंने अपने एक हालिया इंटरव्यू में कहा था कि 'भाग्य की देवी हमेशा आपका दरवाजा नहीं खटखटाती, अगर वह दरवाजा खटखटाए तो उसे पकड़ लीजिए और घसीटकर कमरे में ले जाइए। वहां आप उसके सारे कपड़े उतार दीजिए'। यदि तुम उसे कपड़े दोगे, तो वह बाहर चली जाएगी'। इसी बयान को लेकर लोगों में दर्शन के प्रति बहुत गुस्सा है और वो एक्टर की जमकर आलोचना कर रहे हैं। यूजर्स का कहना था कि दर्शन की बात बेहद निंदनीय है और औरतों के प्रति उनकी खराब सोच को दिखाती है। साथ ही यूजर्स ने कहा कि एक्टर ने देवी का भी अपमान किया है। कई यूजर्स ने उन्हें चीप भी बताया था। कई अन्य यूजर्स ने कहा था कि एक्टर ने हद पार कर दी है।

इसके अलावा फोन पर हुई बातचीत में कथित तौर पर दर्शन को मीडिया को इस बात के लिए बुरा-भला कहते हुए सुना गया था कि मीडिया ने उनकी जिंदगी के हर पहलू को जांच के दायरे में ला खड़ा किया है। इसके बाद से कई न्यूज चैनल्स ने दर्शन की फिल्म 'क्रांति' के प्रमोशनल इवेंट्स को बायकॉट कर दिया था।

बच्चा बार-बार रोता है तो इस तरह से कराएं शांत

बच्चों का लालन-पालन करना आसान काम नही है। उनकी हर जरूरत को समझकर उसे पूरा करना और समझना बेहद जरूरी होता है। ये काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब आपका बच्चा नवजात हो। बच्चे अक्सर रोकर अपनी बातों को समझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि बच्चे अलग-अलग कारणों से रोते हैं। कभी डर तो कभी गुस्से और भूख लगने की वजह से बच्चों का रोना आम बात है।

लेकिन जब बच्चे जरूरत से ज्यादा रो रहे हों तो जरूरी है उनकी समस्याओं को समझने की और उसका निदान करने की। कई बार बड़े होते बच्चे बिना किसी वजह के रोते हैं और शांत भी नहीं होते। ऐसे में जरूरी है कि रोने का कारण समझकर उसका निदान किया जाए।

बच्चे जब पैदा होते हैं तो उनका रोना सामान्य बात होती है। क्योंकि वो रोकर ही अपनी भावनाओं को जाहिर करते हैं। नवजात शिशु को भूख लगेगी तो वो रोकर ही बताता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं अपनी भावनाओं को समझाने के लिए वो दूसरे तरीके सीखने लगते हैं। लेकिन फिर भी अक्सर वो रोकर ही बात समझाते हैं। चार से पांच साल के होते-होते बच्चे किसी खास कारण से ही रोते हैं।

अगर आप अपने बच्चे के बार-बार रोने से परेशान हैं, तो पहले समझ लें कि हर उम्र के बच्चों के रोने के अलग कारण होते हैं।

1-3 साल के बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को समझाने, नखरा करने के लिए रोते हैं। अक्सर बच्चे बीमार होने या कंफ्यूज होकर रोते हैं।

4-5 साल के बच्चे कई बार चोट लगने का डांट देने पर रोने लगते हैं। अगर उनकी भावनाएं आहत होती हैं तो ये रोकर अपनी बात बताते हैं। 5 साल से ऊपर के बच्चे ज्यादातर शारीरिक चोट लगने या फिर किसी सामान के खो जाने पर रोने लगते हैं।

शिशुओं के रोने के कारण

शिशुओं के रोने के अलग-अलग कारण हैं। सामान्यतौर पर बच्चे भूख लगने की वजह से रोते हैं। इसलिए जरूरी है कि बच्चों के खाने-पीने के समय का खास ख्याल रखा जाए।

दर्द या बीमार होने पर

बच्चे कई बार शारीरिक कष्ट की वजह से रोते हैं। पेट में दर्द, गैस या कान में होने वाला दर्द बच्चों को परेशान करता है। बच्चे जब बोलने लायक हो जाते हैं तो आप उनसे थोड़े से सवालों के जरिए पूछ सकते हैं कि उन्हें क्या तकलीफ है। कई बार बच्चे बहुत ठंड लगने या गर्मी लगने से भी रोने लगते हैं। इसलिए अपने आसपास के तापमान का भी ध्यान रखें।

बच्चा अगर थक गया हो

अगर बच्चा पेट भरे होने और बिना किसी तकलीफ के रो रहा हो। तो वो थका हुआ हो सकता है। बच्चे ज्यादा खेलने की वजह से थक जाते हैं और नींद ना आने पर चिड़चिड़ाने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की नींद के समय का ध्यान रखें। अगर आपका बच्चा छोटा है और बोल नहीं पाता तो उसके इशारों से समझिए।

बच्चे नींद आने और थके होने पर आंखें मलते और खेलने में उनका मन नहीं लगता। ऐसे में उन्हें आराम की जरूरत होती है। अगर बच्चा बोलकर अपने थकने की बात बता रहा है तो उसे पैरों में मसाज कर उसकी थकान को दूर करें और सुलाएं।

परेशान होना

कई बार नवजात शिशु और तीन से चार साल के बच्चे भी आसपास के शोर-शराबे से परेशान होकर रोने लगते हैं। अगर आपका बच्चा प्रीस्कूल में जाता है और लगातार रोता है तो कई बार वो अपने दिनभर की दिनचर्या और स्कूल की एक्टीविटीज से थककर और परेशान होकर रोता है।

बच्चे कई बार अपनी इच्छानुसार चीजें ना पाकर भी रोने लगते हैं। जैसे कि अगर आपका बच्चा फोन की जिद कर रहा है और ना देने पर रोता है। या फिर कोई मनपसंद खिलौना जो खराब हो गया हो। बच्चे ठीक ना कर पाने की स्थिति में भी रोने लगते हैं।

अगर आपका बच्चा लगातार रो रहा है और उसे भूख नहीं लगी या वो बिल्कुल ठीक है। तो हो सकता है कि वो केवल आपका साथ चाहता हो। अभिभावक होने के नाते जरूरी है कि आप अपने बच्चे को पर्याप्त समय दें। जिससे कि वो खुद को सुरक्षित समझे और उसे किसी तरह का भय या बिछुड़ने का डर ना हो।

बच्चों को चुप कराते समय रखें इन बातों का ध्यान

बच्चा अगर रो रहा है तो सबसे पहले जरूरी है कि उसके कारण को समझें। इसके साथ ही अपनी मानसिक स्थिति और मनोभावों को भी समझें। जैसे कि अगर बच्चा लगातार रो रहा है तो सबसे पहले खुद को शांत करें और गुस्सा ना करें। बच्चे से पूछें- 'क्या वजह है जो उसे परेशान कर रही है।'

सबसे आखिर में अगर बच्चा छोटा है और चुप नहीं हो रहा तो उसे डॉक्टर के पास ले जाएं। कई बार फीवर और तबियत खराब होने की वजह से बच्चे जरूरत से ज्यादा रोते हैं।

नए साल पर पार्टनर को सरप्राइज करने के लिए अपनाएं ये तरीके तो खुश हो जाएगा साथी

प्रेमी युगल या शादीशुदा कपल को हर मौके को खास बनाना आना चाहिए। रिश्ते में प्यार और उत्साह को बनाए रखने के लिए छोटी छोटी बातों में खुशियां ढूंढना चाहिए। नया साल 2023 आने वाला है। नए साल के मौके पर लोग अपने परिवार, पार्टनर और दोस्तों के साथ वक्त बिताते हैं और पार्टी व सफर पर जाते हैं। नए साल की शुरुआत खूबसूरत तरीके से करने के लिए जरूरी है कि आप अपने पार्टनर को भी वक्त दें। उनके लिए कुछ खास करें। इससे पार्टनर खुश होता है और रिश्ते में मिठास बनी रहती है। वैसे तो नए साल पर आप उनके साथ घूमने जा सकते हैं या पार्टी कर सकते हैं लेकिन पार्टनर को ज्यादा प्रभावित करने के लिए उन्हें सरप्राइज दें। मोहब्बत में सरप्राइज करना आम बात है। लोगों को अगर अपने पार्टनर से किसी सरप्राइज की उम्मीद भी रहती है। अगली स्लाइड्स में जानिए पार्टनर के साथ नया साल खास बनाने के लिए उन्हें क्या सरप्राइज दे सकते हैं आप।

प्रेम संदेश दें

अपने पार्टनर को सरप्राइज देना चाहते हैं, तो उनके लिए कुछ खास करें। इसके लिए आप उनके लिए अलग अलग कई प्रेम संदेश छोड़ सकते हैं। उनके अलार्म बेल को प्रेम संदेश में बदल सकते हैं। सुबह की शुरुआत ही आपके प्रेमपूर्ण मैसेज से होगी। पार्टनर के तकिया के पास कागज पर हाथ से लिखा संदेश छोड़ सकते हैं। उनके लंच बॉक्स में संदेश रख सकते हैं। पर्स या पैंट की जेब में संदेश लिख कर छोड़ सकते हैं। इस तरह के मैसेज पार्टनर को भी उत्साहित कर सकते हैं। मैसेज में आप अपने दिल की बात, उनकी याद आने का जिक्र, उनके लिए कुछ सुझाव लिखकर छोड़ सकते हैं।

प्यार का इजहार करें

रिश्ते में इजहार जरूरी होता है। अगर आप अपने पार्टनर से प्यार करते हैं, तो समय समय पर पार्टनर से प्यार का इजहार करना चाहिए। प्रेम के तीन बोल साथी को खुशी देते हैं। नए साल पर भी अपने पार्टनर से अपने प्यार का इजहार कर सकते हैं। उन्हें बता सकते हैं कि वह आपके जीवन में क्या महत्व रखते हैं। आप उनसे कितना प्यार करते हैं। इसके लिए आप कुछ खास तरीकों का सहारा ले सकते हैं। जैसे उनके और आपके फोटो या क्लिप का वीडियो बना सकते हैं। कार्ड पर इजहार ए मोहब्बत लिख सकते हैं।

कुछ खास बनाएं

साथी के लिए नए साल की सुबह खास बनाना चाहते हैं तो उनकी पसंदीदा डिश अपने हाथों से तैयार कर सकते हैं। पार्टनर के लिए खाने की कोई लजीज चीज बनाएंगे तो उनको भी खुशी होगी। शादीशुदा हैं या लिव इन में रहते हैं तो नए साल पर मिलकर एक साथ खाना बना सकते हैं। केक या कुछ मीठा तैयार कर सकते हैं। यह आपके रिश्ते में अधिक मिठास लाएगा।

तोहफा छू ले दिल

लोग अक्सर अपने पार्टनर को तोहफे देते रहते हैं लेकिन नए साल पर कुछ ऐसा दें जो उनके दिल को छू जाए। कई ऐसी बातें होती हैं, जो पार्टनर को पसंद नहीं होती, तो नए साल पर उन्हें वादा कर सकते हैं कि आप अपनी इस आदत को बदलने की कोशिश करेंगे। रिश्ते को बिगाड़ने वाली चीजों को एक दूसरे के बीच में नहीं आने देंगे। इसके अलावा उन्हें फोटो फ्रेम, वॉलेट में आप दोनों की तस्वीर रखकर दे सकते हैं। कमरे की नए तरीके से डेकोरेशन आदि करके भी उन्हें सरप्राइज कर सकते हैं।

सिंगल रहने के हैं ये नुकसान

इंसान के जीवन में रिश्तों की बहुत अहमियत होती है लेकिन जब विश्वास टूटता है या भरोसा टूटने का डर होता है तो रिश्ते की अहमियत कम होने लगती है। आज के दौर में कई लोग रिश्ते में नहीं बंधना चाहते। यही वजह है कि लोग सिंगल रहना अधिक पसंद करते हैं। जिंदगी को पूरी आजादी और बेफिक्र से जीने का शौक रखने वाले रिलेशनशिप में नहीं आना चाहते और सिंगल रहने के फायदों का लाभ उठाते हैं। हालांकि अक्सर दोस्त अपने रिलेशनशिप को लेकर एक दूसरे से तुलना करते हैं। जो लोग सिंगल होते हैं वह उनके सिंगल होने के फायदे गिनाते हैं, वहीं उनके इंगेज या शादीशुदा दोस्त रिलेशनशिप में रहने के फायदे बताते हैं। सिंगल रहने के कई फायदे होते हैं लेकिन इसके नुकसान भी हैं। अगर आप सिंगल लाइफ को एंजॉय कर रहे हैं तो सिंगल रहने के नुकसान के बारे में भी जान लीजिए। सिंगल रहना हो सकता है नुकसानदायक, जानें वजह।

सिंगल रहने के नुकसान

भावनात्मक कमजोरी : हर इंसान को अपने जीवन में भावनात्मक मजबूती चाहिए होती है। रिलेशनशिप में लोगों को भावनात्मक सपोर्ट देने के लिए उनका पार्टनर होता है लेकिन सिंगल लोग भावनात्मक तौर पर कमजोर होते हैं। उनके जीवन में कोई दिक्कत आती है तो उन्हें संभालने या उनकी परेशानी बांटने वाला कोई नहीं होता। इमोशनल सपोर्ट न मिलने से परेशानी कम नहीं होती, बल्कि चिंता बढ़ने लगती है।

तनाव ग्रस्त होना : माना जाता है कि सिंगल रहने वाले लोग काफी खुश रहते हैं। वह भले ही बाहर से खुश नजर आते हैं लेकिन असल में वह अंदर से ज्यादा खुश नहीं होते हैं। अकेले रहना ज्यादा वक्त के लिए खुशी नहीं दे पाता। सिंगल रहकर आप अपनी परेशानियों को बांट नहीं पाते और चाहकर भी खुश नहीं रह पाते। ऐसी स्थिति में अकेलेपन के कारण लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं।

बीमारियां होना :अकेले रहने के कारण तनाव होने लगता है। तनाव कई बीमारियों का वजह भी बन जाता है। सिंगल होने पर नींद न आने की शिकायत आम समस्या है। जिसकी वजह से कमजोरी, थकान, पाचन की दिक्कत, सिर भारी और डार्क सर्किल जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

चिड़चिड़ापन बढ़ना : अक्सर अकेलापन लोगों को चिड़चिड़ा भी बना देता है। लंबे समय तक सिंगल रहने वाले अपने आप तक सीमित रह जाते हैं और फिर बाहर निकलने, घूमने-फिरने से कतराने लगते हैं। दूसरों के साथ रहने या वक्त बिताने की आदत कम होने लगती है। इस कारण जब उन्हें दूसरों के साथ एडजस्ट करना होता है तो मुश्किल होने लगती है।

सबसे दूरी : अगर आपको लगता है कि सिंगल लोग केयर फ्री होते हैं तो यह पूरी तरह से सच नहीं है। सिंगल लोग हर काम के लिए खुद पर निर्भर करते हैं। इसलिए वह केयर फ्री लाइफ नहीं जी पातें। इसके अलावा सिंगल लोग अपने शादीशुदा दोस्तों से दूर होने लगते हैं। वह अकेले रहना पसंद करते हैं। इसका असर यह होता है कि वह घर, परिवार और समाज से भी दूर होने लगते हैं।

बालों के झड़ने की वजह है सुबह में की गई ये गलतियां

कई बार सही खानपान और बालों की पूरी देखभाल के बावजूद बाल झड़ते हैं। ऐसे में समझ ही नहीं आता कि आखिर गलती कहां हो रही है, जो बाल इतनी ज्यादा मात्रा में झड़ रहे हैं। क्योंकि लगातार बालों के झड़ने और नए बाल समय पर ना उगने से बाल हल्के और पतले हो जाते हैं। जो दिखने में जरा भी अच्छे नही दिखते। बालों के लगातार टूटने और झडने की वजह कई बार छोटी-छोटी गलतियां होती हैं। जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। तो चलिए जानें कौन सी गलतियां बालों के झड़ने की वजह बनती हैं।

बाल धोते समय रखें ध्यान

नहाते समय जब आप बाल धोते हैं, नहाने का गलत तरीका बालों के झड़ने की वजह बन जाता है। कई बार सर्दियों में लोग गर्म पानी से नहाते और बाल धोते हैं। गर्म पानी से बाल धोने की वजह से बाल झड़ना शुरू कर देते हैं क्योंकि गर्म पानी की वजह से बालों के रोमछिद्र खुल जाते हैं और बाल कमजोर होकर गिरने लगते हैं। इसलिए कोशिश करें कि बाल धोने के लिए पानी बहुत ही मामूली सा गुनगुना हो। जिससे स्कैल्प को नुकसान ना पहुंचे।

बालों को ना छोड़े खुला

अगर आपकी आदत है दिनभर बालों को खुला छोड़ने की तो फौरन इस आदत को बदल दें। दिनभर बालों के खुले रहने से वो घिसते हैं और कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए अगर जरूरत ना हो तो बालों को बांधकर रखना चाहिए। रात को सोते समय भी बालों को खुला छोड़ने से बाल तकिया से दबकर टूटते हैं।

जरूर करें नाश्ता

अक्सर महिलाओं को देखा गया है कि वो सुबह का नाश्ता छोड़ देती हैं। जिसकी वजह से उनके साथ बालों के झडने की समस्या सबसे ज्यादा होती है। सुबह के नाश्ते को कभी भी ना छोड़े। हेल्दी खाना सुबह की भूख के लिए बेहद जरूरी है।

अच्छी नींद

इसके साथ ही अगर आप चेहरे पर ग्लो और बालों की मजबूती चाहती हैं तो रोजाना सुबह जल्दी सोकर उठने की आदत डालें। सही जीवनशैली शरीर के क्लॉक को सही वक्त पर चलाती है। जिससे बालों के झड़ने और टूटने जैसी समस्या कम हो जाती है।

परिवार की सुरक्षा के लिए अपनाएं ये तरीके, नए साल से रखें इन बातों का ध्यान

वर्ष 2022 का अंत हो रहा है। नया साल आने वाला है। नए साल को लेकर लोग काफी योजनाएं बनाकर रखते हैं। भविष्य की तैयारियां करने लगते हैं। कुछ अच्छा होने की उम्मीद में उत्साह से नए साल का स्वागत करते हैं। लेकिन आने वाला साल अगर अपने साथ उम्मीदें और आशाएं लाता है तो जिम्मेदारियां भी लेकर आता है। लोगों को अपनी जिम्मेदारियों की पहचान करके उस को पूरी इमानदारी से निभाना चाहिए, ताकि नव वर्ष भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतर सके और भविष्य बेहतर और खुशहाल बन सके। आपकी जिम्मेदारी बनती है कि अपने साथ ही खुद के परिवार, रिश्तेदार, घर के बच्चों और करीबियों की सुरक्षा पर ध्यान दें। सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा देने की इस जिम्मेदारी को निभाने की शुरुआत नए साल से करें। साल 2023 में कुछ बातों का विशेष ध्यान रखकर परिवार, बच्चों और करीबियों को किसी भी तरह के खतरे से बचा सकते हैं। अगली स्लाइड्स में जानिए किन तरीकों से नए साल में परिवार को सुरक्षा दी जा सकती हैं।

परिवार के सदस्यों की नियमित स्वास्थ्य जांच

घर के बड़े बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक परिवार के सभी सदस्यों की सुरक्षा करना चाहते हैं तो शुरुआत उनकी सेहत की सुरक्षा से करें। परिजनों की सेहत का ख्याल रखें। समय समय पर परिवार के सदस्यों खासकर परिवार के बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच कराएं, ताकि उन्हें किसी तरह की सेहत संबंधी समस्या हो तो उसका पता चल सके और समय पर इलाज मिल सके।

सेहत का रखें ध्यान

महज स्वास्थ्य जांच कराने मात्र से आप परिजनों की सुरक्षा नहीं कर सकते, बल्कि उन्हें सेहतमंद बनाने की जिम्मेदारी भी उठाएं। किसी तरह के मानसिक और शारीरिक विकार से परिजनों को बचाने के लिए नियमित योगासन का अभ्यास कराएं। बच्चों को साइकिलिंग, तैराकी या स्पोर्ट्स एक्टिविटी के लिए प्रोत्साहित करें। पौष्टिक आहार उनकी डाइट में शामिल करें। इस बात का ध्यान रखें कि परिवार में किस सदस्य को किन चीजों के सेवन से बचना है ताकि साइड इफेक्ट से बचा सकें।

भविष्य के लिए बचत

आप 20 के युवा हों या घर के मुखिया हों, ये आपकी जिम्मेदारी है कि भविष्य में परिवार को आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े। इसलिए आपकी जिम्मेदारी है कि आय से कुछ बचत भविष्य के लिए करें। किसी आपातकाल स्थिति के लिए आपके पास सेविंग होनी चाहिए। फिजूलखर्ची से बचें और परिवार के बाकी सदस्यों को भी यह सिखाएं। नौकरीपेशा हैं तो जीवन बीमा या रिटायरमेंट प्लान के जरिए भविष्य को सुरक्षित करने के लिए योजना बनाएं।

बच्चों और महिलाओं के लिए

सामाजिक सुरक्षा

परिवार के बच्चे स्कूल या कॉलेज जाते हैं, तो वह कितने सुरक्षित हैं?, उनके आसपास का माहौल कितना स्वस्थ हैं?, बच्चों को दोस्त, शिक्षक कैसे हैं? इन सब बातों का पता आपको होना चाहिए। बच्चों को सामाजिक, मानसिक तौर पर सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास करें। वहीं परिवार की महिलाएं खुद को कितना सुरक्षित मानती हैं, ये भी समझने का प्रयास करें। कहीं वह घर से बाहर निकलने से डरती तो नहीं, कहीं उन्हें कोई असहज तो महसूस नहीं कराता, इसका भी ध्यान रखें।

आत्मरक्षा के गुण सिखाएं

घर की महिलाओं और बेटियों को आत्मरक्षा के गुण जरूर सिखाएं। सेल्फ डिफेंस से जुड़ी क्लास में लड़कियों का दाखिला कराएं। इस तरह से आप महिलाओं को सुरक्षा देने के साथ ही खुद की सुरक्षा खुद करने के लिए भी तैयार कर सकते हैं, ताकि जब वह अकेली हों तो भी निडरता से समाज और बुरे लोगों का सामना कर सकें।

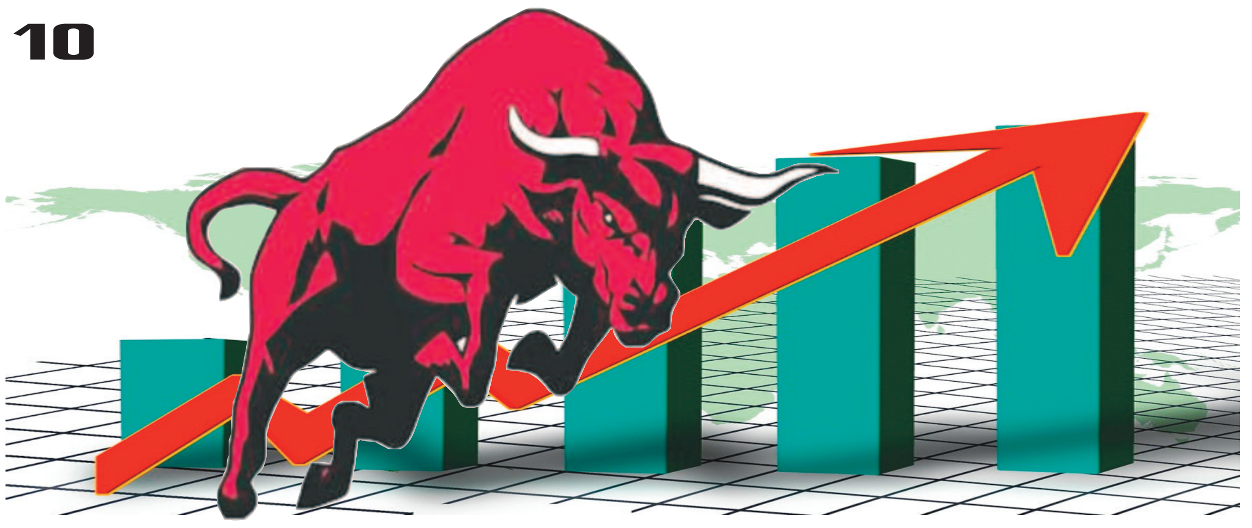

देश में घट रहे मोबाइल यूजर्स:दो महीने में 54.77 लाख लोगों ने मोबाइल से बनाई दूरी

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में मोबाइल यूजर्स की संख्या लगातार घट रही है। पिछले दो महीने में 54.77 लाख लोगों ने मोबाइल से दूरी बनाई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार अक्टूबर 2022 में देश भर में मोबाइल यूजर्स की संख्या 114.36 करोड़ हो गई हैं। जबकि अगस्त महीने में लगभग 114.91 करोड़ मोबाइल यूजर्स थे। सितंबर माह में मोबाइल यूजर्स की संख्या 36.64 लाख घटकर 114.54 करोड़ हो गई थी। वहीं अक्टूबर माह में 18.13 लाख मोबाइल यूजर्स कम हुए हैं। रिलायंस जियो टेलीकॉम सेक्टर में अपना दबदबा बनाए हुए है और अपनी नंबर वन की पोजीशन पर कायम है। अक्टूबर में जियो ने 14.14 लाख नए यूजर्स को अपने नेटवर्क से जोड़ा है। इससे जियो नेटवर्क के यूजर्स की संख्या बढ़कर 42.13 करोड़ पहुंच गई है। वहीं भारती एयरटेल से अक्टूबर में 8.5 लाख नए यूजर जुड़े हैं। इसके बाद एयरटेल के उपभोक्ताओं की संख्या 36.50 करोड़ हो गई है।वोडाफोन आइडिया के यूजर्स लगातार कम हो रहे हैं। वोडाफोन-आइडिया कंपनी के 35.09 लाख यूजर्स ने अक्टूबर में नेटवर्क को छोड़ा है। इससे कंपनी के कुल उपभोक्ताओं की संख्या 24.56 करोड़ रह गई है। वहीं बीएसएनएल के 5.92 लाख यूजर्स कम हुए हैं। इससे इसके यूजर्स की संख्या घटकर 10.86 लाख रह गई है। ट्राई के मुताबिक टेलीकॉम मार्केट में रिलायंस जियो का मार्केट शेयर 36.66% से बढ़कर 36.85% हो गया हैं, जबकि भारती एयरटेल का मार्केट शेयर 31.80% से बढ़कर 31.92% पर पहुंच गया है।

भारत में 6% बढ़ी रिटेल बिक्री

विकसित देशों में घटी:देश में खेल से जुड़े सामान की बिक्री 18%, गहनों की 10% बढ़ी

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में नवंबर का महीना खुदरा कारोबार के लिहाज से काफी अच्छा रहा। आमतौर पर त्योहारों के बाद खुदरा कारोबार में थोड़ी कमी देखने को मिलती है, लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में बीते माह खुदरा कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ भारत में खुदरा कारोबार में बीते साल की तुलना में 6% और कोविड-पूर्व यानी नवंबर 2019 की तुलना में 15% की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

बीते साल के मुकाबले 18% की ग्रोथ

भारत के रिटेल कारोबार पर नजर रखने वाली रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक बीते माह स्पोर्ट्स गुड्स की बिक्री काफी अच्छी रही। फीफा वर्ल्ड कप के अलावा क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स और स्कूल-कॉलेज स्तरीय खेल स्पर्धाओं के चलते स्पोर्ट्स गुड्स की बिक्री में बीते साल के मुकाबले 18% की ग्रोथ दिखी,

कोविड पूर्व यानी 2019 की तुलना में स्पोर्ट्स गुड्स में 24% की ग्रोथ

वहीं कोविड पूर्व यानी 2019 की तुलना में इसमें 24% की ग्रोथ रही।क्षेत्र के आधार पर देखें तो बीते माह पश्चिम भारत में रिटेल कारोबार 2021 की तुलना में 8% बढ़ा, जबकि उत्तर भारत में इसमें 4% की मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली। पूर्वी भारत में 5% और दक्षिण में 6% की ग्रोथ दर्ज की गई।

सस्ता सोना खरीदने का मौका, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में लगा सकते हैं पैसा

सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2022-23 की पांचवी सीरीज सोमवार यानी 19 दिसंबर से खुल गई है। इसमें 23 दिसंबर तक निवेश का मौका है। इस बार सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 5,409 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी, आपको 1 ग्राम सोने के लिए 5,359 रुपए देने होंगे। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क के पोल का रिजल्ट आ गया है। उन्होंने यूजर्स से पूछा था कि क्या उन्हें अपने पद पर बने रहना चाहिए या उसे छोड़ देना चाहिए? पोल में 57.5% यूजर्स ने 'हां' में और 42.5% ने 'ना' में जवाब दिया है। यानी लोगों का मानना है कि मस्क को अपना ट्विटर हेड का पद छोड़ देना चाहिए। मस्क ने अपने इस पोल के साथ ये भी लिखा था कि वह पोल रिजल्ट का पालन करेंगे। 19 दिसंबर, 2022 को भारतीय समयानुसार सुबह 4:50 बजे ये पोल पोस्ट किया गया था। इस पोल में 1.75 करोड़ यूजर्स ने वोट किया। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,590 रुपये	54,100 रुपये	73,100 रुपये
बैंगलोर	49,590 रुपये	54,100 रुपये	73,100 रुपये
केरल	49,590 रुपये	54,100 रुपये	73,100 रुपये
विशाखापत्तनम	49,590 रुपये	54,100 रुपये	73,100 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

ट्विटर पर पीएम मोदी का ब्लू टिक ग्रे हुआ

सरकारी ट्विटर अकाउंट्स को मिला ग्रे वैरिफाइड टिक; राहुल के पास अभी भी ब्लू टिक

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। ट्विटर पर नए वेरिफिकेशन सिस्टम के तहत बदलाव दिखना शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के अकाउंट्स से ब्लू टिक हट गया है। इनके हैंडल में ग्रे टिक दिखने लगा है। हालांकि, ग्रे टिक वाले नियम को अभी तक पूरी तरह से रोल आउट नहीं किया गया है। कई राजनेताओं के हैंडल में अभी भी ब्लू टिक दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी के अकाउंट पर अभी भी ब्लू टिक बना हुआ है। 13 दिसंबर को ट्विटर ने वैरिफाई की पॉलिसी चेंज कर दी है। इसे तीन कलर की कैटेगरी में बांटा गया है। कंपनियों को गोल्ड चेक, सरकार को ग्रे चेक और आम नागरिकों को ब्लू टिक मिलेगा। पीएम मोदी के साथ-साथ प्राइम मिनिस्टर ऑफिस जैसे सरकारी संस्थानों के ट्विटर हैंडल पर ग्रे टिक दिखने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक सहित कई राजनेताओं के ट्विटर प्रोफाइल पर ग्रे टिक दिख रहा है। ट्विटर ने 9 नवंबर को चेक-मार्क बैज के साथ ट्विटर ब्लू लॉन्च किया था, लेकिन फेक अकाउंट की संख्या बढ़ने के कारण 2 दिन बाद ही सर्विस को होल्ड कर दिया था। नए ब्लू साइन अप बंद कर दिए गए थे। अभी इस सर्विस को अमेरिका समेत कुछ देशों में रिलॉन्च किया गया है। इसके लिए हर महीने 8 डॉलर चुकाने होंगे। अगर इसे एपल के ऐप स्टोर पर खरीदते हैं तो यह 11 डॉलर प्रति माह पर उपलब्ध होगा। एपल स्टोर पर इसके महंगे होने का कारण एपल की ओर से लिया जाने वाला 30% टैक्स है। बीते दिनों एलन मस्क ने एपल के इस टैक्स के बारे में बताया था। भारत में जब ये सर्विस लॉन्च होगी तो इसके लिए 700 रुपए प्रति माह चुकाने पड़ सकते हैं। ट्विटर ने भारतीय माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू का एक अकाउंट सस्पेंड कर दिया है। ट्विटर हैंडल @kooeminence, जिसे यूजर्स की क्वेरी के लिए स्थापित किया गया था, 16 दिसंबर को सस्पेंड कर दिया गया। कू के को-फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव अप्रमेय राधाकृष्ण ने कहा, 'हमें पता नहीं है कि हैंडल क्यों सस्पेंड किया गया है। कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।' उन्होंने एक ट्वीट भी किया 'ट्विटर पर कू के एक हैंडल को बैन कर दिया गया है। किस लिए?! क्योंकि हम ट्विटर से कॉम्पिटिशन करते हैं? इसलिए? मास्टोडन भी आज ब्लॉक कर दिया गया।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 100 अंक टूटा, निफ्टी 18400 के नीचे

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन लाल निशान पर बंद हुए। मंगलवार को सेंसेक्स 103.90 अंकों की गिरावट के साथ 61,702.29 अंकों पर जबकि निफ्टी 35.15 अंकों की गिरावट के साथ 18,385.30 अंकों पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 हरे निशान पर बंद हुए, जबकि 19 शेयर लाल निशान पर कारोबार करते हुए बंद हुए। मंगलवार के दिन बाजार में बिकवाली दिखी। दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 700 अंकों से अधिक फिसला, लेकिन निचले स्तरों पर खरीदारी से बाजार ने फिर मजबूती हासिल करने में सफलता पाई। आखिरकार, सेंसेक्स 104 अंक फिसलकर 61702 और निफ्टी 35 अंकों की गिरावट के साथ 18385 पर बंद होने में सफल रहा। बैंक निफ्टी 43416 अंकों पर सपाट ढंग से कारोबार करता

दिखा। डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे टूटा और यह 82.75 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। टीसीएस, रिलायंस और एक्सिस बैंक के शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। एक्सिस बैंक के शेयर मंगलवार के कारोबारी सेशन के बाद ऑल टाइम हाई पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दिखी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- धनु	में	धनु---	06-23 बजे
चंद्र- वृश्चिक	में	मकर-	08-26 बजे
मंगल वृष	में	कुंभ -	10-27 बजे
बुध- धनु	में	मीन...	11-55 बजे
गुरु- मीन	में	मेष--	13-30 बजे
शुक्र- धनु	में	वृष--	15-16 बजे
शनि- मकर	में	मिथुन.	17-17 बजे
राहु- मेष	में	कर्क...	19-28 बजे
केतु- तुला	में	सिंह...	21-41 बजे
		कन्या..	22-51 बजे
		तुला	01-57 बजे
		वृश्चिक	04-08 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि**-432000**
भोग्य कलि वर्ष**-426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्**-1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर दिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी **- 22 -16** राततक उपरान्त चतुर्दशी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , बुधवार **Dec 21**
नक्षत्र -विशाखा **-08 -33** तक उपरान्त अनुराधा
योग - धृति **-21 - 25** - तक उप शूल
करण- गर **- 11 - 36 -** तक उप- वणिज
विशेष:- प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार - मास शिव रात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:14 से 13:37 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:45 - 08:06	शुभ	उत्पात	17:43 - 19:23	अशुभ
अमृत	08:06 - 09:28	शुभ	शुभ	19:23 - 21:00	शुभ
काल	09:28 - 10:51	अशुभ	अमृत	21:00 - 22:37	शुभ
शुभ	10:51 - 12:14	शुभ	चंचल	22:37 - 00:14	शुभ
रोग	12:14 - 13:37	अशुभ	रोग	00:14 - 01:52	अशुभ
उत्पात	13:37 - 14:59	अशुभ	काल	01:52 - 03:29	अशुभ
चंचल	14:59 - 16:23	शुभ	लाभ	03:29 - 05:06	शुभ
लाभ	16:23 - 17:43	शुभ	उत्पात	05:06 - 06:45	अशुभ

भारत के खली निर्यात में जबरदस्त इजाफा! अप्रैल-नवंबर के बीच निर्यात हुआ 23.92 लाख टन के पार

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में तिलहन के उत्पादन और निर्यात को लेकर बड़ी खबर है। वित्त वर्ष 2022-2023 में अप्रैल से नवंबर 2022 के बीच रैपसीड के निर्यात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखने को मिली है। भारत ने इन 6 महीनों के दौरान खली के निर्यात लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ाया है और यह बढ़कर अब 23।92 लाख टन पर पहुंच गया है। इन आंकड़ों को उद्योग निकाय समुद्र ने जारी किए हैं। वहीं पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में यह आंकड़ा केवल 15.96 लाख टन था। आपको बता दें कि तिलहन की खली का इस्तेमाल मवेशियों के चारे के लिए किया जाता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन

ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार तिलहन की खली के इस निर्यात के आंकड़े ने पिछले कई सालों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। इससे पहले वित्त वर्ष 2011-12 में इससे पहले इतनी बड़ी संख्या में भारत ने तिलहन की खली का निर्यात किया था। नवंबर के महीने की बात करें तो भारत ने करीब 4.07 लाख टन खली का निर्यात अकेले नवंबर के महीने में किया है। वहीं पिछले साल इस दौरान केवल 1।63 लाख टन खली का निर्यात किया गया था। ऐसे में पिछले साल के मुकाबले इस साल तिलहन के निर्यात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं 8 महीने की बात करें तो इस साल यह आंकड़ा 23.92 लाख टन हैं। वहीं पिछले साल इस दौरान खली का निर्यात 15.96 लाख टन था। ऐसे में खली के 8 महीने निर्यात में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आपको बता दें इस वित्त वर्ष के पहले 8 महीनों में सोयाबीन के प्राइस में पिछले साल के मुकाबले बड़ी कमी देखी गई है। पिछले साल सोयाबीन का प्राइस अप्रैल से नवंबर के महीने में 10,500 रुपये प्रति क्विंटल था जो अब घटकर 5,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

एविएशन इंडस्ट्री में लौटने लगी रौनक!

नवंबर में 1.16 करोड

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना महामारी के दौरान जिस इंडस्ट्री पर सबसे बुरा असर पड़ा था वह है एविएशन इंडस्ट्री । मगर अब देश में करोना कंट्रोल होने के बाद से एविएशन इंडस्ट्री में वापस रौनक लौट रही है। फेस्टिव सीजन और छुट्टियों के कारण लोग जमकर हवाई सफर कर रहे हैं। इससे एयरलाइंस कंपनियों को भी जमकर लाभ मिल रहा है। नवंबर के महीने में फेस्टिव सीजन के कारण भारत में लोगों ने जम कर हवाई सफर किया है। नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए के आकड़ों के मुताबिक नवंबर के महीने में देशभर में 1.16 करोड़ लोगों ने हवाई सफर किया है। ध्यान देने वाली बात ये है कि पिछले साल नवंबर के महीने से तुलना करें तो हवाई सफर करने वालों की संख्या में 11.06 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आपको बता दें कि नवंबर 2022 में पिछले साल के मुकाबले ज्यादा यात्रियों ने सफर किया है। पिछले साल इस वक्त 10।51 करोड़ लोगों ने हवाई सफर किया था। वहीं साल 2022 तक घरेलू यात्रा करने वालों की संख्या अब 11.67 करोड़ हो गई है। वहीं अक्टूबर के महीने में घरेलू हवाई यात्रा करने वालों की संख्या 11.40 करोड़ थी जो अब नवंबर में बढ़कर 11.67 करोड़ तक पहुंच गई है। आपको बता दें कि कोरोना महामारी के बाद से एविएशन इंडस्ट्री में अब रिकवरी दिख रही है। डीजीसीए के आकड़ों के मुताबिक अब हर दिन 4 लाख लोग गर हिन हवाई यात्रा कर रहे हैं। भारत में सबसे ज्यादा लोगों ने नवंबर के महीने में इंडिगो से यात्रा की है। इंडिगो से यात्रा करने वालो की संख्या 55.7 फीसदी यानी 65.01 लाख नवंबर के महीने में रही है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा। आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है। आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा। हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है ।ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी ।इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है ।अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे ।हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है।यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला ,लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा ।आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आप सावधान और व्यवस्थित है ,पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे। अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे ।एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे ।उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है। आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा। आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे। आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुशलता आपकी विशेषता है आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं ।आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें ।बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है,लेकिन बातें दिल खोलकर करें ।दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है।इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है ,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं ।सफलता अब सहजता से आएगी ,लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा ।आपको ये एहसास करने की जरूरत है।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी ।कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी ।आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे ।दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं ।दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं ।अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है ।घबराए नहीं किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

सरकार का बड़ा बयान, अपने कंपनी के हितों के खिलाफ जाकर कर्मचारी नहीं कर सकता है कोई काम

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के आईटी सेक्टर में मूनलाइटिंग के सामने आ रहे मामले के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि कोई भी कर्मचारी नौकरी करते हुए अपने एम्प्लॉयर के हितों के खिलाफ जाकर कहीं और नौकरी नहीं कर सकता है। सरकार ने संसद में कहा है कि कोई भी कर्मचारी जिस भी कंपनी भी नौकरी कर रहा है और उसके साथ कहीं किसी और भी कंपनी के लिए कार्य करता है तो उस कंपनी के हितों के खिलाफ होगा। श्रम राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने लोकसभा में लिखित में एक प्रश्न का जवाब देते हुए ये बातें कही है। सरकार से सवाल पूछा गया था कि क्या वो मूनलाइटिंग के चलते किसी कर्मचारी को नौकरी से निकाले जाने की उचित वजह मानती है? श्रम मंत्री ने कहा कि मूनलाइटिंग के चलते की जा रही छंटनी की जानकारी सरकार के पास नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि मूनलाइटिंग को लेकर सरकार ने कोई अध्ययन नहीं किया है।मूनलाइटिंग के चलते किसी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकालने सरकार के निर्देश जारी करने के सवाल पर रामेश्वर तेली ने कहा कि इसका अधिकार राज्य सरकार के पास है। औद्योगिक क्षेत्र में छंटनी से संबंधित मामले इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट 1947 के तहत लागू होते हैं। ईडी अधिनियम के मुताबिक, 100 व्यक्तियों या उससे अधिक लोगों को रोजगार देने वाले प्रतिष्ठान को छंटनी करने या फैक्टरी बंद करने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी पड़ती है। इसके अलावा कोई भी छंटनी अवैद्य माना जाता है। आईडी अधिनियम के प्रावधानों के छंटनी किए जाने पर श्रमिकों को मुआवजा देने के साथ फिर से रोजगार प्रदान करने का भी प्रावधान है। कामगारों के हितों का क्षेत्र अधिकार केंद्र और राज्य सरकारों में बंटा हुआ है। सोशल मीडिया, मल्टीनेशनल कंपनियां और भारतीय आईटी कंपनियां और एडू टेक फर्म में छंटनी से जुड़े मुद्दा राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। दरअसल हाल के दिनों में आईटी सेक्टर में मूनलाइटिंग की बात लगातार सामने आ रही है। जब कोई कर्मचारी अपनी नियमित नौकरी के अलावा कोई अन्य संस्थान के लिए काम करता है, तो उसे तकनीकी तौर पर मूनलाइटिंग कहा जाता है।

कोहरे का कहर: 5 घंटे तक लेट चल रहीं

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे को सबसे ज्यादा परेशानी सर्दियों में ट्रेन चलाने में होता है। कोहरे की वजह से ट्रेनों की औसत स्पीड काफी कम हो जाती और ज्यादातर गाड़ियां लेट चलने लगती हैं। इतना ही नहीं मरम्मत आदि कारणों की वजह से दर्जनों ट्रेनों को कैंसिल भी करना पड़ता है। आज भी रेलवे ने देशभर में करीब 291 ट्रेनों को कैंसिल किया है। कोहरे का कहर ऐसा है कि आज कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 5 घंटे तक लेट चल रही हैं। इन ट्रेनों में यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों को जाने वाले यात्री सफर कर रहे हैं। की ओर से उपलब्ध कराई सूची में ज्यादातर ट्रेनें 2 घंटे से अधिक की दूरी से चल रही हैं, जबकि कुछ ट्रेनों के लेट होने का समय 5 घंटे तक पहुंच गया है। भारतीय रेल के अनुसार, 20 दिसंबर मंगलवार को 02563 वाराणसी-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब 5 घंटे की देरी से चल रही है। इसके अलावा 12367 भागलपुर-आनंदविहार विक्रमशिला एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित समय से करीब 5 घंटे की देरी से चल रही है।

3 घंटे से ज्यादा देरी वाली ट्रेनें

रेलवे ने बताया है कि 12553 सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 3।30 घंटे देरी से चल रही है, जबकि 12309 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी ट्रेन 3 घंटे की देरी से चल रही है। 12393 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली संपर्क क्रांति ट्रेन अपने निर्धारित समय से 3 घंटे की देरी से चल रही है। 12559 वाराणसी-नई दिल्ली शिवगंगा एक्सप्रेस भी आज 4 घंटे की देरी से चल रही है।

इन ट्रेनों के यात्री भी परेशान

इसके अलावा 02569 दरभंगा-नई दिल्ली ट्रेन 2.34 घंटे की देरी से जबकि 12423 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी ट्रेन 2 घंटे की देरी से चल रही है।

12313 सियालदह-नई दिल्ली राजधानी ट्रेन 1.30 घंटे लेट चल रही है, जबकि 12581 बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट भी आज 2 घंटे देरी से चल रही है। इसके अलावा 20301 इस्लामपुर-नई दिल्ली मगध एक्सप्रेस आज 2 घंटे की देरी से चल रही है।

तवांग झड़प के बाद चीनी एयरबेस पर एक्टिविटी बढ़ी

अरुणाचल से सिर्फ 150 किमी दूर ड्रोन-फाइटर जेट्स तैनात

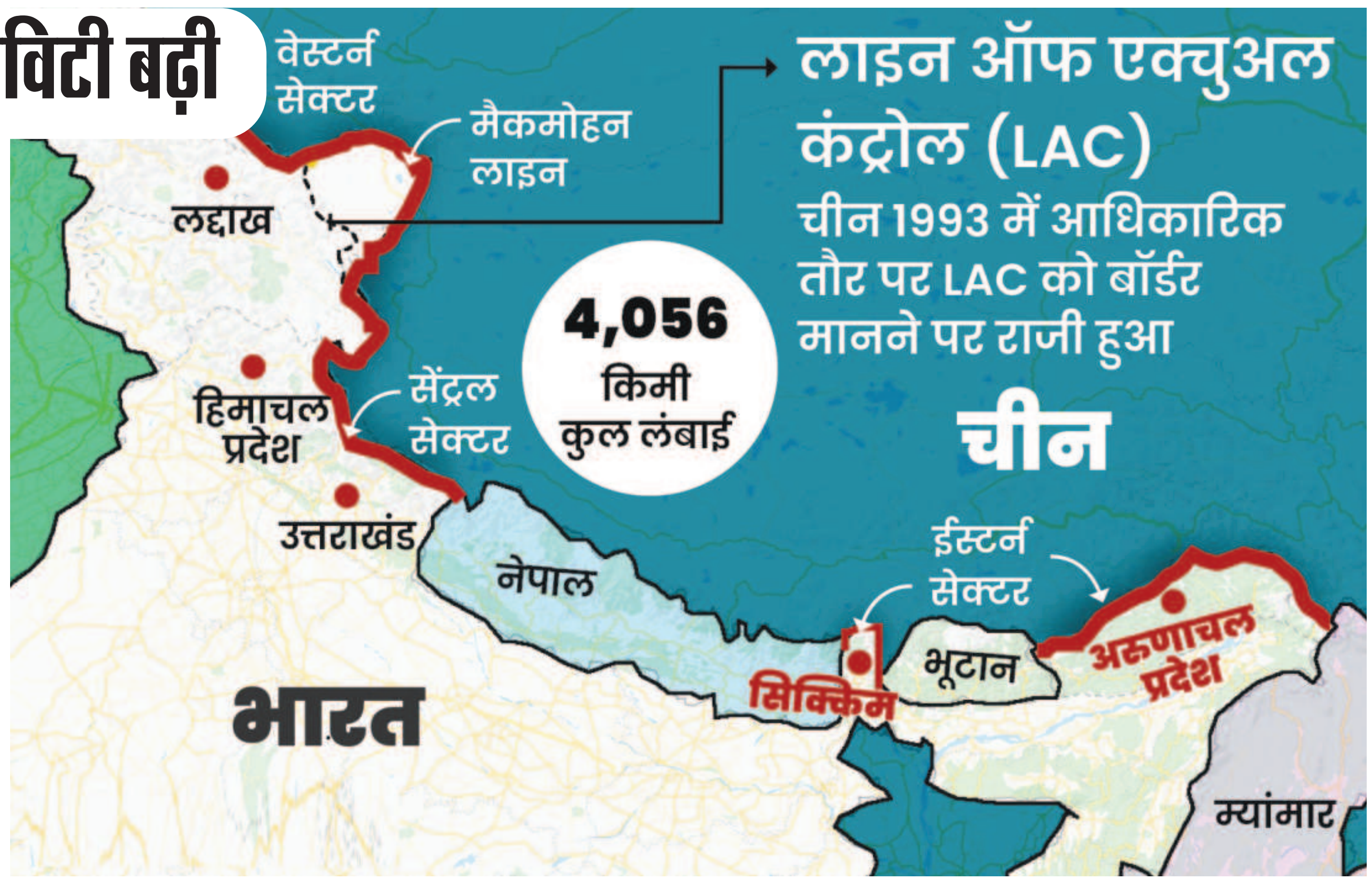

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारतीय सेना के साथ झड़प में मात खाए चीन ने नॉर्थ-ईस्ट बॉर्डर के पास अपने एयरबेस पर एक्टिविटी बढ़ा दी है। यहां फाइटर जेट्स और ड्रोन की संख्या बढ़ गई है। मैक्सार टेक्नोलॉजी की सैटेलाइट इमेज में चीन की एक्टिविटीज साफ दिखाई पड़ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने बांगदा एयरबेस पर सोरिंग ड्रैगन ड्रोन तैनात किया है। यह ड्रोन सैटेलाइट इमेज में दिखाई दे रहा है। बांगदा एयरबेस अरुणाचल सीमा से महज 150 किमी. दूर है। इसके बाद भारतीय वायुसेना ने भी पिछले गुरुवार और शुक्रवार को युद्धाभ्यास किया था। इससे पहले 11 दिसंबर को अमेरिकी रक्षा वेबसाइट वॉर जोन ने सैटेलाइट इमेज जारी किए थे, जिसमें तिब्बत के शिगात्से पीस एयरपोर्ट पर चीन के 10 एयरक्राफ्ट और 7 ड्रोन दिखे थे। तिब्बत में न्यिंगची, शीगत्से और नागरी में चीन के 5 एयरपोर्ट हैं और ये भारत-नेपाल बॉर्डर के करीब हैं। चीन ने पिछले साल ल्हासा से न्यिंगची तक बुलेट ट्रेन की शुरुआत की थी। यह अरुणाचल के पास है।

पहली चुनौती: ड्रैगन ड्रोन निगरानी और अटैक में सक्षम

इमेज में सोरिंग ड्रैगन ड्रोन के अलावा टेम्पररी एयरक्राफ्ट शेल्टर भी नजर आ रहे हैं। सोरिंग ड्रैगन ड्रोन 2021 में लाया गया था। इसका इस्तेमाल निगरानी, जासूसी और आक्रमण के लिए किया जाता है। ये करीब 10 घंटे लगातार उड़ान भर सकता है। बताया जा रहा है कि ये ड्रोन क्रूज मिसाइल अटैक के लिए डेटा भी ट्रांसफर कर सकता है ताकि वह जमीन पर टारगेट को हिट कर सके। भारत के पास अभी इस श्रेणी का कोई ड्रोन नहीं है।

दूसरी चुनौती: चीन का नेटवर्क तैयार और एक्टिव भी हुआ

पायलट समीर जोशी ने कहा कि ड्रोन की क्षमताओं को देखकर लगता है कि चीन ने नॉर्थ-ईस्ट में मैकमोहन लाइन के करीब एक नेटवर्क खड़ा कर लिया है, जो पूरी तरह एक्टिव है। ये ड्रोन चीन के इस सिस्टम का हिस्सा है, जिनमें उनकी एयरफोर्स रियल टाइम में भारत की ग्राउंड पोजिशंस को मॉनिटर कर सकती है। इन पोजिशंस को दूसरे ड्रोन और फाइटर एयरक्राफ्ट से मिसाइल के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। समीर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ मिलकर भारतीय सेनाओं के लिए नई जेनरेशन के ड्रोन बनाने पर काम कर रहे हैं।

तीसरी चुनौती: तवांग के बाद बांगदा पर दिखे थे फाइटर जेट्स

तवांग में 9 दिसंबर को झड़प के 5 दिन बाद 14 दिसंबर को बांगदा एयरबेस पर फाइटर जेट्स भी नजर आए थे। ये फ्लैंकर टाइप फाइटर जेट्स थे यानी सुखोई-30 का चीनी वर्जन। फोर्स एनालिसिस के सिम टैक का कहना है कि तिब्बत रीजन में चीन की हवाई लड़ाकू क्षमता में इजाफा भारतीय एयरफोर्स पर बड़ा असर डाल सकती है।

चीन चाहता क्या है: इंडियन एयरफोर्स की कैपेसिटी को आंकना

एक्सपर्ट के मुताबिक, बांगदा में चीन की एक्टिविटी उस वक्त बढ़ी, जब इंडियन एयरफोर्स ने अरुणाचल में बड़ी एयर एक्सरसाइज की। ये संयोग हो सकता है। यह भी हो सकता है कि चीन इंडियन एयरफोर्स के वारगेम्स, उनकी रणनीतियों को समझने, हमारे रडार और इलेक्ट्रॉनिक्स की क्षमता को आंकने के लिए ऐसा कर रहा हो। और...इसकी मदद से विवाद की स्थिति में वो जरूरी जानकारियों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ कर सके।

भारतीय वायुसेना ने भी दो दिन किया युद्धाभ्यास

भारतीय वायुसेना ने भी पिछले गुरुवार और शुक्रवार को युद्धाभ्यास किया था। इसमें अत्याधुनिक लड़ाकू जेट राफेल और सुखोई-30एमकेआई समेत वायुसेना के लगभग 40 फ्रंट लाइन लड़ाकू विमान शामिल हुए। ईस्टर्न एयर कमांड क्षेत्र में हुए अभ्यास में एडवांस वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम एयरक्राफ्ट भी शामिल हुए। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस युद्धाभ्यास को सामान्य प्रक्रिया बताया था।

भारत में तेजी से घट रहे कोरोना के नए केस!

चीन, जापान समेत दुनियाभर में कोहराम

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में नवंबर की शुरुआत से कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन भारत में इसकी संख्या में गिरावट दर्ज की जा रही है. रविवार को खत्म हुए हफ्ते में देश में सिर्फ 12 मौत दर्ज की गईं, जिनमें तीन दिनों में जीरो मौत भी शामिल है. मार्च 2020 के बाद दैनिक कोविड मौतों की संख्या सबसे कम है. भारत में बीते हफ्ते कोरोना मामलों की संख्या 1103 दर्ज की गई. देश में साल 2020 में जब पहला राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया गया था उस हफ्ते 736 नए मामलों का पता चला था, जिसके बाद के हफ्ते में यह संख्या बढ़कर 3154 हो गई. इसकी तुलना में पिछले सप्ताह (12-18 दिसंबर) में कोरोना मामलों में 19 फीसदी की गिरावट देखी गई है. पिछले हफ्ते जिन 12 मौतों की सूचना दी गई थी वे 16-22 मार्च 2020 के बाद से दर्ज की गई सबसे कम मौतें थीं.

दूसरे देशों में लगातार बढ़ रहे मामले
वहीं एशिया, यूरोप और अन्य देशों में हाल के हफ्तों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है. अनुसार, 2 नवंबर के बाद से कोरोना को लेकर वैश्विक मामलों में सात दिनों का औसत बढ़ रहा है. दुनियाभर में कोरोना के 3.3 लाख मामले दर्ज किए गए थे. 18 दिसंबर तक यह आंकड़ा 55 फीसदी बढ़कर 5.1 लाख हो गया था. हालांकि, इस अवधि के दौरान इसके ग्राफ में कुछ समय के लिए मामूली गिरावट दर्ज जरूर की गई. चीन में कथित तौर पर प्रतिबंधों में ढील के बाद वैश्विक एजेंसियों को चिंता को बढ़ा दिया है. चीन की आधिकारिक कोविड मामलों संख्या में 8 दिसंबर से गिरावट और 7 दिसंबर के बाद से कोई मौत नहीं हुई है.

किस देश में कोरोना मामलों में सबसे ज्यादा उछाल?

वर्तमान में, जापान में कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं. कोविड संख्या को ट्रैक करने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार, पिछले सात दिनों में जापान में 1 मिलियन से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए हैं. जापान में पिछले सात दिनों में कोरोना के नए मामलों में 23% की बढ़ोतरी को दर्शाता है. हफ्ते के दौरान जापान में 19% की बढ़ोतरी के साथ 1600 से ज्यादा मौतें हुई हैं. दक्षिण कोरिया ने पिछले हफ्ते 450000 से ज्यादा नए मामलों की सूचना दी, जो पिछले सात दिनों से 9 फीसदी ज्यादा है. पिछले सात दिनों में 1 लाख से ज्यादा नए संक्रमणों की सूचना देने वाले देशों में ब्राजील, जर्मनी (जिसमें अक्टूबर में भी बड़ी बढ़ोतरी देखी गई थी), हांगकांग और ताइवान के नाम शामिल हैं. वहीं, फ्रांस (3.9 लाख) और अमेरिका (2.5 लाख) में कोरोना मामलों की संख्या बड़ी बनी हुई है, हालांकि वर्तमान में वहां संक्रमण कम हो रहा है.

'मेरे बालम थानेदार' गाने पर दिल्ली के थानेदार ने लगाए ठुमके, वायरल हुआ

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस के एक इंस्पेक्टर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक इंस्पेक्टर वर्दी में मेरे बालम थानेदार गाने पर डांस करते हुए दिखाई रहा है। बताया जा रहा है कि इंस्पेक्टर श्रीनिवास नारायणा थाने का एसएचओ है।

इसके परिवार में रिंग सेरेमनी का कार्यक्रम था। उसी दौरान एसएचओ गाने पर डांस करने लगा। सूत्रों के मुताबिक एसएचओ साहब ने परिवारिक कार्यक्रम होने की वजह से छुट्टी ले रखी थी। जिसके बाद भी गाने पर डांस करने के लिए वर्दी पहनकर कार्यक्रम में पहुंचा और मेरे बालम थानेदार गाने पर डांस करने लगा। गाने पर डांस के दौरान उनके साथ थाने का स्टाफ भी नजर आया।

परिचित ही दे रहे हैं दुष्कर्म की सबसे ज्यादा वारदातों को अंजाम, तीन साल में आए 1,123 मामले

शिमला, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में परिचितों ने सबसे ज्यादा दुष्कर्म की वारदातों की अंजाम दिया है। प्रदेश में जहां तीन साल में 1,123 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 545 परिचितों ने ही पीड़ितों के साथ दुष्कर्म किया। शादी का झांसा देकर हुए दुष्कर्म के मामले दूसरे नंबर पर हैं। इनकी संख्या 305 है। हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में दुष्कर्म के 1,123 मामले दर्ज किए गए हैं। वर्ष 2020, 2021 और 31 अक्तूबर 2022 तक ये मामले दर्ज किए गए हैं। अपराध में शामिल ज्यादातर पीड़ितों के परिचित थे। पुलिस मुख्यालय की ओर से यह आंकड़े जारी किए गए हैं। पुलिस ने ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पंचायती राज संस्थाओं का सहयोग मांगा है। ऐसे अपराध को कम करने के लिए शिक्षण संस्थानों को संवेदनशील बनाने की भी आवश्यकता जताई है। महिलाओं की शिकायतों के निवारण के लिए पुलिस विभाग ने महिला हेल्प डेस्क संख्या 1091 स्थापित की है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में महिला पुलिस थानों को भी सतर्क किया गया है। यौन उत्पीड़न, उत्पीड़न की आशंका पर पीड़िता ऐसे अपराध को रोकने के लिए नजदीकी महिला पुलिस थानों और महिला हेल्प डेस्क नंबर पर रिपोर्ट कर सकती है। पुलिस विभाग ने महिलाओं के खिलाफ अपराध का मुकाबला करने के लिए पूरे राज्य में (वीरांगन ऑन व्हील्स) योजना भी शुरू की है। समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए नागरिक समूहों और गैर सरकारी संगठनों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

समुद्री मछली के आकार में बसेगा शहर, रहेंगे 7000 लोग

पेरिस, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। फ्रांस में एक आर्केटेक्चर ने समुद्री मछली मंता रे के आकार के एक शहर का नक्शा तैयार किया है। इसमें 7000 लोगों के रहने के लिए हाई क्लास सुविधा भी होगी। यहां रहने वाले विज्ञान पर शोध भी कर सकेंगे। फ्रांसीसी आर्किटेक्ट जैक्स रौगेरी ने कहा, मैंने सिटी ऑफ मरीन्स को आम लोगों से

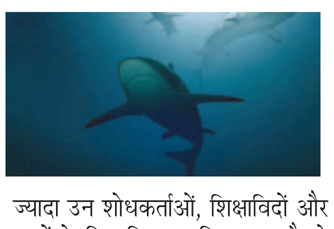

ज्यादा उन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों के लिए डिजाइन किया गया है जो समुद्री जीवन का पता लगाना चाहते हैं। रौगेरी ने कहा, यहां की कानून व्यवस्था यूएन मानकों के आधार पर होगी।

उत्तराखंड: हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

हल्द्वानी में रेलवे की भूमि पर हुए अतिक्रमण को ध्वस्त करने के दिए आदेश

नैनीताल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के वनभुलपुरा में रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर हुए अतिक्रमण को एक हफ्ते का नोटिस देकर ध्वस्त करने के आदेश दिए है। मंगलवार को न्यायमूर्ति शरद शर्मा व न्यायमूर्ति आर सी खुल्बे की खंडपीठ में अतिक्रमण के मामले को लेकर सुनवाई हुई। खण्डपीठ ने इस मामले में एक नवंबर को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। जिसे आज सुनाया गया। हाईकोर्ट के फैसले के बाद करीब 4300 परिवार प्रभावित होंगे।

ये था पूरा मामला

बता दें कि 9 नवंबर 2016 को हाईकोर्ट ने रविशंकर जोशी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए 10 सप्ताह के भीतर रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जितने भी अतिक्रमणकारी हैं, उनको रेलवे पीपीएक्ट के तहत नोटिस देकर जनसुवाई करें। रेलवे की तरफ से कहा गया कि हल्द्वानी में रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण किया गया है जिनमें करीब 4365 अतिक्रमणकारी मौजूद हैं। किसी भी व्यक्ति के पास जमीन के वैध कागजात नहीं पाए गए। इस मामले में सुनवाई के दौरान पूर्व में अतिक्रमणकारियों की तरफ से कहा गया था कि उनका पक्ष रेलवे ने नहीं सुना था, इसलिए उनको भी सुनवाई का मौका दिया जाए। रेलवे की तरफ से कहा गया था कि रेलवे ने सभी अतिक्रमणकारियों को पीपी एक्ट के तहत नोटिस जारी किया हुआ है। वहीं, राज्य सरकार का कहन था कि यह राज्य सरकार की भूमि नहीं है यह रेलवे की भूमि है। याचिकाकर्ता का कहना था कि कोर्ट के बार-बार आदेश होने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसलिए कोर्ट ने सभी अतिक्रमणकारियों से अपनी-अपनी आपत्ति पेश करने को कहा था। जिसके बाद कोर्ट ने सभी आपत्तियों व पक्षकारों को सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

कोटद्वार रेंज में चारापत्ती लेने गई महिलाओं को हाथी ने दौड़ाया, एक की मौत, तीन घायल

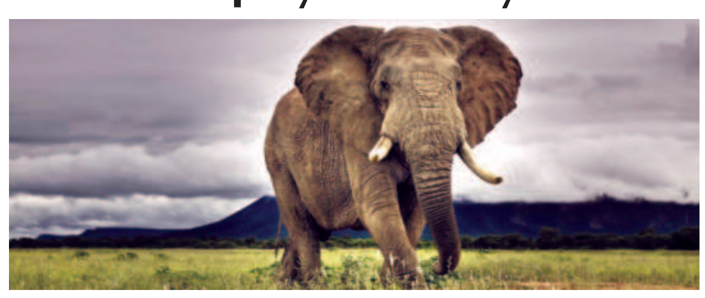

कोटद्वार, 20 दिसंबर (एजेंसियां)।उत्तराखंड के कोटद्वार रेंज में आज लालपुर क्षेत्र के जंगल में चारापत्ती लेने गई महिलाओं पर अचानक हाथी ने हमला कर दिया। इस दौरान एक महिला की मौत हो गई। वहीं, तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हुई हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएफओ दिनकर तिवारी ने बताया कि घटना सुबह करीब 11 बजे की है। गांव से लालपुर क्षेत्र से चार महिलाएं मवेशियों के लिए चारापत्ती लेने जंगल जा रही थीं, इस दौरान आबादी से करीब एक किलोमीटर दूरी पर ही हाथी ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान लक्ष्मी चौधरी(48) पत्नी सुनील चौधरी की जान चली गई। वहीं, सुनीता जखवाल(40) पत्नी सुनील जखवाल, सुमन(37) पत्नी अजय कुमार और अनिता देवी(42) पत्नी मुकेश घायल हो गईं। घायलों का इलाज चल रहा है।

पटियाला में मजदूर की हत्या, बठिंडा में युवती लापता

पटियाला, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पटियाला के थाना बख्शीवाला के गांव ददहेड़ा में खेत मजदूर का बेरहमी से कत्ल करने का मामला सामने आया है। मजदूर की लाश खेतों में बनी मोटर पर मिली है। मृतक की पहचान अरुण कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। डीएसपी जसविंदर सिंह टिवाणा के मुताबिक मजदूर अरुण कुमार के सिर और मुंह पर तेजधार हथियार से हमला किया गया है। फिलहाल मामले में जांच जारी है। हत्या के कारणों व आरोपियों के बारे में जल्द पता लगाकर खुलासा किया जाएगा।

श्रीलंका-पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश की इकोनॉमी खस्ता हुई?

ढाका, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशी सरकार के विरोध में और प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे को लेकर हजारों लोग राजधानी ढाका में सड़कों पर उतर आए हैं. देश में बढ़ते राजनीतिक तनाव, जीवन जीने की बढ़ती लागत और नाजुक अर्थव्यवस्था के बीच प्रदर्शनकारियों ने चुनाव कराने की मांग की है. कोरोना काल में भी मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में उभरी बांग्लादेश की आर्थिक हालात अब कंगाली के मुहाने पर पहुंच चुकी है. अचानक ऐसा क्या हुआ कि बांग्लादेश को अपनी हिचकोले खाती अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए बीते महीने नवंबर में अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (आईएमएफ) से मदद की गुहार लगानी पड़ी है.

आईएमएफ ने इस देश की मदद के लिए हामी भर दी है और वो इस देश को 4.5 बिलियन डॉलर (लगभग 37,000 करोड़ रुपये) की आर्थिक मदद मुहैया कराने जा रहा है. गौर करने वाली बात ये है कि यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उलटफेर है जो पिछले दो दशकों में अर्थव्यवस्था का बेहतर दौर देख चुका है. खास तौर से 2017 के बाद से मजबूत आर्थिक विकास के दम पर बांग्लादेश 2020 में प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत को भी पछाड़ चुका है. अब यहां आलम यह है कि बढ़ते आर्थिक संकट को भुनाने के लिए इस देश का प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अवामी लीग सरकार और उसके नेता प्रधानमंत्री शेख हसीना को घेर रहा है.

वो देश भर में कई विरोध रैलियों को अंजाम दे रहा. बीएनपी इसे एक दशक से अधिक वक्त से बांग्लादेशी राजनीति पर हावी शेख हसीना को उखाड़ फेंकने के मौके की तरह देख रहा है. बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के साथ ऐसा क्या गलत हुआ कि ये पाकिस्तान और श्रीलंका की तरह आर्थिक दिवालियेपन की कगार पर पहुंच गया है?

कम निर्यात ने डाला विदेशी मुद्रा भंडार पर असर

दरअसल सही राह चल रही बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने में रूस-यूक्रेन युद्ध ने अहम भूमिका निभाई है. इस देश से होने वाला निर्यात इस जंग की भेंट चढ़ चुका है. पश्चिमी देशों की मांग में गिरावट आने से देश का निर्यात सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित है. इससे सीधे तौर बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ा है. देश का विदेशी मुद्रा भंडार गारमेंट निर्यात में गिरावट और प्रेषण प्रवाह यानी भेजे जाने वाली रकम की वजह से तेजी से घट रहा है. 2011 से 2021 तक बांग्लादेश का कुल विदेशी ऋण 238 फीसदी से बढ़कर 91.43 बिलियन डॉलर हो गया. गौरतलब है कि इस अवधि के दौरान श्रीलंका के ऋण में 119 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई और ये अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ. बांग्लादेश में नवंबर में मुद्रास्फीति (महंगाई) की दर लगभग 9 फीसदी पर पहुंच गई, जिससे हजारों बेरोजगार गारमेंट वर्कर्स अब भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं. 2022 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद मांगने वाला श्रीलंका और पाकिस्तान के बाद हाल ही में बांग्लादेश तीसरा दक्षिण एशियाई देश बन गया है.

बिजली कटौती और ईंधन की कीमतों ने बिगाड़ा गणित

जब कोविड-19 महामारी की मार पड़ी तब अपनी बड़ी युवा आबादी के साथ बांग्लादेश दक्षिण एशिया में आर्थिक विकास में सबसे आगे था. अब देश की गरीब से अमीर बनने की कहानी को इसकी राजनीतिक और आर्थिक अराजकता कमजोर कर रही है. हाल ही में बिजली कटौती और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से वहां सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का जोर है. ये बांग्लादेश के गहरे आर्थिक संकट में फंसने का सीधा संकेत है. यहां पर बांग्लादेश, ब्रिटेन की तरह यह दावा कर सकता है कि उसका मौजूदा आर्थिक संकट बाहरी कारकों की वजह से उपजा है. लेकिन जब वैश्विक मांग में गिरावट और कोविड-19 महामारी की वजह से डिमांड-सप्लाई चेन में रुकावट आई और अब यूक्रेन में रूस के युद्ध ने बांग्लादेश की उन परेशानियों को बढ़ा दिया जो 2020 से बहुत पहले से मौजूद थीं.

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ बांग्लादेश स्टडीज के अध्यक्ष अली रियाज के मुताबिक, यह एक संकट की स्थिति है जो सरकार के कुप्रबंधन से उभरी है.भले ही कोविड संकट नहीं था, भले ही यूक्रेन संकट नहीं था, बांग्लादेश अभी भी इस संकट में नींद में चल रहा था. ये जगजाहिर है कि रूस-यूक्रेन जंग ने दुनिया भर में ऊर्जा की लागत को बढ़ा दिया है, लेकिन यह बांग्लादेश ऊपर खास तौर पर बहुत भारी पड़ा है.

दरअसल ये देश अपने कुल तेल और परिष्कृत ईंधन का लगभग 77 फीसदी हिस्सा आयात करता है. देश का भारी ईंधन संकट बिजली को चालू रखने की क्षमता पर गहरा असर डाल रहा है. यहां पूरे देश में 10 -10 घंटे की बिजली कटौती की जा रही है जो यहां के लोगों को अंधेरे में धकेल रही है. बाकी आग में घी डालने का काम सरकार ने कर डाला है. पावर ग्रिड को चालू रखने के लिए बांग्लादेशी सरकार ने कई प्राइवेट बिजली देने वालों से कॉन्ट्रैक्ट किया. मांग के मुताबिक बिजली न देने पर भी सरकार इन लोगों को सब्सिडी देती है और भुगतान करती है. दरअसल इस साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश की जारी की गई एक रिपोर्ट में तीनों बिजली संयंत्र परियोजनाओं की जांच में भ्रष्टाचार के सबूत मिले हैं.

आईएमएफ की मदद कैसे आएगी काम?

आईएमएफ के मुताबिक, बांग्लादेश की मदद की मांग यूक्रेन में चल रहे युद्ध की वजह से आने वाली आर्थिक बाधाओं से अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने और जलवायु परिवर्तन से पैदा हुए व्यापक आर्थिक जोखिमों का प्रबंधन करने के कामों को सहारा देने का हिस्सा है. लेकिन बांग्लादेश के मदद मांगने का केवल ये एक ही मकसद नहीं है. दरअसल भले ही बांग्लादेश इन तात्कालिक चुनौतियों से निपटता है, लंबे समय से चले आ रहे जलवायु परिवर्तन, निजी निवेश जैसे मुद्दों को हल करना भी उसके लिए अहम है. इसमें जलवायु परिवर्तन से पैदा होने जा रही आर्थिक अस्थिरता का खतरा भी शामिल है. बांग्लादेश के लिए साल 2031 तक सबसे कम विकसित देश और मध्य-आय का दर्जा हासिल करने के लक्ष्य तक सफलतापूर्वक पहुंचने के लिए कुछ बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है. इनमें अपनी बीती कामयाबियों को आधार बनाकर विकास की रफ्तार बढ़ाने, निजी निवेश को आकर्षित करने, उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने जैसे मुद्दे अहम हैं.

आंखों की रोशनी छीन सकता है रूम हीटर

टेम्प्रेचर ज्यादा हुआ तो लग सकती है आग, अलर्ट नहीं हुए तो थम जाएंगी सांसें

एक्सक्लूसिव डेस्क, 20 दिसंबर। देशभर में सर्दियों का मौसम आ चुका है। दिल्ली में पिछले 2 दिन कोहरा छाया रहा, उत्तरप्रदेश और बिहार का भी यही हाल है। पहाड़ों पर बर्फबारी भी हो रही है। लोग ठंड से बचने के लिए ऊनी कपड़े और जैकेट अलावा रूम हीटर का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। गांवों में लोग अंगीठी या सिगड़ी जलाकर घर को गर्म रख रहे हैं। जिससे ठंड में राहत मिल सके।

एक्सपर्ट्स की माने, तो अंगीठी, रूम हीटर या सिगड़ी जलाने से आपको ठंड में भले ही राहत मिल जाए, लेकिन आपके लिए यह खतरनाक भी हो सकता है।

स्टोरी के एक्सपर्ट हैं- दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल के असिस्टेंट डॉक्टर, डॉ.कुमार राहुल, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी यानी केजीएमयू की पीडियाट्रिशियन डॉ. सारिका गुप्ता, केजीएमयू के डॉ. हिमांशु और नई दिल्ली के मणिपाल हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट डॉ पुनीत खन्ना।

मार्केट में कई तरह के हीटर अवेलेबल हैं।

अंगीठी- यह एक ट्रैडीशनल हीटर है, जिसे मिट्टी में लोहे की रॉड लगाकर बनाया जाता है। आजकल मिट्टी की जगह लोहे की अंगीठी भी लोग घरों में इस्तेमाल करते हैं। इसमें कोयला या लकड़ी जलाकर घर को गर्म रखा जाता है।

फैन हीटर- इसमें हीटिंग के कन्वेक्शन मोड का इस्तेमाल किया जाता है। फैन हीटर की मदद से काफी तेजी से कमरे को गर्म किया जा सकता है। इसमें हीटर गर्म हवा फेंकता है।

क्वाट्र्ज हीटर- ये हीटर रेडिएशन टेक्नोलॉजी से कमरे को गर्म करता है। छोटे कमरों को गर्म रखने के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन है।

ऑयल फिल्ड रूम हीटर- इस हीटर में ऑयल भरा होता है। इस ऑयल के गर्म होने के बाद यह फ्लो करता है और रूम को गर्म रखता है। यह हीटर धीरे-धीरे कमरे को गर्म करता है। इससे कमरा लंबे समय तक गर्म रहता है।

रेडिएंट हीटर- इस हीटर से निकलने वाली रेज की मदद से कमरे में मौजूद चीजें गर्म होती हैं। इसके करीब बैठने वाले लोगों को यह सबसे पहले गर्म करता है।

इलैक्ट्रिक हॉट जेल बैग- कई लोग सर्दियों में गर्माहट के लिए इलेक्ट्रिक हॉट जेल बैग का इस्तेमाल करते हैं। यह एक स्क्वायर शेप का बैग होता है, जिसमें लिक्विड भरा होता है। इसके प्लग को बिजली से कनेक्ट करने के बाद यह लिक्विड गर्म हो जाता है।

हीटर या अंगीठी जैसी चीजों का इस्तेमाल करने से क्या नुकसान हो सकते हैं?

पीडियाट्रिशियन डॉ. सारिका गुप्ता के अनुसार, बच्चों को है ज्यादा खतरा

घर के बड़े लोगों को तो हीटर से स्किन प्रॉब्लम हो ही सकती है, लेकिन बच्चों को इसका खतरा ज्यादा होता है। इसके अलावा बच्चों को नाक से खून आने की समस्या भी हो सकती है।

ऑक्सीजन की कमी- बंद कमरे में अंगीठी या हीटर जलाने से ऑक्सीजन की कमी होती है, कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। इससे लोग बेहोश हो सकते हैं या एक्सट्रीम केसेज में मौत भी हो सकती है।

सांस की बीमारी- ऑक्सीजन की कमी से अस्थमा या एलर्जी की प्रॉब्लम हो सकती है।

स्किन प्रॉब्लम- हीटर से निकलने वाली गर्म हवा से स्किन ड्राई हो जाती है। खुजली और रैशेज जैसी समस्या हो सकती हैं।

सिर दर्द- लोगों को सिर दर्द और नींद न आने की दिक्कतें भी हो जाती हैं।

आंखों को नुकसान- आंखों के स्वस्थ रहने के लिए उनका गीला रहना बहुत जरूरी होता है, लेकिन हीटर की वजह से हवा में मौजूद नमी सूख जाती है, जिसकी वजह से आंखें भी सूखने लगती हैं। ऐसे में आंखों में संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा कॉन्टैक्ट लेंस या चश्मा पहनने वाले लोगों की आंखों को भी हीटर से नुकसान हो सकता है।

जलने का डर- हीटर का टेम्प्रेचर अगर ज्यादा रखते हैं तो उसके करीब आने पर बच्चे और पेट्स जल सकते हैं।

आपने ऊपर बताया कि हीटर की वजह से सांस की परेशानी हो सकती है, तो अस्थमा के मरीज इसके लिए क्या करें?

अस्थमा के मरीज नुकसान से बचने के लिए गैस हीटर की जगह ऑयल हीटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि गैस हीटर की वजह से घरघराहट और सांस लेने में तकलीफ होती है। इनसे निकलने वाली CO2 छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरनाक होती है।

ऑयल हीटर में तेल से भरी पाइप होती है, जिससे उस कमरे की हवा शुष्क नहीं होती है, जिसमें हीटर लगा हुआ है।

हीटर से होने वाले नुकसान से बचने के लिए इन बातों का ख्याल रखें-

हीटर का इस्तेमाल करते वक्त कमरे के अंदर एक बर्तन में पानी भरकर रख दें।

हीटर का टेम्प्रेचर ज्यादा न रखें और कुछ समय बाद बंद कर दें।

ध्यान रखें कि कमरे में वेंटीलेशन की सही व्यवस्था है या नहीं।

बच्चों और बुजुर्गों के कमरे में हीटर का इस्तेमाल करने से बचें।

हीटर के सामने कागज, लकड़ी या ऐसा कोई भी चीज न रखें, जो आसानी से आग पकड़ ले।

हीटर को दरवाजे के पास या रास्ते में न रखें।

हीटर चलाकर सोने की गलती न करें।

हीटर वाले कमरे से तुरंत बाहर ठंड में न निकले।

6 तरीके के लोगों को हीटर से कुछ दूरी पर ही बैठना चाहिए-

अस्थमा के पेशेंट्स

ब्रोंकाइटिस के पेशेंट्स

बुजुर्ग व्यक्ति

साइनस के पेशेंट्स

स्किन एलर्जी वाले लोग

छोटे बच्चे

जरूरी नहीं कि घर को गर्म रखने के लिए हीटर का ही इस्तेमाल किया जाए। कई नेचुरल ट्रिक्स अपनाकर भी आप घर को गर्म रख सकते हैं। हीटर में हीटिंग एलिमेंट्स जितने ज्यादा होंगे, उतना ही जल्दी कमरा गर्म हो जाएगा।

एक अच्छे हीटर को काम करने के लिए ज्यादा वॉट की जरूरत होती है। इसलिए ऐसी कंपनियों के झांसें में न फंसे जो कम वॉट वाले प्रोडक्ट्स का दावा करती हैं।

ऐसा रूम हीटर न खरीदें, जिसमें हीट सेटिंग के लिए एक या दो ही ऑप्शन्स हों। ज्यादा हीट सेटिंग वाला हीटर खरीदें।

मार्केट में आजकल ऐसे कई हीटर हैं, जो सेट किए हुए टेम्प्रेचर तक हीट करने के बाद खुद बंद हो जाते हैं। इससे न सिर्फ बिजली की बचत होगी बल्कि हीटर से रिलेटेड कई परेशानियों से भी बचाव होगा।

अगर रेडिएंट हीटर खरीद रहे हैं, तो उसकी चमक को ध्यान में रखें। कई लोगों को ज्यादा रोशनी से परेशानी हो सकती है।

एक ऐसा हीटर खरीदें जिसे आसानी से इधर-उधर ले जाया जा सके। अगर घर में बच्चे और पालतू जानवर हैं, तो सेफ्टी ग्रिल लगा हुआ हीटर ही लें।

डॉ. हिमांशु और डॉ. पुनीत खन्ना- ऑयल फिल्ड रूम हीटर सबसे बेहतर ऑप्शन हो सकता है। इस हीटर में तेल से भरी पाइप की मदद से कमरे को गर्म किया जाता है।

यह कमरे की नमी को नही सोखता, जिससे सांस से रिलेटेड समस्याएं नहीं होती हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और साइनस के मरीज भी इस हीटर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अंगीठी में लकड़ी या कोयला जलाने से कॉर्बन मोनोऑक्साइड के साथ कई नुकसानदायक गैस निकलती हैं।

यह हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। हम यह बात ऊपर भी कह चुके हैं और दोबारा याद दिलाने के लिए कह रहे हैं कि इससे बचने के लिए, जहां अंगीठी जला रहे हैं, वहां वेंटीलेशन की सही व्यवस्था होनी चाहिए। घर की खिड़कियां और दरवाजे खोल दें। बंद कमरे में अंगीठी जलाकर बिल्कुल न सोएं और उससे एक उचित दूरी बनाएं रखें। अंगीठी के पास प्लास्टिक, कागज जैसी कोई भी ऐसी चीज न रखें, जिसमें आसानी से आग लग सकती है।

सर्दियों में खान-पान की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें यूज करके शरीर को गर्म रखा जा सकता है। जैसे-

शहद- इसमें ढेरों न्यूट्रिएंट्स और नेचुरल शुगर होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं। शहद खाने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। सर्दियों में होने वाली बीमारियां दूर रहती हैं।

घी- घी में मौजूद जरूरी फैटी एसिड्स शरीर को गर्म रखते हैं और सर्दी से बचाव करते हैं।

गुड़- गुड़ में ढेर सारी कैलोरीज होती हैं, जो शरीर को गर्म रखने में मदद करती हैं।

दालचीनी- दालचीनी हमारे मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। इससे शरीर में हीट पैदा होती है। दालचीनी का पानी खांसी में भी फायदेमंद है।

केसर- एक कप दूध में 4-5 केसर के धागे उबालकर पीने से सर्दी की परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

सरसों और तिल का तेल- सरसों और तिल का तेल शरीर को गर्म रखने में मदद करता है।

अदरक- अदरक न सिर्फ चाय का स्वाद बढ़ाता है बल्कि हमारे डाइजेस्टिव सिस्टम को भी दुरूस्त रखने का काम करता है। इससे हमारा शरीर सर्दियों में होने वाली कई बीमारियों से बचा रहता है।

ज्यादा देर रूम हीटर चलाने से घुट सकता है दम

ज्यादा देर हीटर चलाने से दम घुट सकता है। दरअसल, हीटर या अंगीठी चलाने से ऑक्सीजन कम हो जाती है। इसके साथ ही कॉर्बन मोनोऑक्साइड और कई दूसरी जानलेवा गैस भी बनती है। अगर बंद कमरे में हीटर या अंगीठी जलाई जाए, तो दम घुटने से मौत भी हो सकता है।

रातभर हीटर चला रहे हैं, तो जान लीजिए-

रातभर हीटर चलाने से आपकी जान जा सकती है। दिल के मरीज और स्मोकिंग करने वाले लोग, जिनके फेफड़े कमजोर होते हैं, उनके लिए यह एक बड़ा खतरा हो सकता है।

आपने ऊपर जितने भी तरीके के हीटर बताएं हैं, उनमें ऐसी कौन सी तकनीक का इस्तेमाल होता है, जिसकी वजह हमारा घर या ऑफिस का कमरा गर्म रहता है?

ज्यादातर हीटर तीन तरह की तकनीक पर काम करते हैं-

कनवेक्शन हीटिंग- इसमें काइल या पैनल को गर्म किया जाता है। एक ब्लोअर या फैन को काइल की तरफ लगाते हैं। यहां से गर्म हवा पूरे कमरे को गर्म करती है।

कंडक्शन हीटिंग- इसमें बिजली की मदद से मेटालिक काइल को गर्म किया जाता है। इससे काइल ग्लो करती है। पहले आस-पास का एरिया गर्म होता है। फिर धीरे-धीरे पूरा कमरा गर्म हो जाता है।

रेडिएंट हीटिंग- कुछ हीटर इंफ्रारेड रेडिएशन के जरिए कमरे को गर्म करते हैं। ये रेंज कमरे की चीजों पर पड़ती हैं और उन्हें गर्म करती हैं।

'हरियाणा के मंत्री के राक्षस' पर बघेल का पलटवार

मुख्यमंत्री बोले-मैंने बजरंगियों के त्याग पर सवाल उठाया उसका जवाब तो दिया नहीं, बस सर्टिफिकेट बांट दिया

रायपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मंत्री अनिल विज के राक्षस' वाले बयान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तंज भरी प्रतिक्रिया आई है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने अपने बयान में जो सवाल उठाया था उसका सवाल तो उन्होंने दिया नहीं। अब सर्टिफिकेट बांट दिया। इनके पास सर्टिफिकेट की फैक्ट्री है जो ये लोग बांटते रहते हैं। भाजपा के खिलाफ बोलो तो धर्मद्रोही, केंद्र सरकार के खिलाफ बोलो तो देशद्रोही और इनके खिलाफ बोलो तो राक्षस?

बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भेंट-मुलाकात के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री रायपुर पुलिस लाइन हेलीपैड पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। अनिल विज के बयान से जुडे सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, केसरिया, भगवा अथवा गेरुआ रंग त्याग का प्रतीक है। कोई संन्यासी, ऋषि-मुनी जब सब त्याग देता है और पूरा जीवन समाज के लिए समर्पित कर देता है तो वह भगवा, केसरिया या गेरुआ रंग धारण करता है। मैंने पूछा था कि ये जो बजरंगी हैं उन्होंने कौन सा त्याग किया है जो भगवा धारण किये हुए हैं। उसका जवाब तो दिया नहीं। अब सर्टिफिकेट बांट दिया। इनकी तो आदत है। भाजपा के खिलाफ बोलो तो धर्म विरोधी हो जाओ, केंद्र सरकार के खिलाफ बोलो तो देशद्रोही हो जाओ। इनके खिलाफ बोलो तो राक्षस। सर्टिफिकेट की फैक्ट्री है इनके पास जो बांटते रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कपड़े तो कोई भी पहनता है। आप काला पहनकर आये हैं तो इसका मतलब थोड़े है कि आप मेरा विरोध करने आए हैं। यह रंग है, लोग हर रंग के कपड़े रोज बदलते हैं। पहनने में और धारण करने में यानी अंगिकार करने में अंतर है। अब अगर आपने भगवा रंग धारण किया है तो बताएं कि क्या त्याग किया। यही तो मैं पूछ रहा हूं कि बजरंग दल वालों ने त्याग क्या किया है। भगवा त्याग का प्रतीक है। भारतीय परंपरा त्याग को सर्वोच्च स्थान देती है। इसलिए हमारे तिरंगे में इसको सबसे ऊपर स्थान दिया गया है। जिसने देश और समाज के लिए सर्वोच्च त्याग किया है उसका सबसे अधिक सम्मान होता है। अब ये बताएं कि क्या त्याग किया है।

यहां से शुरू हुआ है यह विवाद

फिल्म पठान के एक गीत में भगवा रंग के कपड़ों से छिड़े विवाद पर शनिवार को मीडिया ने सवाल पूछा था। जवाब में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भगवा रंग जो है वह यज्ञ की अग्नि की ज्वाला का रंग है। वह पवित्र है। वह त्याग और बलिदान का रंग है। विश्व हिंदू परिषद-विहिप और बजरंग दल वाले जो भगवा पहनकर घूम रहे हैं उन्होंने कौन सा त्याग किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, रंग किसी का होता है क्या। ये लोग केवल इसके नाम पर समाज में वैमनस्य फैला रहे हैं।' सोमवार को हरियाणा के मंत्री अनिल विज का एक बयान आया। उन्होंने कहा, हिंदुस्तान की सनातन संस्कृति का अध्ययन करें तो हर युग में देवता भी रहे हैं और राक्षस भी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री आज के राक्षस प्रवृत्ति के महानुभाव हैं। कांग्रेस ने इसे छत्तीसगढियों का अपमान बताया है।

केंद्र सरकार पर सेना को कमजोर करने का आरोप

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर केंद्र सरकार और भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा, मुख्य बात यह है कि देश की सीमा की सुरक्षा होनी चाहिए। हमारी सेना दुनिया की गिनी-चुनी सेनाओं में से एक है। पूरे भारतीयों को उनपर गर्व है। लेकिन जिस प्रकार से भाजपा की केंद्र सरकार सीमा को लेकर मौन साधे बैठी है। संसद चल रहा है उसमें चर्चा करने से भाग रही है।

विपक्ष जब मांग कर रहा है तो सरकार भाग क्यों रही है, चर्चा करना चाहिए। संसद किस लिए है, चर्चा करने के लिए ही ना। सेना की क्षमता पर किसको शंका है भाई? सेना को कमजोर करने के लिए ही ये अग्निवीर ले आए। चार साल में प्रशिक्षण करेंगे कि सीमा पर तैनात होंगे। वह 17 साल में भर्ती होगा और 21 साल में रिटायर हो जाएगा। शादी के कार्ड में छपेगा रिटायर्ड अग्निवीर। सेना को कमजोर करने का काम तो भाजपा की केंद्र सरकार कर रही है।

आरक्षण विधेयकों पर राज्यपाल से अब भी उम्मीद

राज्यपाल अनुसूईया उइके के राष्ट्रपति और केंद्रीय गृह मंत्री आदि से मुलाकात के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यपाल वहां गई हैं तो उन्हें कहना चाहिए कि इस कानून को नवीं अनुसूची में भी शामिल करें। यहां आकर विधेयकों पर दस्तखत करें और राष्ट्रपति के पास भेजें अनुसूची 9 में शामिल कराने के लिए। वे हमारी संविधानिक प्रमुख हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी अधिक है। वह राष्ट्रपति को इसके लिए तैयार करके आएं। छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और ईडब्ल्यूएस के हितों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति को कन्वींस करके आएंगी, ऐसा मैं मानता हूं और मुझे उम्मीद है।

बघेल के एक बयान पर टिप्पणी करते हुए हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कहा, हिंदुस्तान की सनातन संस्कृति का अध्ययन करें तो हर युग में देवता भी रहे हैं और राक्षस भी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री आज के राक्षस प्रवृत्ति के महानुभाव हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस ने विज के इस बयान को छत्तीसगढ़ियों का अपमान बताया है।

'जय-वीरू' में सब ठीक नहीं!

सिंहदेव बोले- चुनाव आने पर भविष्य पर निर्णय लूंगा, बात तो रिटायरमेंट की हो रही

सूरजपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की सियासत में जय-वीरू की जोड़ी के नाम से पहचाने जाने वाले टीएस सिंहेदव और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच सब ठीक नहीं चल रहा है। दोनों के बीच की तल्खी बार-बार सामने आती रही है। अब टीएस सिंहदेव ने कहा है कि वे चुनाव आने तक अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेंगे। अभी कुछ सोचा नहीं है। मजाक में यह भी कह दिया कि अब बात तो रिटायरमेंट की हो रही है। सिंहदेव सोमवार को सूरजपुर पहुंचे थे। सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने आए स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव से पत्रकारों ने अगले विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल पूछा था। इस पर उन्होंने कहा, अभी उन्होंने कुछ तय नहीं किया है। नई जवाबदेही के संबंध में मजाकिया लहजे में कहा कि, नई जिम्मेदारी की बात हो रही है या रिटायरमेंट की। यह भी कहा कि प्रदेश के 20 हजार गांवों में से सवा सौ गांवों में अभी सड़क नहीं बन सकी है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद टीएस सिंहदेव और भूपेश बघेल के बीच ढाई-ढाई साल का चर्चित फार्मूला खटास का मुख्य कारण बना। टीएस सिंहदेव ने सरकार के साढ़े तीन साल गुजर जाने के बाद खुले तौर पर कह दिया था कि कांग्रेस हाईकमान को अब निर्णय ले लेना चाहिए। सिंहदेव ने कभी भी ढाई-ढाई साल के सीएम के फार्मूले को नहीं नकारा। इससे स्पष्ट है कि ऐसा फार्मूला था जरूर, जो अमल में नहीं आया।

कहा था- धैर्य की परीक्षा ली जा रही

दोनों के बीच तल्खी इस कदर बढ़ गई कि 16 जुलाई को सिंहदेव ने पंचायत मंत्री के पद से इस्तीफा देते हुए कह दिया था कि उनके धैर्य की परीक्षा ली जा रही है। पारिवारिक पृष्ठभूमि कांग्रेस की है। फिलहाल वे कांग्रेस में ही रहेंगे, लेकिन जीवन में कई निर्णय लेने पड़ते हैं। सिंहदेव ने चार पन्नों के इस्तीफा पत्र मुख्यमंत्री के नाम भेजते हुए सीधे तौर पर कह दिया है कि पंचायत विभाग के योजनाओं के क्रियान्वयन में जानबूझकर अड़ंगा लगाया जाता रहा है।

2018 विस चुनाव में बड़ी भूमिका में थे टीएस

साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में सिंहदेव की न सिर्फ अहम भूमिका रही, बल्कि वे कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष भी थे। इसके बाद से उनकी स्थिति कमजोर होती गई। साल 1952 में जन्में टीएस सिंहदेव अब 70 वर्ष के हो चुके हैं। उनके पिता एमएस सिंहदेव अविभाजित मध्ययप्रदेश के मुख्य सचिव व योजना आयोग के उपाध्यक्ष थे। मां देवेंद्र कुमारी सिंहदेव अर्जुन सिंह और प्रकाश सिंह सेठी मंत्रिमंडल में मंत्री रहीं। वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद वे अंबिकापुर से विधायक बनें।

सरगुजा संभाग में कांग्रेस ने यह प्रचार किया कि सरकार बनीं तो टीएस सिंहदेव मुख्यमंत्री होंगे। अब हालात ये हैं कि उन्हें कार्यकर्ताओं से कहना पड़ता है कि सरकार में उनकी नहीं चल रही है। यह सबसे विषम परिस्थिति है। इससे माना जा रहा है कि टीएस सिंहदेव अपने भविष्य को लेकर चुनाव के पूर्व कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं और यह फैसला चौंकाने वाला भी हो सकता है।

छत्तीसगढ़ में गूंजेगी एमपी के बाघों की दहाड़

सीएम भूपेश बघेल ने दी मंजूरी, एटीआर और बारनवापारा सेंचुरी में छोड़ेंगे

रायपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर सबकुछ ठीक रहा तो छत्तीसगढ़ में जल्द ही मध्य प्रदेश के बाघों की दहाड़ सुनाई देगी। इसे लेकर राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। इन बाघों को अचानकार टाइगर रिजर्व (एटीआर) और बारनवापारा वन्य जीव अभ्यारण्य में छोड़ने पर विचार किया जा रहा जा रहा है। इस संबंध में मंगलवार को राज्य जनसंपर्क अधिकारी की ओर से जानकारी दी गई है।

जीटीएफ ने रखा था प्रस्ताव

मुख्यमंत्री भूपेश की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक हुई थी। बैठक में बाघों को लेकर आए प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने मंजूरी दे दी। यह प्रस्ताव ग्लोबल टाइगर फोरम (जीटीएफ) की ओर से प्रस्तुत किया गया था। जीटीएफ एक अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय निकाय है, जो विशेष रूप से बाघों के संरक्षण के लिए काम कर रहा है।

बाघों के लिए अनुकूल है एटीआर

बाघ वृद्धि योजना का उद्देश्य मध्य प्रदेश से उनको लाकर मुंगेली जिले के एटीआर में छोड़ना है। एटीआर की सीमा पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व के साथ साझा करती है। यह इलाका शाकाहारी जानवरों की आबादी बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है।

इन अभयारण्यों में बाघ अपने शिकार के आधार के रूप में काम में लाते हैं।

लगातार घट रही है बाघों की संख्या

वन अधिकारियों के अनुसार, अचानकमार को 2009 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। इससे पहले वहां 27 बाघ थे। फिर 2010 की गणना के अनुसार, यह संख्या घटकर 18 रह गई और 2011 में यह 12 ही बचे। अफसरों ने बताय कि वर्तमान में एटीआर में इनका सटीक रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन ट्रैकिंग कैमरों में पांच से छह बाघ देखे गए हैं।

बारनवापारा में आखिरी बार 2010 में दिखा था बाघ

बैठक में बलौदाबाजार जिले के बारनवापारा अभयारण्य में बाघों को फिर से लाने के प्रस्ताव पर भी सैद्धांतिक सहमति दी गई है। यहां पर आखिरी बार 2010 में बाघ देखा गया था। बारनवापारा में बाघों के रिइंट्रोडक्शन और कंजरवेशन योजना के तहत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। फिर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से अनुमोदन के बाद योजना शुरू करेंगे।

आदमखोर तेंदुए ने छह साल की बच्ची को मार डाला

झारखंड में 10 दिन में तीसरी घटना

रांची, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू संभाग में एक तेंदुए के आदमखोर बनने से हड़कंप मच गया है। सोमवार दोपहर वह राज्य के गढ़वा जिले में छह साल की एक बच्ची को उठा ले गया और मार डाला। पिछले 10 दिनों में पलामू में इस तरह की यह तीसरी घटना है। झारखंड के एक वन अधिकारी ने मंगलवार को गढ़वा की घटना के बारे में जानकारी दी। वन विभाग को संदेह है कि क्षेत्र में तीन बच्चों की मौत इसी तेंदुए के हमले में हुई है। विभाग उसे मानव भक्षी घोषित करने की तैयारी कर रहा है।

राजधानी रांची से 210 किलोमीटर दूर स्थित गढ़वा सेवाडिह गांव में तेंदुए के हमले में मृत छह वर्षीय बच्ची की पहचान सीता कुमारी के रूप में हुई है। जब वह शौच के लिए गई थी, तब उसे तेंदुआ उठा ले गया। गढ़वा के वन मंडल अधिकारी शशि कुमार ने बताया कि जब गांव के लोगों ने देखा तेंदुआ बच्ची को मुंह में दबाकर ले जा रहा है तो उन्होंने उस पर लाठियों से हमला किया। इस पर तेंदुआ बच्ची को घसीटकर जंगल में ले भागा। ग्रामीण पीछा करते हुए वहां पहुंचे तो तेंदुआ बच्ची को छोड़कर भाग गया। तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। स्थानीय वन अधिकारियों ने मृत बच्ची के परिजनों को 10 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता प्रदान की। सरकारी प्रावधानों के अनुसार बाद में कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर तय मुआवजा दिया जाएगा। वन मंडल अधिकारी शशि कुमार ने कहा कि बीत 10 दिनों में यह तीसरी घटना है। इसके पहले 14 दिसंबर को जिले के भंडरिया थाना क्षेत्र के रोडो गांव में तेंदुए ने छह वर्षीय बच्चे को मार डाला था। पलामू संभाग के लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड के चिपदोहर इलाके में 10 दिसंबर को कथित तौर पर उसी तेंदुए ने एक 12 वर्षीय लड़की को मार डाला था। गढ़वा के डीएफओ ने कहा कि वन अधिकारी तेंदुए को पिंजरे में रखने के हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने उस इलाके में एक पिंजरा लगा दिया है, जहां सोमवार को वह लड़की को उठा ले गया था। उसे खोजने के लिए वह फिर इसी इलाके में आ सकता है।

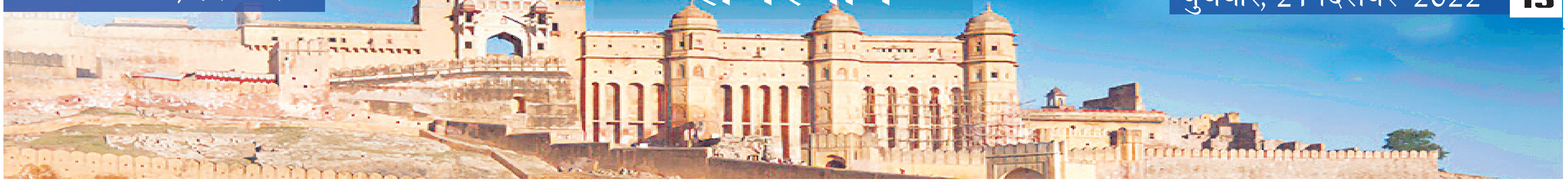

रेस्टोरेंट कर्मचारी सुसाइड केस

टॉर्चर की हद हो गई, सुसाइड कर रहा हूं, बोला-क्या मजदूर इसी तरह मरता रहेगा

भरतपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में क्वींस रोड स्थित कान्हा रेस्टोरेंट के कर्मचारी अभिनंदन पांडेय (42) ने 17 दिसंबर शनिवार की शाम सेल्फॉस खाकर सुसाइड कर लिया था। अब अभिनंदन का सुसाइड नोट और मौत से पहले के दो वीडियो सामने आए हैं। जिनमें अभिनंदन ने रेस्टोरेंट संचालक व अन्य के खिलाफ टॉर्चर करने के आरोप लगाए।

अभिनंदन भरतपुर के भुसावर थाना इलाके का रहने वाला था। जयपुर के चित्रकूट थाना इलाके में क्वींस रोड स्थित कान्हा रेस्टोरेंट में वह ड्राइवर था। शनिवार 17 दिसंबर को सुसाइड से पहले उसने दो वीडियो बनाए थे। सुसाइड नोट भी लिखा था। सुसाइड नोट में उसने मरने की वजह रेस्टोरेंट में काम करने वाले हेड यूनिट अंकित मेहता, मैनेजर मोहन स्वामी, सुपर वाइजर चांद बाबू खां, हेड कैशियर अभिमन्यु दुबे और धर्मेंद्र को आत्महत्या का जिम्मेदार बताया। वीडियो में उसने रोते हुए कहा कि उसे बहुत परेशान किया जा रहा है। पैसा रोक दिया गया है। दो दिन से बाहर नहीं जाने दिया जा रहा। दो दिन से उसने खाना नहीं खाया। जयपुर की चित्रकूट पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

गहलोत और पायलट से बातचीत के बाद बोले राहुल गांधी-जल्द मिलेगी गुड न्यूज

हाइलाइट्स

> अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट विवाद

> राहुल गांधी ने पायलट और गहलोत से अलग-अलग मुलाकात की

> भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राजस्थान पायलट और गहलोत के बीच सुलह के प्रयास हुए तेज

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में चल रहे अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट विवाद के बीच राहुल गांधी ने सोमवार को दोनों से एक साथ और फिर अलग-अलग मुलाकात की. बातचीत के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से कहा कि जल्द गुड न्यूज मिलेगी.

सूत्रों का दावा है कि राहुल गांधी ने दोनों से कहा कि वे अपने मतभेद भुलाए और मिलकर काम करें. राहुल गांधी की गहलोत और पायलट से साथ में और बाद में अलग-अलग की गई बातचीत के बाद उम्मीद जताई जा रही है राजस्थान में सीएम की कुर्सी की लड़ाई के लिए मच रहा घमासान शांत हो सकता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बीते 15 दिनों से राजस्थान में है. इस यात्रा में अशोक गहलोत और सचिन पायलट लगातार राहुल के साथ चल रहे हैं. दोनों मंच साझा कर रहे हैं. दोनों नेताओं के बीच चल रहे सियासी युद्ध को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश समेत अन्य नेता भी पहले कह चुके हैं कि गहलोत अनुभवी तो पायलट युवा नेता हैं. पार्टी का मसला है पार्टी में ही इसे सुलझा लिया जाएगा. हालांकि राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से पहले दोनों नेताओं के बीच तल्खी की काफी खबरें सामने आई थी. लेकिन यात्रा के दौरान ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला।

राहुल ने गहलोत और पायलट के साथ 20 मिनट बात की

यात्रा के राजस्थान में प्रवेश के दौरान भी पायलट और गहलोत दोनों एक दूसरे के हाथ में हाथ डालकर झूमे थे. उसके बाद राहुल गांधी ने दोनों नेताओं को पार्टी की एसेट बताया था. अब उसके बाद राहुल गांधी की दोनों नेताओं से अलग-अलग मुलाकात के बाद दिए गए संकेतों में राजस्थान कांग्रेस में एकजुटता की नई उम्मीद दिखाई दी है. राहुल गांधी ने दोनों के साथ करीब 20 मिनट बात की. यह दीगर बात है कि उनके ये संकेत कितने फलीभूत हो पाएंगे और पार्टी कितनी एकजुटता से प्रदेश की जनता के सामने आ पाएगी।

राहुल गांधी एक फॉर्मूले पर काम कर रहे हैं

राहुल गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेता भंवर जितेंद्र सिंह, शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला और ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा के साथ भी गहलोत व पायलट के साथ संयुक्त बैठक की. इस बैठक में विवाद खत्म करने के साथ ही राजस्थान कांग्रेस की अगली साझा रणनीति पर चर्चा की गई बताई जा रही है. माना जा रहा है गहलोत पायलट विवाद को सुलझाने के लिए राहुल गांधी एक फार्मूले पर काम कर रहे हैं।

मंत्री के घर धरना देने वाली नर्स राहुल गांधी से मिली

रोकर बोली-पुलिस ने हमारे साथ की बर्बरता

दौसा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों चिकित्सा मंत्री परसादी मीणा के आवास के बाहर महिलाओं ने धरना दिया था। जिन्हें पुलिस ने जबरन उठा दिया था। अब वहीं प्रदर्शनकारी महिलाएं भारत जोड़ो यात्रा में पहुंची। उन्होंने राहुल गांधी से पुलिस की बर्बरता की शिकायत की।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान नर्स चंद्रकला शर्मा रोने लगी। उन्होंने राहुल गांधी को बताया कि कहा कि जयपुर में हम चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के आवास के बाहर एएनएम भर्ती 2018 भर्ती को पूरा करने की मांग को लेकर धरना दे रहे थे। हमने नौ दिन धरना दिया लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई उल्टे पुलिस ने हमारे साथ बर्बरता की। हमें धरनास्थल से जबरन उठा दिया गया। नर्सेज ने राहुल गांधी से कहा कि राजस्थान में उनकी सरकार है। ऐसे में उनकी मांगें पूरी की जाएं। नर्सेज की मांग सुनकर राहुल गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही उनकी मांगें पूरी की जाएगी। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि राज्य सरकार उनकी अनदेखी कर रहीं है। एएनएम भर्ती 2018 भर्ती को पूरा करने की मांग की जा रहीं है लेकिन उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कोर्ट के आदेश होने के बावजूद भी एएनएम भर्ती को पूरा नहीं किया जा रहा हैं। जिसके कारण चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिल पाई है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने मांगें नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

ट्रक ने 3 युवकों को रौंदा

किशनगढ़, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। किशनगढ़-जयपुर नेशनल हाईवे पर देर रात ट्रक ने तीन युवकों को कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौत हो गई। दुर्घटना नसीराबाद पुलिया के पास सीवरेज ऑफिस के सामने हुई। तीनों युवक हाईवे-48 पर बाइक खड़ी कर पैदल सड़क पार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया। दो युवकों की तो मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे ने अजमेर के जेएलएन अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मंगलवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद तीनों युवकों के शव उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए। वहीं, टक्कर मारने के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जोधपुर सिलेंडर ब्लास्ट पीड़ितों से मिलने पहुंचे पायलट-राजे

सचिन बोले-अब तक मिली आर्थिक सहायता कम

जोधपुर , 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर सिलेंडर ब्लास्ट के पीड़ित परिवार से मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं ने शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बढ़ाया। इस दौरान पायलट ने कहा कि वे सरकार से आर्थिक सहायता राशि बढ़ाने की मांग करेंगे। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार वसुंधरा राजे और सचिन पायलट एक ही समय पर जोधपुर पहुंचे। वसुंधरा राजे पहले बीएसएफ हेडक्वाटर गईं, जहां उन्होंने नायक भैरो सिंह राठौड़ को श्रद्धांजलि दी और फिर भूंगरा के लिए रवाना हुईं। वहीं सचिन पायलट रेलवे स्टेशन से सीधा भूंगरा गांव पहुंचे। सचिन पायलट ने सिलेंडर ब्लास्ट के पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। इसके साथ ही उन्होंने आर्थिक सहायता के लिए सरकार से मांग करने को कहा। पायलट भूंगरा से जोधपुर महात्मागांधी अस्पताल में घायलों से मिलने के लिए रवाना हुए। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि एक साथ इतने लोगों की मौत बहुत दुखद है। पीड़ित परिवार को अब तक जो आर्थिक सहायता मिली है, वह कम है। एक ही परिवार के कई सदस्य की एक साथ मौत हुई है। उन्होंने कहा कि वह सरकार से सहायता राशि बढ़ाने की मांग करेंगे।

3 बेटियों की मां ने एक साथ दिया 3 बेटों को जन्म

डूंगरपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कहते हैं कि भगवान जब किसी को खुशियां देते हैं तो छप्पर फाड़कर देते हैं. ऐसा ही एक मामला यहां राजस्थान के डूंगरपुर जिले में सामने आया है.

यहां तीन बेटियों की मां बेटे की चाह में फिर से गर्भवती हुई थी. उसकी खुशियों का उस समय ठिकाना नहीं रहा जब उसने एक साथ तीन बेटों को जन्म दिया. प्री-मैच्योर डिलीवरी होने के कारण तीनों नवजातों का स्वास्थ्य ठीक नहीं था. लिहाजा उनको अस्पताल में ही मेडिकल टीम की देखरेख में रखा गया था. लेकिन ये तीनों बेटे अपने घर आ गए हैं। जानकारी के अनुसार मामला डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा इलाके से जुड़ा है।

राजकीय कर्मचारियों के मृतक आश्रितों को 50-50 लाख रूपए सहायता राशि के सौंपे चैक

अलवर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अलवर दौरे के दौरान संवेदनशीलता दिखाते हुए कोरोना महामारी में ड्यूटी के दौरान मृतक राजकीय कर्मचारियों के आश्रितों को 50-50 लाख रूपए की सहायता राशि के चैक सौंपे।

सनित कुमार (नीमराणा, अलवर) एवं रामेश्वर दयाल मीणा (रैणी, अलवर) पटवारी के पद पर कार्यरत थे। उक्त दोनों कार्मिक कोविड़-19 ड्यूटी करते समय संक्रमित हो गए तथा उपचार के दौरान सनित कुमार की 9 मई, 2021 एवं श्री रामेश्वर दयाल मीणा की 16 मई, 2021 को मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री ने उक्त दोनों कार्मिकों के आश्रितों श्रीमती संजू पत्नी स्व. सनित कुमार एवं श्रीमती कान्ता बाई पत्नी स्व. रामेश्वर दयाल मीणा को 50-50 लाख रूपए की सहायता राशि के चैक सौंपे।

उल्लेखनीय है कि गहलोत द्वारा कोरोना महामारी में राजकीय कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान कोविड-19 संक्रमण से मृत्यु होने पर 50 लाख रूपए की सहायता राशि देने की घोषणा की गई थी। पूर्व में राज्य सरकार द्वारा श्रीमती संजू पत्नी स्व. सनित कुमार को कनिष्ठ सहायक एवं श्रीमती कान्ता बाई पत्नी स्व. रामेश्वर दयाल मीणा को प्रयोगशाला सहायक के पद पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति भी दी जा चुकी है।

इस दौरान राजस्व मंत्री रामलाल जाट, राजस्थान राज्य बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर, आरटीडीसी चेयरमेन धर्मेन्द्र राठौड़, विधायक राजेन्द्र पारीक, जिला कलक्टर जितेन्द्र सोनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आरसीए अध्यक्ष पद के लिए वैभव गहलोत ने भरा नामांकन

नांदू गुट से मुकेश शाह ने किया नॉमिनेशन, 24 को वोटिंग-रिजल्ट

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने एक बार फिर आरसीए अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा है। मंगलवार को वह अपनी बेटी के साथ जयपुर में एसएमएस स्टेडियम स्थित एसोसिएशन के दफ्तर पहुंचे।

इस मौके पर उन्होंने अपनी 3 साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, 'राजस्थान में फिर से इंटरनेशनल क्रिकेट मैच का आयोजन होने लगा है। जल्द ही दो नए स्टेडियम राजस्थान को मिल जाएंगे। इससे यहां के खिलाड़ियों को और बेहतर मंच उपलब्ध हो सकेगा। मुझे उम्मीद है कि सभी जिला संघ मिलकर राजस्थान के क्रिकेट को बढ़ाने में हमारा साथ देंगे।' उधर, वैभव गहलोत के खिलाफ राजेंद्र सिंह नांदू गुट की ओर से आज दोपहर बाद नामांकन दाखिल किए जाएंगे। माना जा रहा है कि नांदू गुट सीपी जोशी गुट के खिलाफ सभी 6 पदों पर अपने प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारेगा।

आरसीए चुनाव में राजेंद्र सिंह नांदू ग्रुप से अध्यक्ष पद पर मुकेश शाह, उपाध्यक्ष पर मुकेश शाह, कोषाध्यक्ष पर विनोद सारण, एग्जीक्यूटिव मेंबर पर अरुण सिंह, संयुक्त सचिव पर शत्रुघ्न तिवारी और सचिव पद पर आरएस नांदू ने नामांकन किया है।

जोशी गुट में बगावत

सीपी जोशी गुट के गिरिराज सनाढ्य ने वैभव गहलोत के खिलाफ अध्यक्ष पद पर नामांकन दाखिल किया है। बता दें कि पिछले दिनों सनाढ्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया। वहीं, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की वोटर लिस्ट में भी राजसमंद से सनाढ्य को ही सचिव माना गया था।

ऐसे में आज उन्होंने वैभव के खिलाफ नामांकन दाखिल कर सभी को चौंका दिया है।

24 दिसंबर वोटिंग और मतगणना

दरअसल, 29 सितंबर को हाईकोर्ट ने आरसीए चुनाव अधिकारी की नियुक्ति को लेकर वोटिंग से पहले ही चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। इसके बाद आरसीए चुनाव अधिकारी बनाए गए रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे लेकर 4 जिला क्रिकेट संघों और उनके सचिवों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

शराब के नशे में कॉलेज पहुंचे प्रिंसिपल

स्टूडेंट्स ने धक्का मारकर बाहर निकाला, कैंपस में ही धरने पर बैठे

अनूपगढ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। शराब के नशे में सरकारी कॉलेज के कार्यवाहक प्रिंसिपल ने कैंपस में जमकर हंगामा किया। स्टूडेंट्स ने रोकने की कोशिश की तो अभद्रता करने लगा। स्टूडेंट्स भी गुस्सा गए। धक्का मारते हुए प्रिंसिपल को कमरे से बाहर लेकर आए और पुलिस को खबर दी। मामला श्रीगंगानगर का है।

स्टूडेंट्स से गाली-गलौज की

अनूपगढ़ के सेठ बिहारीलाल छाबड़ा राजकीय महाविद्यालय में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे कार्यवाहक प्रिंसिपल अशोक कुमार मीणा शराब के नशे में कॉलेज आ गए। नशा इतना चढ़ा कि कॉलेज में हंगामा करने लगे। स्टूडेंट ग्रुप में उनके पास गए और नशे में आने पर टोका। इस पर मीणा गुस्सा हो गए और चिल्लाने लगे। स्टूडेंट्स ने मीणा को समझाने की कोशिश की। आरोप है कि वो नहीं माने। गाली-गलौज करने लग गए। इससे परेशान होकर स्टूडेंट्स ने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। कॉलेज से एक वीडीयो भी सामने आया है। एक रूम में प्रिंसिपल अशोक कुमार मीणा जमीन पर बैठा है और उसके चारों ओर स्टूडेंट्स खड़े हैं। टोकने पर भी नहीं मानने पर प्रिंसिपल को उठाकर धक्का देते हुए बाहर लेकर जाते हैं। इस पर वह जमीन पर गिर जाता है। इसके बाद उसे उठाया जाता है।

प्रिंसिपल को सस्पेंड करने की मांग

मामले की सूचना पर तहसीलदार राजेंद्र सिंह चौधरी, कॉलेज शिक्षण समिति के अध्यक्ष मोहित छाबड़ा, पार्षद सनी धायल और पुलिस मौके पर पहुंची। प्रिंसिपल को सस्पेंड करने की मांग को लेकर स्टूडेंट्स कॉलेज गेट के पास धरने पर बैठ गए हैं। प्रशासन के समझाने के बाद भी स्टूडेंट अपनी मांग पर अड़े हुए हैं।

एसडीएम ऑफिस में भी किया हंगामा

तहसीलदार राजेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि मीणा पिछले कुछ दिनों से कॉलेज में ही रह रहे हैं और बैठकर शराब पीते हैं। कॉलेज की रसोई में शराब की खाली बोतलें भी मिली हैं। मीणा पहले भी एसडीएम ऑफिस में शराब के नशे में हंगामा कर चुके हैं। उस समय पुलिस ने शांति भंग में मीणा को पाबंद किया था।

विधायक मदन दिलावर के बिगड़े बोल : कहा-कांग्रेस नेता पागल, मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती कराना जरूरी

कोटा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मदन दिलावर ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। विधायक मदन दिलावर ने वीडियो जारी कर कांग्रेस नेताओं को पागल बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती कराने बहुत जरूरी है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार वीडियो में मदन दिलावर ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री राजा पटेरिया ने कहा कि लोकतंत्र को बचाना है तो देश के प्रधानमंत्री की हत्या करने के लिए तैयार रहिए। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश पटेल कहते हैं कि भगवा रंग गुंडे पहन कर घूमते हैं। विधायक मदन दिलावर ने कहा कि यानी इनको यज्ञ की ज्वाला और सूर्य भगवान का रंग, सब में गुंडे दिखाई देते हैं। भगवा कपड़े पहनने वाले देश के साधु संत इन्हें गुंडे दिखाई देते हैं। विधायक दिलावर ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान का भी हवाल दिया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने भी कहा कि आर्थिक संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। राहुल गांधी ने कहा कि जय श्रीराम मत बोलो। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हिंदुओं का अपमान करते हैं। दिलावर ने कहा कि वैसे जनता इन्हें ठीक कर देगी। पर मुझे लगता है इन सब को यदि ठीक करना है। तो इन सब को मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती कराएं। जिससे इनका दिमाग ठीक हो। इससे पहले भाजपा कार्यकर्ता और किसानों पर लाठीचार्ज को लेकर दिलावर ने विवादित बयान दिया था।

करोड़ों की जमीन के लिए पत्नी की हत्या का मामला

फर्जी डेथ सर्टिफिकेट में गड़बड़ी के मामले में वकील गिरफ्तार

बीकानेर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के चर्चित मोनालिसा हत्याकांड में पुलिस ने दो और गिरफ्तारी की है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मंगलवार को पुलिस ने एक वकील और एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है, जिन्हें आज ही अदालत में पेश किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि इस प्रकरण में मुकेश धौलपुरिया नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। जिसने प्रॉपर्टी के कागजात बनाने में भवानी सिंह का सहयोग किया था। इन कागजों में गड़बड़ी होने की आशंका जताई जा रही है। इसी आधार पर मुकेश धौलपुरिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं मोनालिसा के डेथ सर्टिफिकेट में गड़बड़ी के मामले में वकील नवल धवल को गिरफ्तार किया गया है। नवल आज सुबह कोर्ट आए थे लेकिन वहीं से पुलिस उसे उठाकर ले गई। जिसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। डेथ सर्टिफिकेट में क्या गड़बड़ी की गई और नवल धवल में उसका क्या योगदान रहा? इस बारे में स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस छानबीन के बाद ही इस बारे में जानकारी देगी। मोनालिसा हत्याकांड के मामले में पुलिस अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिसमें मुख्य अभियुक्त के तौर पर भवानी सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा सबूत मिटाने के मामले में भवानी सिंह के दोस्त जितेंद्र शर्मा को गिरफ्तार किया गया, जिसकी बाद में जमानत हो गई।

हालांकि जितेंद्र को पुलिस ने 151 में गिरफ्तार किया था। अब मुकेश धौलपुरिया और एडवोकेट नवल धवल को गिरफ्तार किया है।

क्या है मामला?

बीकानेर में जयपुर रोड पर चर्च के पास स्थित जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसी जमीन की खरीद और कागजात तैयार करने के मामले में मोनालिसा की हत्या का आरोप है। आरोप है कि भवानी सिंह ने मोनालिसा के साथ शादी करके उसकी हत्या कर दी। मौत के बाद बिना परिजनों के बताये उसका अंतिम संस्कार कर दिया। मौत से जुड़े अलग अलग बयान के चलते उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

हिंदी में काम करना एनएमडीसी की कार्य-संस्कृति में शामिल : बी. साहू

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्मिकों के लिए एक दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें हिंदी कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में सारगर्भित जानकारी देते हुए कहा कि संसदीय राजभाषा समिति, गृह मंत्रालय एवं हिंदी सलाहकार समिति, इस्पात मंत्रालय द्वारा हिंदी पत्राचार एवं टिप्पणियों की संख्या में वृद्धि हेतु निरंतर बल दिया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को फाइलों में हिंदी में टिप्पणीयां लिखने तथा हिंदी पत्राचार बढ़ाने का अनुरोध करते हुए बताया कि इस कार्यशाला के प्रथम सत्र में आसान तरीके से फाइलों में हिंदी टिप्पणी लिखने के संबंध में जानकारी दी जाएगी तथा द्वितीय सत्र हिंदी पत्राचार पर आयोजित किया जा रहा है।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि बी. साहू, अधिशासी निदेशक (उत्पादन समन्वयन) ने अपने संबोधन में अमृत महोत्सव के अवसर पर इस हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा राजभाषा के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएमडीसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी में काम करना एनएमडीसी की कार्य-संस्कृति में शामिल है। इसीलिए हमारी कंपनी को राजभाषा संबंधी पुरस्कार निरंतर प्राप्त हो रहे हैं।

तत्पश्चात कार्यशाला के प्रथम सत्र में मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद ने हिंदी टिप्पणी के संबंध में जानकारी दी एवं अभ्यास सत्र का आयोजन किया। द्वितीय सत्र मंगल स्वरूप त्रिवेदी, प्रबंधक (राजभाषा), बीएचईएल, रामचन्द्रपुरम, हैदराबाद ने हिंदी पत्राचार पर लिया। उन्होंने इस संबंध में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण दिया तथा पत्र लिखने का अभ्यास कराया। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर एवं सामूहिक चर्चा सत्र के साथ हुआ। इस सत्र में प्रतिभागियों ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी शंकाओं का निवारण किया।

प्रश्नों के उत्तर राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा दिए गए। कार्यशाला का समन्वयन राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) एवं एस.के. सनोडिया, सहायक प्रबंधक (सचि.) ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया। कार्यशाला में मुख्यालय के विभिन्न विभागों तथा एनएमडीसी क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टनम एवं जीईसी, रायपुर के कार्मिकों ने भाग लिया।

लगी आग में भारी मात्रा में कबाड़ जल कर राख

आदिलाबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यहां केआरके कॉलोनी में एक कबाड़ की दुकान में आग लगने से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, सीसा और लोहे का कबाड़ जलकर खाक हो गया. आग लगने का कारण लापरवाही से फेंका गया सिगरेट का बट बताया गया है। नुकसान की कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी गई है।

जिला अग्निशमन अधिकारी बुक्या केशावुलु ने कहा कि सुबह करीब साढ़े तीन बजे दुकान में आग लगने से लोहे की वस्तुएं, प्लास्टिक के टायर और शराब की खाली बोतलें जलकर राख हो गईं। आदिलाबादफायर स्टेशन टाउन से दो और इकोडा स्टेशन से एक दमकल ने सुबह 8 बजे आग बुझाई।

सहायक जिला वन अधिकारी गोवर्धन रेड्डी, आदिलाबाद स्टेशन अग्निशमन अधिकारी बी. शिवाजी, कर्मचारियों ने ऑपरेशन में भाग लिया।

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हैदराबाद में आज एम. जवाहर, प्रभारी एवं उप कृषि विपणन सलाहकार की अध्यक्षता में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भाकृअनुप-भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला के प्रारंभ में डॉ. फनी राज शेखर, वरिष्ठ विपणन अधिकारी ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। डॉ. महेश कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निति-नियम, उनके अनुपालन एवं अनुपालनार्थ आवश्यक बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन अत्यधिक आसान है

केवल हमारी झिझक का दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने सुचारु राजभाषा कार्यान्वयन के संचालन हेतु कार्यालय के नेमी कार्यों में प्रयुक्त आधारभूत सामग्री हिंदी में तैयार करने पर बल दिया और कहा कि इससे हम राजभाषा विभाग के द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के कहीं आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रतिभागियों को टिप्पण व आलेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। एम. जवाहर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा में कार्य हमारा संवैधानिक दायित्व है और इसे हमें सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि हमारा संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रहा है और इस तरह की कार्यशालाओं का हमें पूरा-पूरा लाभ उठाना चाहिए। अंत में राहुल वाकडे, विपणन अधिकारी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यशाला का समापन हुआ। इस पूरी कार्यशाला का समन्वय एवं संचालन श्री रामस्वरूप मीणा, विपणन अधिकारी एवं प्रभारी-हिंदी के द्वारा किया गया।

मंत्री तलसानी से मिले लीज जमीनों के मालिक, किया सम्मान

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद मोंडा मार्केट तथा अन्य क्षेत्रों में लीज जमीनों में बनाये गये आवास तथा व्यापार अनुष्ठानों को न हटाते हुए पुनः उनकी लीज अवधि को बढाने के संदर्भ में एक बैठक आयोजित की गई। इस संदर्भ में मंत्री तलसानी श्रीनिवास से भी मुलाकात कर जानकारी दी गई तथा बताया गया कि मुख्यमंत्री केसीआर को भी इस संदर्भ में विशेष आग्रह किया गया था। इस पर सीएम ने सकरात्मक प्रतिक्रिया दी थी और कहा था कि इस पर काम किया जा रहा है। सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन ने इस अवसर पर मंद्री तलसानी के इस प्रयास के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोपाल बंग, सचिव हरिकिशन बंग, आनंद बंग, मधुबाबू, रविचंद्र, राकेश पुनेरिया, जमुनालाल बंग आदि उपस्थित रहे।

चेतना द्वारा मगसिर की थाली कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आत्म सम्मेलन संस्था चेतना द्वारा मगसिर की थाली कार्यक्रम का आयोजन विजया बंग के निवास स्थान गांधी नगर में किया गया। उक्त जानकारी देते हुए संस्था की संस्थापिका एवं संचालिका रमा बाजोरिया ने बताया कि महिलाओं ने विशेष रूप से गोदा देवी के भजन गाए। चेतना की संयोजिका पूजा गुप्ता ने बताया कि आठ साल से चल रही इस संस्था का उद्देश्य महिलाओं को अपनी संस्कृति एवं परम्पराओं से जोडे रखना है। संस्था द्वारा हर माह एक आध्यात्मिक अथवा धार्मिक कार्यक्रम किया जाता है। इस अवसर पर श्रृति राठी एवं मेघा बंग ने अत्यन्त हो मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जिसमें रमा बजोरिया, पुष्पा अग्रवाल, पुष्पा गुप्ता, रीटा अग्रवाल व तारा सारडा विजयी रहीं। संयोजिकाओं द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में रमा बाजोरिया, विजया बंग, शोभा राठी, पुजा गुप्ता, लता सारडा, तारा सारडा, प्रेमलता अग्रवाल, शीला अग्रवाल, रीटा अग्रवाल, प्रेमा जाजू, किरण जाजू, पुष्पा गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, सन्नी, अरूणा अग्रवाल, कौशल्या राठी, वनीता अग्रवाल, सबिता मित्तल, प्रेमलता अग्रवाल, चंद्रमागा अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, श्रुति राठी, मेघा बंग आदि बडी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित लीलाबाई मोती लाल टोडेवाले हाईस्कूल के छात्र-छात्राओं ने खेल-कूद प्रतियोगिता में भी अपनी विशेष प्रतिभा का परिचय दिया है। डक्कन स्पोर्टस एवं गेम्स डेवलपमेंट एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा आयोजित टेलेंट हंट अन्तर विद्यालय स्पोर्टस चेम्पियानशिप-2022 का आयोजन कुली कुतुबशाह स्टेडियम में अनेक खेला की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में अण्डर-16 वर्ग के छात्र-छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता में लीलाबाई मोतीलाल टोडेवाले के विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और विद्यालय की प्रसिद्धि में चारचांद लगाए। पुरस्कार वितरण करते समय अग्रवाल शिक्षा समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कार देते समय जीवन में आगे बढने एवं शिक्षण संस्था का नाम करने के लिए बधाई दी। एल.वी.एमटी हाई स्कूल के करेस्पाडेंट मनीष कुमार अग्रवाल ने छात्रों को बधाई दी एवं प्रोत्साहित किया। प्राचार्या श्रीमती प्रीति बाला ने छात्र एवं छात्राओं की सफलता पर बधाई दी एवं उन्हें खेल-कूद की भावना को विकासित करने एवं स्कूल का नाम रोशन करने पर बधाई दी।

फतेह मैदान क्लब, बशीरबाग में भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र 104 द्वारा आयोजित गवर्नरों की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि गवर्नर सुरेश सुत्रावे और बाबूराव गडाले ने सभी रिकर्ड जांच की। उपस्थित हैं तेलंगाना महिला परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रंजना भोपे, बीवीआई के डिप्टी गवर्नर डॉ. प्रशांत नीमकर, मोहनराव देवथराज, अश्विनी, प्रवीण पतंगे, श्रीधर लोखंडे व अन्य।

एक विशेष कार्यक्रम में पधारे केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का सम्मान करते हुए भाजपा नेता उत्तमसिंह राजपुरोहित। साथ में हैं बी. श्यामसुंदर गौड़, गौतम राव, अश्विनी राजपुरोहित, अंकित राजपुरोहित व अन्य।

महापरिवर्तन आंदोलन के संदर्भ में हुई बैठक

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महापरिवर्तन आंदोलन की बैठक खैरताबाद स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजन किया गया जिसमें महापरिवर्तन आंदोलन के प्रेरणास्रोत वीके सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार की स्थिति चिंताजनक है, दयनीय है उन्होंने कहा कि हमें बिहार में बदलाव लाने के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना होगा तभी बिहार में परिवर्तन संभव होगा। छपरा जिला बिहार में जहरीली शराब पीने से 50 लोगों की मृत्यु हो गई जिस पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह मुआवजा नहीं देंगे क्योंकि उनकी मौत शराब पीने से हुई। मगर शराब जहरीली है यह उन लोगों को नहीं पता था जिनसे उनकी मृत्यु हो गई और अब उनके पत्नी, बच्चे अनाथ हो गए हैं, मुख्यमंत्री को उन्हें मुआवजा देना चाहिए। बिहार प्रभारी श्रीकांत पांडेय ने कहा कि प्रखंड समिति एवं ग्राम समितियों द्वारा ही ग्राम का विकास संभव है। स्वच्छ लोकतंत्र की स्थापना करने के लिए समाज के अच्छे लोगों को प्रतिनिधित्व करना होगा। बिहार के सह प्रभारी एसए खान ने बताया कि जनवरी 22 जनवरी 2023 से कैमूर (भभुआ) जिला में बैठक का आयोजन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार की इस दुरावस्था के लिए बिहारियों को ही जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि पिछले पचहत्तर सालों को जाति एवं राजनीति के मनोरंजक खेल में बिहारियों ने खुद के भविष्य को तबाह कर दिया। बैठक में महापरिवर्तन आंदोलन के वीके सिंह, बिहार प्रभारी श्रीकांत पांडेय, सह प्रभारी शेर अफगन खान, मनीष चौबे, एलएन चौबे, केडी चौबे, महेंदर चौबे, राजेश चौबे, जीडी पाठक, विमलेश चौबे, विनोद कुमार राय, चंदन उपाध्याय, मुन्ना पांडेय, हरेंदर चौबे, दिनेश कुमार, अरुण पांडेय, संजय पांडेय, विमलेश पांडे, राजेश पांडेय इत्यादि उपस्थित हुए।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी के तत्वावधान में मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-301 का आयोजन इस बार नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में से संपन्न हुआ। कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस बार मूल्यांकन गोष्ठी में हिंदी विद्यापीठ, देवघर (झारखंड) से प्रकाशित होने वाली हिंदी विद्यापीठ त्रैमासिक पत्रिका के अंक अप्रैल-जून,2022 में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के समीक्षकों और कवियों द्वारा मूल्यांकन किया गया। अध्यक्षीय टिप्पणी में श्रुतिकांत भारती ने कहा कि 301 मूल्यांकन गोष्ठियों में केवल हिंदी लघु पत्रिकाओं पर समीक्षात्मक मूल्यांकन का आयोजन करना किसी भी संस्था में गौरवशाली है। समीक्षिका सुधा ठाकुर ने कहा कि आजकल विदेशों में भी प्रतिदिन हिंदी के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं यह अत्यंत ही प्रसन्नता विषय है। इस अवसर पर एक कवि गाष्ठी भी संपन्न हुई, जिसमें बहुभाषी कवियों ने कविता पाठ कर श्रोताओं से ख़ूब वाहवाही लूटी।

मेयर का बीआरएस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध, 'गो बैक' के नारे लगाए

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को उप्पल निर्वाचन क्षेत्र में एक कार्यक्रम में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्यों ने ग्रेटर हैदराबाद की महापौर विजयलक्ष्मी गदवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वे चिलुकानगर क्षेत्र में कुछ विकास परियोजनाओं की आधारशिला रख रही थीं। इसी बीच बीआरएस पार्टी के कार्यकर्ता "मेयर गो बैक" के नारे लगाने लगे। उन्होंने दावा किया कि महापौर प्रोटोकॉल तोड़ रही है, क्योंकि उप्पल विधायक बी. सुभाष रेड्डी को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया था। गुस्से में मेयर ने कहा, "अगर वह आज भी नहीं दिखा तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?" जब विधायक के समर्थकों ने संकेत दिया कि वह विधायक को फोन कर सकती थीं, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, 'मैं मेयर हूं' और 'मैं ऐसा नहीं करती।'

मोबाइल चोर गिरोह चलाने के आरोप में कांस्टेबल निलंबित

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेलफोन चोरों के एक गिरोह को चलाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए और बाद में निलंबित किए गए एक पुलिस कांस्टेबल को मंगलवार को हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने सेवा से बर्खास्त कर दिया।

मेकला ईश्वर, जो हैदराबाद आयुक्त की टास्कफोर्स (पश्चिम) टीम के साथ थे, को निलंबित कर दिया गया, जब उन्हें पिछले महीने नलगोंडा पुलिस ने कथित तौर पर सेल फोन चोरों के एक गिरोह को चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। नलगोंडा II टाउन पुलिस, जिसने ईश्वर को गिरफ्तार किया था, ने पाया कि वह कथित रूप से नौ पॉकेट बीनने वालों और सेल फोन चोरों के एक गिरोह का पालन-पोषण कर रहा था, जिनमें से तीन किशोर थे। गिरोह हैदराबाद और अन्य जिलों में कई संपत्ति अपराधों में शामिल है। मामले में कांस्टेबल की गिरफ्तारी के बाद हैदराबाद पुलिस कमिश्नर ने भी कांस्टेबल की गतिविधियों और उसकी मदद करने वाले अन्य लोगों की भूमिका की जांच के आदेश दिए थे। पूछताछ में कथित तौर पर पाया गया कि एसआर नगर पुलिस स्टेशन में काम करने वाले दो इंस्पेक्टर और टास्क फोर्स (पश्चिम क्षेत्र) के साथ काम करने वाले एक इंस्पेक्टर ने ईश्वर की मदद की। इसके बाद, पुलिस आयुक्त ने तीन निरीक्षकों वाई. अजय कुमार (एसएचओ शाहिनयातगंज), टी. श्रीनाथ रेड्डी (इंस्पेक्टर टास्कफोर्स नॉर्थ) और साई वेंकट किशोर (इंस्पेक्टर साइबराबाद) के खिलाफ अवैध रूप से कांस्टेबल के साथ उनकी कथित मिलीभगत के लिए विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया था।

एआईसीसी ने टीपीसीसी में शांति लाने के लिए दिग्विजय सिंह को नियुक्त किया

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने तेलंगाना में पार्टी के असंतुष्ट वरिष्ठ नेताओं को शांत करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को शामिल किया है। पार्टी में ट्रबल शूटर के रूप में पहचाने जाने वाले सिंह ने प्रमुख नेताओं से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनके साथ बैठकर समस्याओं का समाधान करेंगे। श्री सिंह ने एआईसीसी कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष ई. महेश्वर रेड्डी को फोन किया और एआईसीसी द्वारा की गई सलाह से अवगत कराया। पता चला है कि दिग्विजय सिंह के दखल के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता शांत हुए हैं. सिंह के हस्तक्षेप पर प्रतिक्रिया देते हुए, महेश्वर रेड्डी ने इसका स्वागत किया और कहा कि दिग्विजय सिंह के अगले दो दिनों में राज्य का दौरा करने की संभावना है। दूसरी ओर, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क को फोन किया और उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों को हल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने विक्रमार्क से मुद्दों को जटिल न बनाने को कहा। उन्होंने सीएलपी नेता से उनकी चिंताओं पर दिग्विजय सिंह के साथ चर्चा करने को कहा। उन्होंने विक्रमार्क को यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में समस्याएं पैदा न करें और पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा।

तेलंगाना सरकार ने निम्स में हड़ताल पर लगाई रोक

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मंगलवार को अगले छह महीनों के लिए निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस), पुंजागुट्टा में हड़ताल पर रोक लगा दी है। तेलंगाना आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (ईएसएमए), 1971 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्स में हड़ताल पर रोक लगाने के आदेश मंगलवार को सचिव, स्वास्थ्य, तेलंगाना, एसएएम रिजवी द्वारा जारी किए गए। 20 दिसंबर, 2022 के आदेश ने निम्स के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को तेलंगाना आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम, 1971 की आवश्यक सेवाओं के रूप में घोषित किया है।

विश्वविद्यालयों को बंद होने व गरीबों को उच्च शिक्षा से वंचित होने से बचाएं : गैबुवली

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूथ एजुकेशन एम्लॉयमेंट एंड वेल्फेयर एसोसियशन के अध्यक्ष शेक गैबुवली ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी की सरकार के कार्यकलापों से राज्य के विश्वविद्यालय बंद होने के कगार पर आ चुके हैं। गरीब छात्र उच्च शिक्षा पाने के लिए बहुत कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश राज्य के विश्वविद्यालय बंद ना हो तथा गरीब छात्रों को उन्नत शिक्षा से दूर ना हो इसके लिए उचित कार्यवाही करने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रदान एवं गवर्नर बिश्वभूषण हरिचंदन से उन्होंने विनती की। इस संदर्भ में शेक गैबुवली ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार विश्वविद्यालयों में छात्रों के प्रवेश के लिए राज्य स्थर परीक्षा करवाने से विश्वविद्यालयों में छात्रों का प्रवेश नहीं हुआ।

पूर्व में विश्वविद्यालय ही प्रवेश परीक्षा लगाकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण किया करते थे। इतना ही नहीं, फीज अदायगी समय पर ना होने से तथा पीजी कोर्स फीज अदायगी रद्द करने की वजह से गरीब छात्र उन्नत शिक्षा प्राप्त करने के लिए अग्रसर नहीं हो रहे हैं। विश्वविद्यालय में शिक्षण की कमी, रोजगार पाने के लिए पाठ्यक्रम न होना, विश्वविद्यालयों में दो या तीन पी.जी. कोर्स प्राप्त करने का मौका न मिलना, इन सभी कारणों से विश्वविद्यालय बंद होने के दिशा में आ गए हैं। इसी प्रकार राज्य में कई पी.जी. कॉलेज भी बंद हो चुके हैं। बाकी कॉलेज भी बंद होने की कगार पर हैं। अभी राज्य सरकार विश्वविद्यालयों में शिक्षण, प्रोफेसरों, एसिस्टेंट प्रोफेसरों तथा शिक्षेतर कार्यकर्ताओं का चयन यथाशिघ्र करें।

जैन तीर्थों और मंदिरों को बचाने के लिए एकजुटता जरूरी : सोहन मेहता

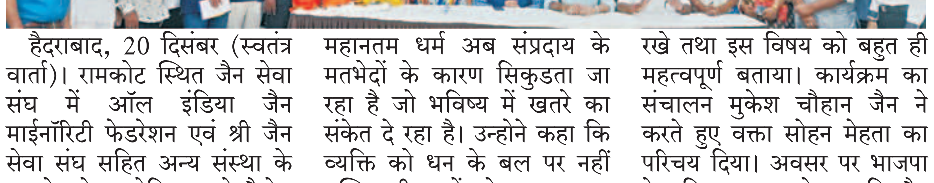

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामकोट स्थित जैन सेवा संघ में ऑल इंडिया जैन माईनॉरिटी फेडरेशन एवं श्री जैन सेवा संघ सहित अन्य संस्था के सहयोग से आयोजित जागो जैनो- अभी नहीं तो कभी नहीं विषय पर मुख्य वक्ता लेखक व पत्रकार सोहन मेहता क्रांति ने वर्तमान में जैन धर्म, जैन समाज की समस्याओं, जैन धर्म पर हो रहे आक्रमण, जैन धर्म के उज्जवल इतिहास एवं जैन समाज, जैन धर्म से संबंधित धार्मिक सामाजिक राजनीति आदि कई विषयों पर अपनी बात रखते हुए सभी को स्थिति से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में जैनों का जो समृद्धि इतिहास परंपरा, संस्कार, जीव दया, अहिंसा के मूल्य थे वह वर्तमान में छिन्न बिन्न होते जा रहे हैं। विश्व का सबसे महानतम धर्म अब संप्रदाय के मतभेदों के कारण सिकुडता जा रहा है जो भविष्य में खतरे का संकेत दे रहा है। उन्होने कहा कि व्यक्ति को धन के बल पर नहीं बल्कि जीवन में जो त्याग करता है उसको ही याद रखा जाता है। जैन समाज में जो त्याग की भावना रही है वह सभी के लिए अनुकरणीय है। जैन समाज चाहे तो कुछ भी कर सकता है। इसलिए अपनी आत्मा को जगायें। जैन कौम जितना काम प्रकृति के लिए किया है शायद उतना किसी अन्य धर्म ने नहीं किया। जानवरों की सेवा, पूरे विश्व में अहिंसा का प्रचार किया, परिवार नियोजन व महिला के विकास के लिए कार्य किया ऐसा किसी ने नहीं किया। अवसर पर जैन सेवा संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द गुगलिया, मंत्री प्रशांत कोचेटा ने भी अपने विचार रखे तथा इस विषय को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का संचालन मुकेश चौहान जैन ने करते हुए वक्ता सोहन मेहता का परिचय दिया। अवसर पर भाजपा नेता विजय सुराणा ने कहा कि जैन समुदाय ने समन्वय समिति का गठन कर विवाह आदि पर ज्यादा खर्च न करने सीमित मात्रा में व्यंजनों को रखने के लिए अभियान चलाया था जिसमें कुछ हद तक लोगों ने पालन किया पर इसका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। इस पर भी समाज को ध्यान देने की आवश्यकता है। अवसर पर अतिथि वक्ता का स्वागत जैन सेवा संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द गुगलिया, मंत्री प्रशांत कोचेटा, जैनरत्न सुरेन्द्र लुणिया, रिद्धिश जागीरदार, मुकेश चौहान, विजय सुराणा सहित अन्यों ने किया।

सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के बोइनपल्ली वार्ड नं-1 में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए एससीबी सदस्य रामकृष्णा, बी. मल्लिकार्जुन, बी. श्रीनिवास रेड्डी व अन्य।

इन 3 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों पर हर टीम लगाएगी ऊंची बोली, खास टेलैंट को देगी मौका

खेल डेस्क, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीज़न की नीलामी 23 दिसंबर 2022 को कोच्चि में होने वाली है। दुनिया भर के 991 खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया। हालांकि नीलामी के लिए 405 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। ये नीलामी दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी।

इस ऑक्शन में एकतरफ जहां कई बड़े खिलाड़ी भाग ले रहे हैं वहीं इसके अलावा कई युवा और प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी भी है जो अभी अनकैप्ड हैं लेकिन उनमें टेलैंड की कोई भी कमी नहीं है। ऐसे ही पांच भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ियों के बारे में हम बताने जा रहे हैं जिनपर इस आईपीएल में जमकर बोली लग सकती है।

1. नारायण जगदीशन

नारायण जगदीशन 2023 की आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ियों में से एक हो सकते हैं। जगदीशन ने 2022 में विजय हजारे ट्रॉफी के लिए काफी रन बनाए हैं। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने एक के बाद एक लगातार 5 शतक बनाए। उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में एक पारी में 227 रन बनाकर एक रिकॉर्ड भी बनाया। जगदीशन के सपनों को रणजी ट्रॉफी में भी आगे बढ़ाया। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ 97 गेंदों पर 116 रन बनाए। उन्होंने पहले आईपीएल में सीएसके का प्रतिनिधित्व किया था। सीएसके निश्चित रूप से युवा खिलाड़ी को टीम में वापस लाना चाहेगी।

2. समर्थ व्यास

सौराष्ट्र के बल्लेबाज समर्थ व्यास इस साल बल्ले से कमाल के टच में दिखे। सात मैचों में 177.40 की शानदार स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाकर, वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2022-23 के पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। ऐसे में उनके टैलेंट और तेजी से रन बनाने की कला को देखकर हर टीम उन्हें शामिल करना चाहेगी। विशेष तौर से वे टीमें जिनके पास बल्लेबाजों की कमी है।

3. शेल्डन जैक्सन

सौराष्ट्र के खिलाड़ी शेल्डन जैक्सन पर आईपीएल 2023 की नीलामी में बड़ी बोली लगने की संभावना है। शेल्डन ने अपनी टीम को विजय हजारे ट्रॉफी 2022 के फाइनल में एक महत्वपूर्ण पारी खेलकर जीत दिलाई। 2022 में जैक्सन केकेआर के लिए खेले और कुछ गेम हासिल किए। हालांकि इस साल कई टीमें अपने मध्यक्रम को मजबूत करने के लिए बल्लेबाजों को टारगेट कर सकती हैं। वे पार्ट टाइम विकेट कीपर भी हैं ऐसे में टीम को अलग फायदा दे सकते हैं।

हॉकी वर्ल्ड कप के लिए ओडिशा है तैयार

हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट दिलीप तिर्की बोले- ड्रैग फ्लिकर चले तो भारत को चैंपियन बनने से कोई रोक नहीं सकता

भुवनेश्वर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप तिर्की ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक को आज की भारतीय हॉकी का मां-बाप मानते हैं। वे भारतीय हॉकी के पुनरुद्धार का श्रेय भी उन्हीं को देते हैं। अगले महीने ओडिशा सरकार की मेजबानी में आयोजित हो रहे इस टूर्नामेंट से पहले भारतीय हॉकी के मुखिया दिलीप तिर्की ने कहा भारत को लगातार दूसरी बार हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली है। वर्ल्ड कप के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब एक ही देश लगातार 2 सीजन होस्ट कर रहा है। 2018 में पिछला वर्ल्ड कप भारत (भुवनेश्वर) में हुआ था।

44 साल के इस दिग्गज डिफेंडर ने वर्ल्ड कप की तैयारी, भारत के जीतने की संभावना, ओलिंपिक की तैयारी और भविष्य की तैयारी की। ओडिशा लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप करा रहा है, लेकिन पहली बार

भुवनेश्वर और राउरकेला में मैच खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप होस्ट करना सौभाग्य की बात है। यह हमारा सौभाग्य है कि ओडिशा सरकार को बैक टु बैक वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली है। टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। हमने 2018 में पिछले वर्ल्ड कप को भी बेहतरीन तरीके से कराया था। तब यहां सरकार के साथ-साथ फैंस का भी सपोर्ट मिला था। इसीलिए हमें दोबारा मेजबानी मिली है।

जहां तक तैयारियों की बात है तो 2 वेन्यू में मैच कराना हमेशा चैलेंजिंग रहता है। हमारा एक वैन्यू का आयोजन सक्सेस रहा। सरकार भी कलिंगा स्टेडियम में मैच कराने की आदी हो गई थी। ओडिशा सरकार ने राउरकेला में एक अलग स्टेडियम बनाया है। 20 हजार से अधिक क्षमता वाला यह स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। मैंने बहुत सारे मैच खेले, लेकिन अपने करियर में इतने बड़े स्टेडियम में मैच नहीं खेला है। जिस कंट्री में वर्ल्ड कप हो रहा है, वहां यह समझ लीजिए कि हॉकी का विकास हो रहा है। इससे बच्चे और युवा हॉकी खेलने के लिए इंस्पायर हो रहे हैं। जो हॉकी देखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और हॉकी पसंद कर रहे हैं। जहां भी ऐसे बड़े आयोजन होते हैं, वहां हॉकी का माहौल अच्छा हो जाता है। ओडिशा में हॉकी का क्रेज बढ़ेगा। राउरकेला, जो आज हॉकी की नर्सरी है। वहां इस खेल के चाहने वाले और बढ़ जाएंगे। मैंने खुद कभी नहीं सोचा था कि राउरकेला वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा। यहां इतने लोग आएंगे कि भारतीय और विदेशी टीमों को लगेगा कि आज भी हॉकी के फैंस जिंदा हैं। हम सब चाह रहे हैं कि हमारी भारतीय टीम अच्छा खेले, सेमीफाइनल जाए और फाइनल जाए।

फीफा की टीम में रोनाल्डो-नेमार नहीं, मेसी-एम्बाप्पे

वर्ल्ड कप जीतने वाली अर्जेंटीना के 2, हारने वाली फ्रांस के 4 खिलाड़ी

खेल डेस्क , 20 दिसंबर (एजेंसियां)। फुटबॉल के आंकड़ों को एनालाइज करने वाली वेबसाइट ओप्टा एनालिस्ट ने स्टैट्स एनालिसिस के आधार पर फीफा की टीम ऑफ द टूर्नामेंट जारी की। इसमें पुर्तगाल के रोनाल्डो और ब्राजील के नेमार को जगह नहीं मिली। जबकि मेसी और एम्बाप्पे टीम में हैं। ओप्टा ने एनालिसिस के आधार पर 11 प्लेयर्स को चुना है। इसमें हर पोजिशन के हिसाब से टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी लिए गए है।

11 प्लेयर्स की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में किन खिलाड़ियों ने जगह बनाई...

डोमिनिक लिवाकोविच (गोलकीपर)

क्रोएशिया के लिवाकोविच को बेस्ट गोलकीपर के तौर पर चुना गया। पूरे वर्ल्ड कप में उन्होंने हर मैच में एवरेज 3.5 सेव किए है, जो की सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, उन्होंने वर्ल्ड कप के एक ही एडिशन में चार पेनल्टी शूटआउट रोकने के रिकॉर्ड की भी बराबरी की।

अशरफ हकीमी (डिफेंडर)

मोरक्को के अशरफ हकीमी को राइट बैक डिफेंडर की पोजिशन के लिए चुना गया है। इस टूर्नामेंट में हकीमी ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 26 टैकल किए। यानी बॉल को विपक्षी टीम के खिलाफ छीनने की कोशिश की।

मार्किन्होस (डिफेंडर) ब्राजील के सेंट्रल डिफेंडर मार्किन्होस ने इस वर्ल्ड कप में अपने 364 में से 349 पास पूरे किए, जिसमें 96% की पासिंग एक्यूरेसी थी। जो वर्ल्ड कप में सबसे अच्छी थी। मार्किन्होस जब पिच पर थे उस दौरान औसतन 90 मिनट के अंदर विपक्षी टीम 6.8 शॉट ही लगा सकी।

जोस्को ग्वार्डिओल (डिफेंडर)

क्रोएशिया के स्टार डिफेंडर ग्वर्डिओल ने इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा (37) बॉल क्लियरेंस की। यानी अपने बॉक्स से बॉल को बचाया और निकाला है। इसके साथ ही उन्होंने सबसे ज्यादा 202 बार बॉल को चलाया और आगे लेकर गए। ग्वार्डिओल ने इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 48 बार बॉल पजेशन अपने पास रखा। जो कि किसी भी डिफेंडर से ज्यादा है।

थियो हर्नांडेज (डिफेंडर)

फ्रांस के लेफ्ट बैक डिफेंडर थियो हर्नांडेज ने इस वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में बॉल को आगे लाते हुए डिफेंडर्स में सबसे ज्यादा (11) गोल के चांस बनाए। साथ ही उन्होंने 2 असिस्ट भी किए।

ब्रूनो फर्नांडेज (मिडफील्डर)

इस वर्ल्ड कप (5) में फर्नांडेज की तुलना में केवल लियोनल मेसी और कीलियन एम्बाप्पे की ही गोल में सबसे ज्यादा भागीदारी रही है। साथ ही फर्नांडेज ने 3 असिस्ट अपने नाम किए।

ऑरेलियन टचौमेनी (मिडफील्डर)

टचौमेनी ने इस वर्ल्ड कप में (14) में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में ज्यादा इंटरसेप्शन बनाए। यानी बॉल छीनी। साथ इस इस टूर्नामेंट में उन्होंने 468 में से 425 पास यानी 91% पास पूरे किए।

एंटोनी ग्रीजमैन (मिडफील्डर)

फ्रांस के खिलाड़ी और प्लेमेकर इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा (22) गोल के मौके बनाए। उन्हें सेमीफाइनल में मोरक्को ऑफ द मैच भी मिला।

लियोनल मेसी (फॉरवर्ड)

वर्ल्ड कप 2022 में मेसी ने सबसे ज्यादा 32 शॉट गोल की तरफ मारे। मेसी ने 17 ओपन प्ले चांस बनाए। ओपन प्ले तब होता है जब टीम दौड़ रही होती हैं और गोल करने की कोशिश करती हैं। मेसी के नाम इस वर्ल्ड कप में 7 गोल और 3 असिस्ट हैं।

जूलियन अल्वारेज (फॉरवर्ड)

22 साल के जूलियन अल्वारेज ने इस वर्ल्ड कप में 4 गोल किए। अल्वारेज ने क्रोएशिया के खिलाफ ब्रेस यानी दो गोल दागे। 22 साल 316 दिन की उम्र में, अल्वारेज वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में सबसे कम उम्र के ब्रेस स्कोरर बने। पेले ने 1958 में 17 साल की उम्र में फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में हैट्रिक स्कोर की थी।

कीलियन एम्बाप्पे (फॉरवर्ड)

फ्रांस के स्टार प्लेयर कीलियन एम्बाप्पे ने 2022 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा (8) गोल स्कोर किए। साथ ही उन्होंने सबसे ज्यादा 25 ड्रिबल पूरे किए। यानी उन्होंने 25 बार डिफेंडर्स को छकाते हुए बॉल को अकेले आगे ले गए।

धर्मसंकट में ईशान, धोनी से ऊपर साइन कैसे करें?

मोबाइल पर ऑटोग्राफ मांगा, धोनी का साइन देख बोले -अभी इतना बड़ा नहीं हुआ

रांची, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में दोहरा शतक जड़कर सुर्खियां बटोरने वाले ईशान किशन रणजी ट्रॉफी के दौरान एक धर्मसंकट में फंस गए।

दरअसल, एक फैंन ने उसने अपने मोबाइल कवर पर ऑटाग्राफ मांगा, लेकिन उस कवर में पहले से ही धोनी का ऑटोग्राफ था और उनके सिग्नेचर के लिए नीचे जगह नहीं थी। हां, थोड़ी जगह धोनी के ऑटोग्राफ के ऊपर थी। ऐसे में किशन के सामने धर्मसंकट था कि धोनी के ऑटोग्राफ के ऊपर कैसे साइन कर दें...? उन्होंने ऑटोग्राफ देने से मना कर दिया। हालांकि, उस फैन की मिन्नतों के बाद किशन ने ऑटोग्राफ तो दिया, लेकिन धोनी के ऑटोग्राफ के नीचे।

मामला रांची में झारखंड-केरल के बीच खेले गए रणजी ट्रॉफी मैच का है। इस मुकाबले की ईशान किशन (132) ने झारखंड की पहली पारी में शतक जमाया। इस पारी के बाद एक फैन उनके पास पहुंचा और अपने मोबाइल कवर में ऑटोग्राफ देने का आग्रह किया। ईशान ने जैसे ही ऑटोग्राफ देने के लिए मोबाइल पलटा तो देखा कि कवर में पहले से ही एमएस धोनी का ऑटोग्राफ था और उनके साइन के लिए जगह नहीं थी। ऐसे में ईशान ने कहा कि किसी और चीज में ऑटोग्राफ दे देता हूं। इस पर फैन ने धोनी के ऑटोग्राफ के ऊपर ही साइन करने को कहा। ऐसे में ईशान किशन ने कहा- 'अभी मैं इतना बड़ा नहीं हुआ हूं कि माही भाई के सिग्नेचर के साथ अपना ऑटोग्राफ दूं।'

इसका वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड हो गया है और सोशल मीडिया फैन उसे पसंद भी कर रहे हैं। वीडियो में ईशान कहते हुए सुने जा रहे हैं- 'माही भाई का सिग्नेचर है और उसके ऊपर मुझे कह रहे हैं करने को मुझसे यह हो नहीं रहा है। माही भाई के सिग्नेचर के साथ में मैं क्या करूंगा।

अर्जेंटीना टीम जीत का जश्न ब्यूनस आयर्स में मनाएगी

मेसी की पत्नी एंटोनेला बोली- हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए, यह सिखाने के लिए धन्यवाद

अर्जेंटीना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। नियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना टीम 36 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड जीत कर लौट चुकी है। टीम सेना की सुरक्षा के घेरे में अर्जेंटीना पहुंची। उसकी जीत का जश्न मंगलवार को राजधानी ब्यूनस आयर्स में ओबिलिस्को डी ब्यूनस आयर्स स्मारक स्थल पर मनाने की तैयारी की जा रही है। वहीं मेसी के पहले वर्ल्ड कप जीतने पर उनकी पत्नी एंटोनेला के भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एंटोनेला ने उन्हें अंत तक लड़ने वाला योद्धा बताया है।

पहले जानते हैं क्या चल रही है तैयारी

अर्जेंटीना फुटबॉल फेडरेशन ने सोमवार को घोषणा की कि वर्ल्ड कप जीतने वाली नेशनल टीम जीत का जश्न मंगलवार को खेल के लिए जाने वाले देश की राजधानी में स्थित ओबिलिस्को डी ब्यूनस आयर्स स्मारक स्थल पर मनाएगी। टीम मंगलवार को दोपहर में प्रंशसकों के साथ वहां के लिए रवाना होगी।

अर्जेंटीना ने मंगलवार को बैंकों के अवकाश की घोषणा

जीत के जश्न में सभी लोग शामिल हो सकें, इसलिए अर्जेंटीना सरकार ने मंगलवार को बैंक अवकाश की घोषणा की है।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान में पहली बार क्लीन स्वीप किया

कराची, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने पाकिस्तानी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। उसने 3 मुकाबलों की सीरीज में पाकिस्तान को 3-0 से हराया। बेन स्टोक्स की लीडरशिप में खेल रही इंग्लिश टीम ने तीसरा टेस्ट 8 विकेट से जीता है। टेस्ट इतिहास में पहली बार अंग्रेजों ने पाकिस्तान का उनके घर में सूपड़ा साफ किया है। इंग्लैंड ने चौथे दिन जीत के लिए जरूरी 55 रन को बिना विकेट गंवाए पहले सत्र में ही हासिल कर लिया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद रहने वाले बेन डकैट (50) और कप्तान बेन स्टोक्स (10) ने इंग्लैंड की पारी को 2 विकेट पर 112 रन से आगे ले जाते हुए

दूसरी पारी में मिले 167 रन के टारगेट को हासिल कर लिया। दोनों के बीच 73 रन की साझेदारी हुई। इंग्लैंड ने 2 विकेट के नुकसान पर 170 रन बना लिए। कप्तान बेन स्टोक्स 35 और बेन डकैट 82 रनों पर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से अबरार अहमद ने आखिरी पारी में दो विकेट लिए। शेष गेंदबाज खाली हाथ रहे।

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 1954 में हुई। पहली बार पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड में 4 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने गई। यह सीरीज 1-1 से ड्रॉ रहा। उसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 1961-62 में पहली बार पाकिस्तान दौरा किया था। तब इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज1-0 से जीती थी।

हैरी ब्रूक प्लेयर ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द मैच रहे। उन्होंने कराची में खेले गए आखिरी मैच में पहली पारी में 111 रन की पारी खेली। तीन मैचों की सीरीज के 5 पारियों में लगभग 94 की औसत से 468 रन बनाए। वहीं उन्होंने रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट में पहली पारी में 153 और दूसरी पारी में 87 रन बनाए। वहीं मुल्तान में खेले गए दूसरे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 9 और दूसरी पारी में 108 रन बनाए।

रोहित शर्मा के बाद ये दिग्गज भी हुआ बाहर

शमी की जगह मिला था मौका, अब सीधा बेंगलुरु लौटेगा

खेल डेस्क , 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश दौरे पर गई टीम इंडिया को बैक टू बैक 2 बड़े झटके लगे हैं। रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा के बाद तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भी चोटिल होकर दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। टीम इंडिया 22 दिसंबर से ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

नवदीप सेनी जाएंगे नेशनल क्रिकेट अकादमी

तेज गेंदबाज नवदीप सैनी दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी मांसपेशियों में खींचाव आया है। अब नवदीप सैनी अब सीधा बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी जाएंगे, जहां मेडिकल टीम उनकी निगरानी करेगी। इसके बाद वह कमबैक करने के लिए मेहनत करेंगे। आपको बता दें कि नवदीप को मोहम्मद शमी के रिप्लेसमेंट के तौर पर बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया था।

रोहित को ठीक होने में वक्त लगेगा

नवदीप सैनी के अलावा कप्तान रोहित शर्मा भी दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हैं। वह बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में उनके बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी, मेडिकल टीम के अनुसार, रोहित को पूरी तरह फिट होने में अभी कुछ वक्त लगेगा।

22 दिसंबर से दूसरा टेस्ट मैच

22 से भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच शुरू होगा। जो ढाका में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने चटगांव में 188 रनों से जीत दर्ज की थी। इस जीत के साथ ही भारत इस सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर चुका है।

दूसरे टेस्ट के लिए भारत की अपडेटेड टीम

केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा (उप कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव शार्दुल ठाकुर, मो. सिराज, उमेश यादव, अभिमन्यु ईश्वरन, सौरभ कुमार, जयदेव उनादकट.

करीम बेंजेमा का अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास

खेल डेस्क, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2022 के दौरान बेंजेमा लगातार विवाद में रहे थे, लेकिन उन्होंने कहा है कि उन्हें अपनी गलती पर गर्व है। अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच फाइनल से पहले बेंजेमा फिट थे, लेकिन वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले। फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर करीम बेंजेमा ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का एलान कर दिया है। वह चोट की वजह से फीफा

विश्व कप 2022 में अपने देश के लिए कोई मैच नहीं खेल पाए। फीफा विश्व कप से पहले चोट की वजह से उन्हें कतर से वापस घर भेज दिया था। हालांकि, फाइनल मैच से पहले उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए एक फ्रैंडली मैच भी खेला था। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल मैच में वह फ्रांस के लिए खेल सकते हैं।

कथित तौर पर बेंजेमा और फ्रांस की टीम के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स के बीच अनबन हो गई थी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलने का फैसला किया।

आईपीएल 2023 नीलामी में किस खिलाड़ी को खरीदकर एसआरएच बनाएगी कप्तान? इरफान पठान ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

खेल डेस्क , 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीज़न की नीलामी 23 दिसंबर 2022 को कोच्चि में होने वाली है। इस ऑक्शन के लिए हर टीम ने अपनी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इस ऑक्शन में जहां हर टीम को बल्लेबाज, गेंदबाज, ऑलराउंडर या विकेटकीपर की तलाश है। वहीं दूसरी तरफ सनराइजर्स हैदराबाद को एक नया कप्तान चुनना है। टीम ने अपने पुराने कप्तान केन विलियमसन को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ऐसे में टीम के फ्यूचर कप्तान को लेकर इरफान पठान ने बड़ी भविष्यवाणी की है।

इरफान पठान के मुताबिक ये खिलाड़ी बन सकता है हैदराबाद का कप्तान

हैदराबाद के नए कप्तान को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान

पठान ने बड़ी भविष्यवाणी की है। इरफान पठान का साफ तौर पर मानना है कि हैदराबाद की फ्रेंचाइजी मयंक अग्रवाल को खरीद कर अपना कप्तान बना सकती है। कॉमेंटेटर इरफान पठान ने स्टार स्पोर्ट पर 'गेम प्लान' ऑक्शन स्पेशल शो पर बात करते हुए कहा, "मयंक अग्रवाल उस तरह के व्यक्ति हैं जिन्होंने एक टीम का नेतृत्व किया है, जो काफी स्वतंत्र रूप से खेलते हैं। वे शायद उन्हें एक लीडर के रूप में लेने के बारे में सोच रहे होंगे। खैर ये देखते हैं कि क्या होने वाला है?"

हैदराबाद के पास सबसे ज्यादा पैसे मौजूद

बता दें कि साल 2023 के सत्र के लिए दिसंबर के महीने में होने वाली मिनी ऑक्शन के लिए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के पास सबसे अधिक 42.25 करोड़ रुपए का पर्स है। सनराइजर्स के बाद इस मामले में पंजाब किंग्स दूसरे पर आता है।

पिछले आठ वर्षों में तेलंगाना ने तेजी से की प्रगति : सोमेश कुमार

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी के साथ मुख्य सचिव ने की चर्चा

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने आज नई दिल्ली से केंद्रीय कैबिनेट सचिव डॉ. राजीव गौबा और सभी राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ 'आर्थिक विकास के चालक के रूप में जिले' पर एक वीडियो सम्मेलन आयोजित किया। वीडियो सम्मेलन के दौरान मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने विकास के आधार के रूप में करीमनगर जिले पर विशेष ध्यान देने के साथ योजना पर राज्य के दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने अपने गठन के बाद से पिछले आठ वर्षों के दौरान तेजी से प्रगति की है। वर्ष 2014 में जीएसडीपी के 5.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर पिछले साल 11.58 करोड़ रुपये हो जाने से स्पष्ट है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार ने औपचारिक क्षेत्र में नई नौकरियां पैदा करने, सालाना तेजी से आर्थिक विकास करने और उच्च जीएसडीपी विकास हासिल करने का स्पष्ट लक्ष्य तैयार किया है। मुख्य सचिव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकारी विभाग आमतौर पर केवल अपने विभागों के बजट, लक्ष्यों आदि पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक पारंपरिक दृष्टिकोण में काम करते हैं। तेलंगाना में, विभागों को यह तैयार करने के लिए कहकर एक नया दृष्टिकोण शुरू किया गया है कि उनमें से प्रत्येक जीएसडीपी को बढ़ाने, अर्थव्यवस्था में सुधार करने और नई नौकरी बनाने में कैसे योगदान दे सकता है। मुख्य सचिव ने बताया कि तदनुसार सभी संबंधित विभागों के साथ विचार-मंथन सत्र आयोजित किए गए और नौकरियों और उद्यमिता पर नया ध्यान केंद्रित किया गया जिससे तेजी से आर्थिक विकास हासिल करने में मदद मिलेगी। हर विभाग में ग्रोथ ड्राइवर्स की पहचान की गई। अन्य विभागों के साथ अभिसरण पर जोर दिया गया।

करीमनगर जिले की अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) सुश्री गरिमा अग्रवाल ने जिले की अर्थव्यवस्था का संक्षिप्त विवरण दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि जिला स्तर पर राज्य की कार्य योजनाओं को कैसे क्रियान्वित किया जाता है। मानेर रिवरफ्रंट का विकास, तेल ताड़ की खेती में वृद्धि और दलित बंधु योजना को जिले में विकास के नए उत्प्रेरक के रूप में पहचाना गया।

टीयर 2 शहरों में आईटी क्षेत्र के विकास के तहत जिले में आईटी टावर स्थापित किया गया था। विशेष मुख्य सचिव वित्त रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव एमएयूडी अरविंद कुमार, विशेष मुख्य सचिव (एएच) अधर सिन्हा, प्रमुख सचिव उद्योग जयेश रंजन, सचिव कृषि रघुनंदन राव, सचिव एससीडी राहुल बोज्जा, सचिव आदिवासी कल्याण क्रिस्टीना जोंगथू और अन्य अधिकारी वीडियो सम्मेलन में शामिल रहे।

केसीआर पोषण किट आज लॉन्च की जाएगी

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदर एंड चाइल्ड हेल्थ (एमसीएच) पर अपना विशेष ध्यान जारी रखते हुए तेलंगाना सरकार बुधवार से राज्य के नौ जिलों में गर्भवती महिलाओं के लिए 'केसीआर पोषण किट' लॉन्च करने के लिए तैयार है।

केसीआर पोषण किट का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के पोषण की स्थिति में सुधार करना है, खासकर जो एनीमिया से पीड़ित हैं। ये किट नौ जिलों-आदिलाबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम, जयशंकर भूपालपल्ली, जोगुलम्बा गडवाल, कामारेड्डी, कुमराम भीम आसिफाबाद, मुलुगु, नागरकुर्नूल और विकाराबाद में लॉन्च की जाएंगी, जहां गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की कमी बड़े पैमाने पर पाई जाती है। इन जिलों में किट से कुल 1.50 लाख गर्भवती महिलाओं को सीधा लाभ होगा। राज्य सरकार ने 50 करोड़ रुपये की लागत से कुल 2.50 लाख किट वितरित करने की व्यवस्था की है। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव बुधवार को कामारेड्डी में औपचारिक रूप से इस पहल की शुरुआत करेंगे, जबकि स्थानीय मंत्री अन्य आठ जिलों में इस पहल की शुरुआत करेंगे।

स्कूलों में ऊर्जा संरक्षण पाठ को अनिवार्य किया जाए : जगदीश रेड्डी

तेलंगाना राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार समारोह आयोजित

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि वह जल्द ही स्कूल शिक्षा विभाग को राज्य में स्कूली पाठ्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण के पाठ को अनिवार्य बनाने के लिए लिखेंगे।

तेलंगाना राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा मंगलवार को यहां आयोजित तेलंगाना राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार समारोह-2022 में बोलते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण ऊर्जा की कमी का सबसे लागत प्रभावी समाधान है, इसलिए लोगों को ऊर्जा बचाने के उपाय करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऊर्जा संरक्षण के लिए कई उपाय कर रही है, लेकिन लोगों की भागीदारी के बिना इसे सफल बनाना संभव नहीं है।

मंत्रीने कहा कि राज्य सरकार नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा को अधिक महत्व दे रही है, क्योंकि यह ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प है। ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा ने कहा कि राज्य में 26 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है, जिसे निकट भविष्य में बढ़ाकर 40 प्रतिशत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इससे बिजली उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी। टीएस जेनको और ट्रांसको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डी. प्रभाकर राव, टीएसएसपीडीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी रघुमा रेड्डी और अन्य ने भी बात की।

नाइजीरियन समेत दो तस्कर एमडीएमए के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट पुलिस के साथ रचाकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एलबी नगर) ने मंगलवार को एमडीएमए ड्रग बेचने के आरोप में एक नाइजीरियाई नागरिक सहित दो लोगों को पकड़ा और उनके पास से 30 ग्राम एमडीएमए, मोबाइल फोन जब्त किए। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने हैदराबाद मणिकोंडा के सीलम साई कृष्णा (29) और नाइजीरिया के मूल निवासी मुंबई के चिजोके उचेचुकवु उर्फ पीटर (38) को पकड़ा। मुंबई में रहने वाला एक अन्य व्यक्ति ओकोरो फरार है। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त, महेश मुरलीधर भागवत ने कहा कि साईं कुमार पीटर से दवा खरीद रहा था, जो मणिकोंडा के एक ओयो होटल में रह रहा था और ग्राहकों को इसकी आपूर्ति कर रहा था। पीटर भारत में अवैध रूप से रह रहा है और ओकोरो से नशीला पदार्थ खरीद रहा था और आने वाले नए साल की पूर्व संध्या के दौरान इसे ग्राहकों को बेचने की योजना बना रहा था। एमडीएमए एक ग्राम 10 हजार रुपये में बेचा जाता है। विश्वसनीय सूचना पर एसओटी टीम ने नेरेडमे में इन्हें दबोच लिया सीपी ने बताया कि आरोपी सीलम साई कृष्णा हैदराबाद का रहने वाला है। मूल रूप से, वह आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर के मूल निवासी हैं। उनके माता-पिता करीब 25 साल पहले हैदराबाद आ गए थे। उसने सेंट मार्टिन्स, कोमपल्ली, सिकंदराबाद से बी.टेक में अपनी पढ़ाई बंद कर दी। इसके बाद वह नशीला पदार्थ खाने का आदी हो गया। लगभग छह महीने पहले वह ड्रग पेडलर चिजोके उचेचुकवु उर्फ पीटर के संपर्क में आया था। चिजोके उचेचुकवु उर्फ पीटर एक नाइजीरियाई नागरिक है उसका अंग्रेजी नाम पीटर है। उसने दावा किया कि उसने 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण की है और वर्ष 2014 में मुंबई में कंप्यूटर पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए छात्र वीजा पर भारत आया था।

वर्ष 2015 में उनका वीजा समाप्त हो गया था और संस्थान एप्टेक कंप्यूटर एजुकेशन, शिवाजी नगर, पुणे, महाराष्ट्र को शुल्क का भुगतान न करने के कारण उसने कंप्यूटर कोर्स पूरा नहीं किया और भारत में ही रहे। बताया जाता है कि जब वह 2015 से 2020 तक पुणे (कोंडवा) में था तब उसने कुछ समय के लिए अफ्रीकन किचन में रसोई में परिचारक के रूप में काम किया। वर्ष 2017 के दौरान वह मुंबई के एक ड्रग तस्कर के संपर्क में आया। ड्रग पेडलर ड्रग/ कोकीन प्रदान करता था और वह इसे पुणे में बेचकर पैसे कमाता था। उसे वर्ष 2017 में पुणे में गिरफ्तार किया गया और शिवाजीनगर से जेल भेज दिया गया। उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया। वह एक साल तक जेल में रहा। दिल्ली में रहने वाले उसके एक रिश्तेदार को जमानत मिल गई और वह उसे बाहर ले आया। बाद में 2018 में वह मुंबई चले गए, कुछ समय के लिए मुंबई के नालासोपारा में अफ्रीकी रसोई में काम किया। अगस्त 2022 में वह एक ड्रग पेडलर ओकोरो के संपर्क में आया। पीटर पुणे, मुंबई से हैदराबाद और अन्य स्थानों पर निजी बसों में ड्रग्स ले आता है और ग्राहकों तक पहुंचाता है। वह नशीला पदार्थ ले जाने के दौरान पूरी सावधानी बरतता है और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए अपने लगेज बैग को अपनी सीट से दूर रखता है। आगामी नए साल के जश्न को देखते हुए, आरोपी सीलम साई कृष्णा ने पीटर को फोन किया और बड़ी कीमत पर बिक्री के लिए दवा लाने और अच्छा पैसा बनाने के लिए कहा।

विकास से आकर्षित होकर तेलंगाना में विलय चाहते हैं पड़ोसी राज्यों के ग्रामवासी : केटीआर

राजन्ना सिरसिल्ला, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री केटी रामाराव ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना के कल्याण और विकास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर, पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक के लोग अपने गांवों को राज्य में विलय करने की मांग कर रहे हैं। महाराष्ट्र के 14 गाँव अब तेलंगाना में विलय करना चाहते हैं। इसी तरह, कर्नाटक के एक विधायक और मंत्री के अलावा रायचूर के लोगों ने भी तेलंगाना में विलय की मांग की है। केटीआर ने वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के रुद्रंगी में 3.50 करोड़ रुपये की लागत से एक नवनिर्मित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का उद्घाटन करने के बाद उक्त बात कही।

इस अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के कल्याणकारी कार्यक्रम जैसे आसरा पेंशन, रैतु बंधु, रैतु बीमा और कृषक समुदाय को 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति देश के किसी अन्य राज्य में लागू नहीं की जा रही है। 2014 में, पेंशन को 26 लाख व्यक्तियों तक बढ़ाया गया था और अब इसे बढ़ाकर 46 लाख व्यक्तियों तक कर दिया गया है, इसके अलावा पेंशन राशि को बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह, पिछले दिनों 66 लाख किसानों को 65,000 करोड़ रुपये की रैतु बंधु सहायता दी गई है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में रैतु बंधु को अगले बुधवार से बढ़ाया जाएगा और किसानों को 7,600 करोड़ रुपये की पेशकश की जाएगी।

दुर्भाग्य से, विपक्षी दलों द्वारा इन सभी कार्यों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वे सिर्फ मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को कोस रहे हैं। उनके आरोपों के बावजूद, आप लोगों को उन्हें उनके श्रापों से बचाना चाहिए और उन्हें पूरे दिल से आशीर्वाद देना चाहिए।

पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) 24 को कार्य करेंगे

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पांच पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) हैदराबाद में तीन (अमीरपेट, बेगमपेट और टोलीचौकी), और करीमनगर और निजामाबाद में एक-एक, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी-हैदराबाद के तहत, तत्काल और सामान्य श्रेणियों दोनों के तहत पासपोर्ट आवेदनों को संसाधित करने के लिए 24 दिसंबर को काम करेंगे। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी दसारी बलैया ने मंगलवार को यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि तत्काल और सामान्य श्रेणी दोनों के तहत पूर्ण नियुक्तियां जारी की जा रही हैं। जारी की गई नियुक्तियां उन लोगों के लिए उपलब्ध थीं जो पुनर्निर्धारित/प्रीपोन करना चाहते हैं और नए आवेदकों के लिए भी। जो आवेदक तत्काल श्रेणी के तहत पात्र हैं, उन्हें केवल तत्काल नियुक्तियों के लिए आवेदन करना चाहिए और तत्काल आवेदकों को जो श्रेणी के तहत पात्र नहीं पाए जाते हैं, उन्हें पीएसके में सामान्य श्रेणी में परिवर्तित नहीं किया जाएगा ताकि तत्काल श्रेणी की नियुक्ति केवल योग्य आवेदकों के लिए उपलब्ध हो सके। इसके अलावा, 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक हर दिन 50 अतिरिक्त तत्काल अप्वाइंटमेंट जारी किए जाते हैं ताकि तत्काल अप्वाइंटमेंट का वेटिंग टाइम कम किया जा सके। हालांकि, पीओपीएसके 24 दिसंबर को काम नहीं करेंगे। आरपीओ ने आवेदकों को सलाह दी कि वे अपनी नियुक्तियों को शेड्यूल करने/पुनर्निर्धारित करने के लिए दलालों/दलालों से संपर्क करने से बचें, और इसके बजाय अपने दम पर नियुक्तियों को शेड्यूल/पुनर्निर्धारित करें।

मिशन काकतीय व भागीरथ के कारण भूजल निकासी में आई कमी

तेलंगाना में बढा भूजल स्तर, अब जल समस्या से लोगों को मिली निजात

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की प्रमुख लिफ्ट सिंचाई योजनाओं, मिशन भागीरथ और मिशन काकतीय ने पिछले पांच वर्षों में तेलंगाना में भूजल स्तर में बड़ा बदलाव ला दिया है। वार्षिक भूजल निष्कर्षण 2017 में 8.09 बीसीएम (बिलियन क्यूबिक मीटर) से घटकर 2022 में 8 बीसीएम हो गया है, जबकि इसी अवधि के दौरान भूजल निष्कर्षण का चरण 65.45 प्रतिशत से घटकर 41.6 प्रतिशत हो गया है।

किसी क्षेत्र में भूजल संसाधनों की उपलब्धता वर्षा की अवधि, भूवैज्ञानिक स्तर, मौजूदा पुनर्भरण संरचनाओं की संख्या, औद्योगिक अनुप्रयोगों, पीने/घरेलू उद्देश्यों, सिंचाई आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपभोक्ताओं द्वारा निकासी सहित कई कारकों पर निर्भर करती है और इसलिए, भूजल संसाधनों की वृद्धि या कमी दर, विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग होगी।

अधिकारियों ने कहा कि वर्ष 2017 और 2022 के बीच भूजल निष्कर्षण की तुलना (जैसा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्यों द्वारा मूल्यांकन किया गया है) कुल 248.69 बीसीएम से 239.16 बीसीएम तक निष्कर्षण (पूरे देश के लिए औसतन) में कमी दर्शाता है। हालांकि तेलंगाना में, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं और मिशन भागीरथ के सफल कार्यान्वयन के कारण, सिंचाई और पीने के पानी के उद्देश्यों के लिए सतही जल आपूर्ति में काफी वृद्धि हुई है। नतीजतन, पिछले कुछ वर्षों में भूजल के उपयोग में काफी कमी आई है। अधिकारियों ने कहा कि इसके अलावा, पारंपरिक टैंकों के कायाकल्प के लिए मिशन काकतीय के कार्यान्वयन ने भी राज्य में भूजल स्तर में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस साल नवंबर में, तेलंगाना में औसत भूजल स्तर पिछले साल नवंबर में 4.97 एमबीजीएल के मुकाबले 4.5 एमबीजीएल (जमीनी स्तर से मीटर नीचे) है। 33 जिलों में से 22 जिलों में औसत जल स्तर 5 एमबीजीएल से नीचे है और शेष 11 जिलों में यह 5-10 एमबीजीएल के बीच है। केंद्र सरकार ने हाल ही में मिशन काकतीय के माध्यम से जल संरक्षण/संचयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तेलंगाना की सराहना की थी।

दमरे जीएम ने हैदराबाद मंडल का वार्षिक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन मंगलवार को हैदराबाद मंडल के धोन-काचेगुड़ा खंड का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ शरत चंद्रयान, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, विभिन्न विभागों के प्रधान प्रमुख और अन्य वरिष्ठ अधिकारी थे।

महाप्रबंधक ने धोन-बोगोलू सेक्शन से निरीक्षण शुरू किया, जिसमें उन्होंने मानवयुक्त एलसी गेट पर सुरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया, ट्रैक मेंटेनरों को विंटर जैकेट वितरित किए, विद्युत रखरखाव कर्मचारियों को टूल किट दिए, 'अरुण उद्यान' पार्क का उद्घाटन किया और लेवल क्रॉसिंग (एलसी) के पास पौधारोपण किया। कुर्नूल रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक ने प्रदर्शनी पवेलियन का दौरा किया, जिसमें प्रदर्शन और प्रदर्शन को दर्शाया गया है। महाप्रबंधक ने रेलवे कॉलोनी का भी निरीक्षण किया और परिवारों के साथ बातचीत की और चिल्ड्रन पार्क का उद्घाटन किया। पट्टीकोंडा की विधायक कांगती श्रीदेवी और कुर्नूल के विधायक अब्दुल हफीज खान ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित रेल विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

महाप्रबंधक ने जोगुलम्बा रेलवे स्टेशन को एनर्जी न्यूट्रल स्टेशन घोषित किया, इटिक्याला-पुडूर स्टेशनों के बीच समपार संख्या 105 पर निचले सड़क पुल का निरीक्षण किया, पुडूर-गडवाल खंड के बीच छोटे पुल संख्या 420 का निरीक्षण किया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने गदवाल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और स्टेशन परिसर, सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तृत निरीक्षण किया। अरुण कुमार जैन ने महबूबनगर रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन में उपलब्ध यात्री सुविधाओं सहित पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया, सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और यात्री सुविधाओं, हाल्ट की व्यवस्था, नई ट्रेनों की शुरूआत आदि के संबंध में अभ्यावेदन प्रस्तुत किया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.